जैन विश्व भारती

मानवीय मूल्यों को समर्पित संस्था

- गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के स्वप्नों की कामधेनु
- प्रेक्षाप्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में सुन्दर तपोवन
- युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण द्वारा उपमित जयकुंजर

मंत्री प्रतिवेदन | आय-व्यय विवरण

21
22

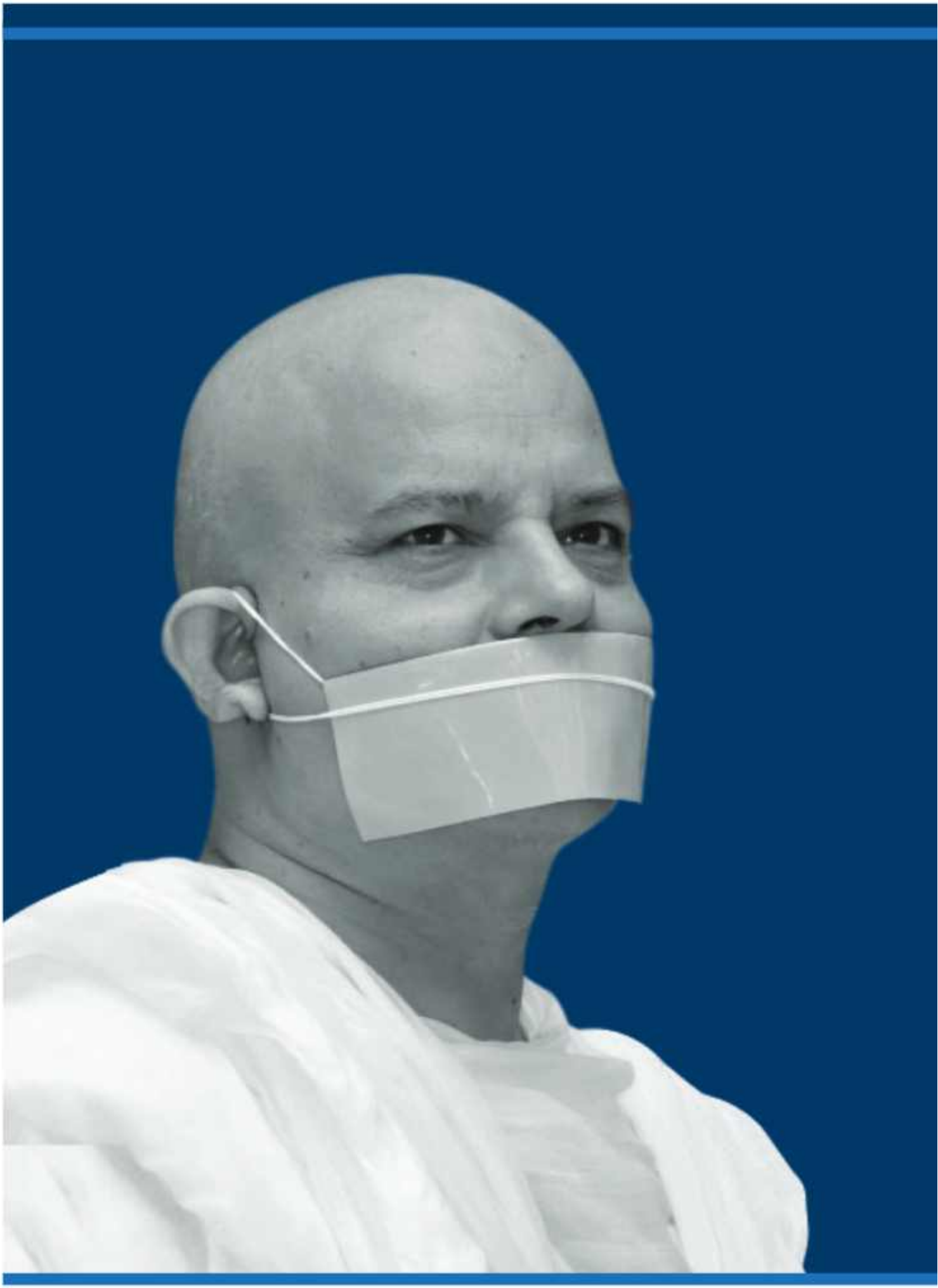

अर्हम्

"जैन विश्व भारती एक वरिष्ठ संस्था है। उसका परिसर भी बड़ा है और उसकी गतिविधियां भी बड़ी हैं। ऐसी संस्था का होना मानों कि समाज का भाग्य है। परम पूज्य गुरुदेव तुलसी के परिश्रम और परम पूज्य आचार्य महाप्रज्ञजी का पथदर्शन से संपोषित हुई जैन विश्व भारती संस्था वर्तमान में भी गतिमान है। वह प्रगतिमान बनी रहे। मंगलकामना।"

छापर
04.09.2022

आचार्य महाश्रमण

मंत्री प्रतिवेदन
2021-22

जैन विश्व भारती की 51वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना

मान्यवर,

सादर जय जिनेन्द्र,

जैन विश्व भारती की 51वीं वार्षिक साधारण सभा 30 सितम्बर 2022 को सांय 4.30 बजे जैन विश्व भारती, लाडनूं, राजस्थान में होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विचार किया जाएगा–

01. स्वागत अभिभाषण

02. जैन विश्व भारती की 50वीं वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही का पठन और स्वीकृति।

03. जैन विश्व भारती के वर्ष 2021–22 के मंत्री के वार्षिक प्रतिवेदन पर विचार एवं स्वीकृति।

04. जैन विश्व भारती के दिनांक 01 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक के हिसाब परीक्षक द्वारा अंकेक्षित आय–व्यय लेखा एवं संतुलन पत्र का प्रस्तुतीकरण तथा स्वीकृति।

05. आगामी एक वर्ष हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति।

06. आए हुए सुझावों एवं प्रस्तावों पर विचार।

07. आगामी दो वर्षों के लिए जैन विश्व भारती के अध्यक्ष, मुख्य न्यासी एवं सात न्यासीगण तथा बोर्ड ऑफ आरबीट्रेटर के तीन सदस्यों का चुनाव।

08 विविध–अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

09. धन्यवाद ज्ञापन।

जैन विश्व भारती की वार्षिक साधारण सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है। कोरम के अभाव में स्थगित सभा उसी दिन और उसी स्थान पर आधा घण्टे पश्चात् आयोजित होगी।

भवदीय

प्रमोद बैद
मंत्री

दिनांक: 20.08.2022

विशेष : सम्मानित सदस्यगणों से निवेदन है कि आय–व्यय लेखा एवं संतुलन पत्रक संबंधी कोई भी जिज्ञासा हमें दिनांक 23 सितम्बर तक ई–मेल द्वारा अथवा पोस्टल से प्रेषित करें ताकि साधारण सभा में समुचित प्रत्युत्तर प्रदान कर जिज्ञासा का समाधान किया जा सके।

जैन विश्व भारती के अध्यक्ष और मंत्री एवं उनके कार्यकाल

अध्यक्ष	कार्यकाल	मंत्री
श्री मोहनलाल बांठिया	1970–1972	श्री सूरजमल गोठी
श्री खेमचंद सेठिया	1972–1974	श्री महावीरराज गेलड़ा (1972–1973)
श्री खेमचंद सेठिया	1974–1976	श्री संपतराज भूतोड़िया (1973–1976)
श्री सूरजमल गोठी	1976–1977	श्री संपतराज भूतोड़िया
श्री सूरजमल गोठी	1977–1979	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री श्रीचंद रामपुरिया	1979–1981	श्री श्रीचंद बैंगानी (1979–1980)
श्री श्रीचंद रामपुरिया	1980–1981	श्री श्रीचंद सुराणा
श्री बिहारीलाल जैन	1981–1984	श्री शंकरलाल मेहता (1981–1983)
श्री बिहारीलाल जैन	1981–1984	श्री श्रीचंद बैंगानी (1983–1984)
श्री खेमचंद सेठिया	1984–1990	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री गुलाबचंद चिंडालिया	1990–1992	श्री श्रीचंद बैंगानी
श्री श्रीचंद बैंगानी	1992–1994	श्री झूमरमल बैंगानी
श्री धरमचंद चौपड़ा	1994–1996	श्री ताराचंद रामपुरिया
श्री चैनरूप भंसाली	1996–1997	श्री हनुमानमल चिंडालिया
श्री गुलाबचंद चिंडालिया	1997–2000	श्री ताराचंद रामपुरिया
श्री मूलचंद बोथरा	2000–2002	श्री गुलाबचंद चिंडालिया
श्री बुधमल दूगड़	2002–2004	श्री भागचंद बरड़िया
श्री सिद्धराज भंडारी	2004–2006	श्री नरेन्द्र छाजेड़
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2006–2010	श्री भीखमचंद पुगलिया
श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	2010–2012	श्री जितेन्द्र नाहटा
श्री ताराचंद रामपुरिया	2012–2014	श्री बंशीलाल बैद
श्री धरमचंद लुंकड़	2014–2016	श्री अरविन्द गोठी
श्री बी. रमेशचंद बोहरा	2016–2018	श्री राजेश कोठारी
श्री अरविन्द संचेती	2018–2020	श्री गौरव जैन मांडोत
श्री मनोज कुमार लूनिया	2020–2022	श्री प्रमोद बैद

जैन विश्व भारती (2020–2022) संचालिका समिति

नाम	स्थान	पद
पदाधिकारी		
श्री मनोज कुमार लूनिया	शिलौंग	अध्यक्ष
श्री अरविन्द कुमार जे. संचेती	अहमदाबाद	निवर्तमान अध्यक्ष
श्री चांदरतन बी. दुगड़	मुम्बई	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्री अमित कुमार नाहटा	बैंगलौर	उपाध्यक्ष
श्री अशोक चण्डालिया	मुंबई	उपाध्यक्ष
श्री दौलत डागा	जयपुर	उपाध्यक्ष
श्री उत्तमचंद नाहटा	गौहाटी	उपाध्यक्ष
श्री प्रमोद बैद	कोलकाता	मंत्री
श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयुक्त मंत्री
श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई	संयुक्त मंत्री
श्री बिमलचंद भंडारी	कोलकाता	कोषाध्यक्ष
न्यास मण्डल		
श्री टी. अमरचंद जैन	चेन्नई	मुख्य न्यासी
श्री अनिल बैद	दिल्ली	न्यासी
श्री कमल किशोर ललवानी	कोलकाता	न्यासी
श्री नरपतसिंह चौरड़िया	बैंगलोर	न्यासी
श्री गौरव जैन (मांडोत)	जयपुर	न्यासी
श्री सुरेन्द्र जैन कांकरिया	न्यूजर्सी	न्यासी
श्री पंकज पोरवाल	भिलाई	न्यासी
श्री विजयसिंह डोसी	गुवाहाटी	न्यासी
श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया	कोलकाता	न्यासी
श्री दर्शन बोहरा	चेन्नई	न्यासी
पंच मण्डल		
श्री बी.रमेशचंद बोहरा	चेन्नई	सदस्य
श्री किशनलाल डागलिया	मुम्बई	सदस्य
श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	सदस्य

जैन विश्व भारती (2020–2022) संचालिका समिति

नाम	स्थान	नाम	स्थान
संचालिका समिति सदस्य			
श्री अंकेश शाह	सूरत	श्री नगराज जैन	कोलकाता
श्री अरविंद कुमार दूगड़	अहमदाबाद	श्री नरपत सिंह बैद	जयपुर
श्री बी. केवलचंद मांडोत	चेन्नई	श्री नवीन पारख	सिलीगुड़ी
श्री बाबूलाल जैन बाफना	नवी मुंबई	श्री नवीन सुराणा	कोलकाता
श्री भानुकुमार नाहटा	मुंबई	श्री नवीन बैंगानी	कोलकाता
श्री भीखमचंद पुगलिया	कोलकाता	श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर
श्री चैनरूप चिंडालिया	कोलकाता	श्री प्रकाशचंद बैद	कोलकाता
श्री डालमचंद बैद	नई दिल्ली	श्री प्रवीण बरड़िया	लाडनूं
श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	श्री पुखराज बडोला	चेन्नई
श्री दिलीप दूगड़	गुवाहाटी	श्री राजकरण सिरोहिया	कोलकाता
श्री इन्दर कुमार बैंगानी	दिल्ली	श्री राजेन्द्र कुमार बच्छावत	कोलकाता
श्री कमल नाहटा	उदयपुर	श्री राकेश एस. कठोतिया	मुंबई
श्री कमलचंद टी. बैद	मुंबई	डॉ. संजय जैन	सूरत
श्री कन्हैयालाल गिड़िया	बैंगलोर	श्री सुरेन्द्र कुमार चोरड़िया	कोलकाता
श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	श्री सुरेन्द्र कुमार कोठारी	मुंबई
श्री मदनलाल एन. तातेड़	मुंबई	श्री सुरेन्द्र कुमार सिंघी	कोलकाता
डॉ. मनजीत जैन	बेलगावी	श्री उम्मेदसिंह बोकड़िया	चेन्नई
श्री मन्नालाल बैद	नई दिल्ली	डॉ. वंदना कुंडलिया	काठमांडू
श्री मोहित डागा	जयपुर	श्री विकास जैन बैद	मुंबई
श्री राजेन्द्र मेहता	जोधपुर		
परामर्शक मण्डल			
श्री दिलीप सुराणा	बैंगलोर	श्री सुमेरमल सुराणा	कोलकाता
श्री जसकरण चोपड़ा	सूरत	श्री पन्नालाल बैद	जयपुर
श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी	दिल्ली	श्री रूपचंद दूगड़	मुंबई
श्री मूलचंद नाहर	बैंगलोर	श्री राजेन्द्र प्रेमचंद घोड़ावत	जयसिंहपुर
श्री नोरतनमल बच्छावत	होस्पेट		

जैन विश्व भारती (2020–2022) संचालिका समिति उपसमिति / विभाग

नाम	स्थान	पद
आदर्श साहित्य विभाग		
श्री पुखराज बडोला	चेन्नई	विभागाध्यक्ष
श्री विजयराज आंचलिया	चेन्नई	सह–संयोजक
श्री दिलीप दूगड़	गुवाहाटी	सह–संयोजक
श्री रमेश कोठारी	इन्दौर	सह–संयोजक
श्री उमेश बी. सेठिया	जलगांव	सह–संयोजक (साहित्य डिजिटल)
प्रेक्षा फाउण्डेशन		
श्री अशोक चिंडालिया	मुम्बई	विभागाध्यक्ष
श्री अमित जैन	नागपुर	सह संयोजक
समण संस्कृति संकाय		
श्री मालचंद बेगानी	दिल्ली	विभागाध्यक्ष
श्री पुखराज डागा	दिल्ली	संयोजक
श्री गौतमचंद डागा	चेन्नई	संयोजक
शोध विभाग		
श्री मदनचंद दूगड़ 'जौहरी'	मुंबई	विभागाध्यक्ष
समन्वय विभाग		
प्रो. बच्छराज दूगड़	लाडनूं	संयोजक
श्री नौरतनमल दूगड़	जयपुर	सह–संयोजक
श्री सुखराज सेठिया	दिल्ली	सह–संयोजक
विमल विद्या विहार प्रबंधन समिति		
श्री चांदरतन बी. दूगड़	मुंबई	संयोजक
श्री प्रकाशचंद बैद	कोलकाता	सह–संयोजक
श्री नवीन बैंगानी	कोलकाता	सह–संयोजक
श्री नवीन पारख	सिलीगुड़ी	सह–संयोजक

जैन विश्व भारती (2020–2022) संचालिका समिति

नाम	स्थान	पद
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, टमकोर प्रबंधन समिति		
श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	संयोजक
श्री अनिल बैद	दिल्ली	सह–संयोजक
डॉ. धनपत लूनिया	दिल्ली	सह–संयोजक
महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर प्रबंधन समिति		
श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	संयुक्त संयोजक
श्री पन्नालाल पुगलिया	जयपुर	संयुक्त संयोजक
श्री पंकज पोरवाल	भिलाई	सह संयोजक
जैन विश्व भारती: परिसर देखरेख समिति		
श्री विजयसिंह डोसी	गौहाटी	संयोजक
श्री जीवनमल जैन (मालू)	बंगाईगांव	संयोजक
श्री मोहित डागा	जयपुर	संयोजक
मीडिया एवं प्रचार–प्रसार विभाग		
श्री धरमचंद लुंकड़	चेन्नई	संयोजक
श्री महावीर बी. सेमलानी	सूरत	सह–संयोजक
शिक्षा सलाहकारिता समिति		
श्री चांदरतन बी. दूगड़	मुम्बई	संयोजक
श्री अरविंद कुमार संचेती	अहमदाबाद	सदस्य
श्री रणजीतसिंह कोठारी	कोलकाता	सदस्य
श्री टी. अमरचंद जैन	चेन्नई	सदस्य
श्री गौरव जैन मांडोत	जयपुर	सदस्य
डॉ. मंजीत जैन	बेलगावी	सदस्य
श्री अशोक चिंडालिया	मुम्बई	सदस्य
डॉ. संजय जैन	सूरत	सदस्य
विशेष: उक्त सभी विभागों/समितियों में जैन विश्व भारती के अध्यक्ष एवं मंत्री पदेन सदस्य हैं।		

अध्यक्ष की कलम से

परमपावन पंचपरमेष्ठी को श्रद्धायुक्त वंदन। परम वंदनीय वैराग्यमूर्ति के मूर्त रूप आचार्यश्री महाश्रमणजी, साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी, मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी, साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी, जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी एवं समस्त चारित्रात्माओं को सविनय वंदना।

पूज्यप्रवर के आशीर्वाद के साथ जैन विश्व भारती का सत्र 2020–22 का अध्यक्षीय दायित्व ग्रहण किया एवं ये दायित्व अपनी निष्पति की ओर अग्रसर होने को है। मैंने जब पद दायित्व ग्रहण किया तब सर्वप्रथम यह जानने का प्रयास किया कि हम किस दिशा में कमजोर है और यह भी जानने की कोशिश की कि हमारे भीतर सबसे अच्छा क्या है। ऐसा इसलिए जरुरी था कि सिर्फ हमारी ताकत ही है जो हमें अपनी कमजोरियों को दूर करने की ऊर्जा देती है।

कोई भी सभा, संस्था हो बिना टीम के कार्य संभव नहीं होता है जब टीम सशक्त हो तो टीम की मंत्रणाएं साकार रुप प्राप्त कर लेती है। किन्हीं भी पुनीत एवं कल्याणकारी कार्यो को लेकर जक कोई मंत्रणा किसी स्थान पर की जाती है तो वह स्थान स्वयमेव ही पवित्र हो जाता है और वह मंत्रणा एक मंथन का रुप ले लेती है जिसमें से अमृत निकलना तय होता है और यह मंथन हमारी टीम ने उस भूमि पर किया जो गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के सपनों की कामधेनु है, पूज्य महाप्रज्ञजी की तपोस्थली हो, आचार्यश्री महाश्रमणजी की कर्मस्थली हो तो, स्थान की सकारात्मक ऊर्जा ही प्रत्येक मंत्रणा को सुनिश्चित दिशा प्रदान कर देती है।

ये इस पुण्यधरा का ही यशोगान था कि हमें जैन विश्व भारती में दो अद्वितीय क्षणों के साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। अमृत महोत्सव का उत्सव इतिहास में रुपान्तरित हो गया जब सुधर्मा सभा की जनमेदिनी के सम्मुख शासन माता के अलंकरण की घोषणा हुई एवं यह इतिहास स्वर्णाकिंत हो गया जब युगप्रधान अलंकरण का निवेदन हुआ एवं आचार्यश्री ने स्वीकृति प्रदान की। मैं अपने आपको एवं जैन विश्व भारती की टीम को सौभाग्यशाली मानता हूं कि हमें ऐसे पल प्राप्त हुए जो कि कालचक्र की समाप्ति तक अन्य को प्राप्त नहीं हो पाएंगे।

जैन विश्व भारती का स्वर्णजयंती वर्ष स्वर्णिम हो गया जब पूज्यप्रवर का अपनी धवलसेना के साथ प्रवास हमें मिला। पूरा परिसर मानो जय कुंजर रुपी जैन विश्व भारती की वैभव गाथा सुनाने को आतुर था। सप्त सकार रुपी द्वार से प्रवेश के साथ ही कदम दर कदम एक–एक करके नव आभा बिखर रही थी, साहित्य सदनम्, महाश्रमण विहार जैसे जैन विश्व भारती के सफर के मील के पत्थर बन गए थे। 16 दिवसीय प्रवास के अनुभव को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है बस आत्मतोष और आत्मिक प्रसन्नता है जिसे समस्त सदस्य परिवार के साथ साझा करने का इच्छुक हूं।

यदि मैं जैन विश्व भारती की प्रत्येक प्रवृत्ति की बात करुं तो मेरे लिए अति प्रसन्नता का विषय है कि प्रत्येक प्रवृति सक्षमता की ओर अग्रसर है चाहे आदर्श साहित्य विभाग हो, प्रेक्षा फाउंडेशन हो या समण संस्कृति संकाय अपने अपने विकास को प्रतिबद्ध रहे।

सेवा के क्रम के अन्तर्गत जैन विश्व भारती के प्रत्येक अतिथिगृह को सुसज्जित कर केन्द्रीयकृत स्वागतकक्ष के माध्यम से आगंतुको को चित्त समाधि प्रदायक आवास सेवा प्रदान की जा रही है। प्रत्येक कार्य को दीर्घकालीन नीति के अन्तर्गत करना हमारा लक्ष्य रहा। हमारा यह मंत्री प्रतिवेदन समस्त सदस्य परिवार तक आपकी अपनी संस्था जैन विश्व भारती की गति–प्रगति प्रस्तुत करेगा।

युगप्रधान महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की कृपादृष्टि इस द्विवर्षीय कार्यकाल में सदैव बनी रही, हमारे प्रत्येक लक्ष्य की प्राप्ति पूज्यप्रवर के पावन आशीर्वाद से ही संभव हो पाई है, मैं व्यक्तिशः और सम्पूर्ण जैन विश्व भारती परिवार की ओर से पूज्यप्रवर के प्रति श्रद्धा शब्द रुपी कृतज्ञता अभिव्यक्त करता हूं एवं यह कामना करता हूं कि आपके द्वारा उपमति यह जय कुंजर सदैव समृद्ध और पोषित रहे।

अध्यक्ष की कलम से

आदरास्पद साध्वीप्रमुखाश्रीजी, मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी, एवं साध्वीवर्या साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के पावन दिशा–निर्देशन हेतु हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का जैन विश्व भारती की समस्त प्रवृतियों में हमें निरन्तर सान्निध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त रहा एवं टीम की एकात्मकता की सदैव प्रेरणा रही। सम्पूर्ण टीम को संगठित रुप से सकारात्मक भाव से कार्य की प्रेरणा मुनिश्री के पाथेय से समय–समय पर प्राप्त होती रही। मुनिश्री के प्रति अपनी ओर से तथा पूरी टीम की ओर से सादर कृतज्ञता ज्ञापित करता हुआ संस्था को सदैव उनके इसी प्रेरणाभाव की मंगलकामना करता हूं। समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद द्वारा समय–समय पर प्राप्त दिशाबोध, प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं।

सभी सहयोगीगणों का नामोल्लेख सहित आभार ज्ञापन मंत्री महोदय ने अपने मंत्री प्रतिवेदन में किया है। अतः मैं संपूर्ण वर्तमान टीम की ओर से जैन विश्व भारती के अनुभवी, धैर्यशील मंत्री श्री प्रमोद बैद की कर्मठ व सक्रिय सेवाओं के लिए आभार ज्ञापित करता हूं कि प्रत्येक कदम में मेरे सहभागी बन संस्था के विकास में महनीय भूमिका का निर्वहन किया।

जैसा कि मैंने प्रारम्भ में ही उल्लेख किया कि टीम यदि सशक्त हो तो मंत्रणा मंथन में परिवर्तित हो जाती है एवं अमृत प्रदायक होती है। ऐसी ही सशक्त टीम सदैव मेरे साथ रही एवं प्रत्येक प्रवृत्ति के उन्नयन में सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपना श्रम एवं समय प्रदान किया।

जैन विश्व भारती की संपूर्ण टीम के समन्वित प्रयास एवं सहयोग तथा संपूर्ण समाज के तन–मन–धन के साथ सहयोग एवं सहभागिता से विकास कार्यों एवं योजनाओं को गति प्राप्त हो सकी। मैं किसी भी व्यक्ति के नामोल्लेख के बिना विशेष आदरभाव एवं सम्मान से संस्था की इस विकास यात्रा के सहयोगी बंधुओं, स्नेही स्वजनों के प्रति हार्दिक आभार व साधुवाद प्रकट करता हूं। जैन विश्व भारती एवं इसकी समस्त इकाईयों, विभागों में कार्यरत समस्त कर्मीगणों के निष्ठाभाव एवं सहयोगभाव के प्रति हार्दिक साधुवाद प्रकट करता हूं।

किसी भी प्रकार की हुई भूल के लिए सभी से सहृदय क्षमायाचना करता हुआ सभी के प्रति मंगलकामना करता हूं।

मनोज कुमार लूनिया
अध्यक्ष
जैन विश्व भारती

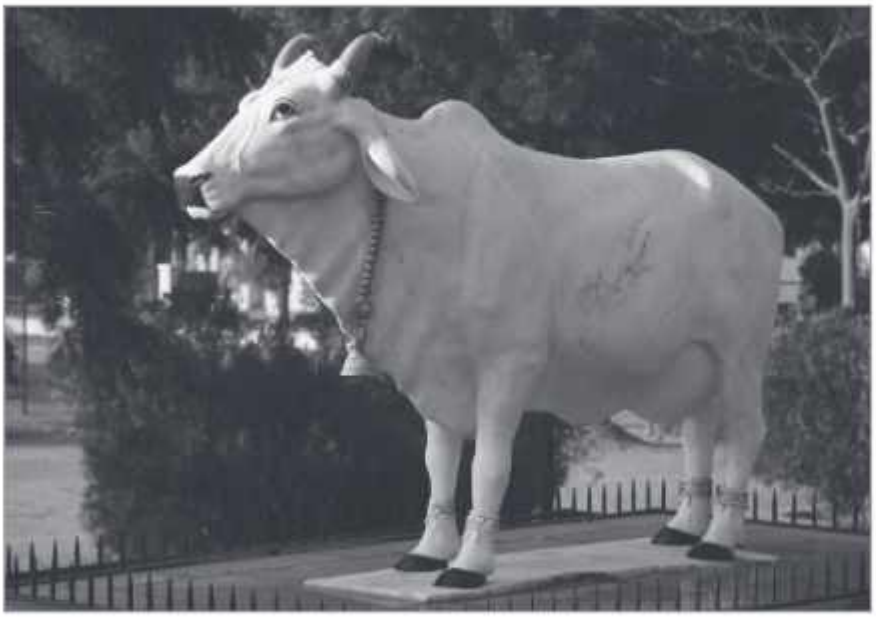

जैन विश्व भारती की 51वीं वार्षिक साधारण सभा पर प्रस्तुत प्रतिवेदन

आराध्य के श्रीचरणों में सादर वंदन। परम श्रद्धेय महातपस्वी युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के श्रीचरणों में भक्तिभरा वंदन। श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी, श्रद्धेय मुख्यमुनि मुनिश्री महावीरकुमारजी, साध्वीवर्या साध्वीश्री संबुद्धयशाजी एवं समस्त चारित्रात्माओं के श्रीचरणों में सविनय वंदन।

जैन विश्व भारती के सम्माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार लूनिया, आदरणीय मुख्य न्यासी श्री टी. अमरचंद जैन, सम्मानित पदाधिकारीगण, सम्मानित न्यासीगण व पंचमंडल सदस्यगण, सम्मानित संचालिका समिति सदस्यगण, अन्य समितियों के सम्मानित सदस्यगण, सम्मानित परामर्शक मंडल एवं संस्था के सभी सम्मानित सदस्यगणों को सादर जय जिनेन्द्र।

मंत्री प्रतिवेदन या संस्था की गति–प्रगति का लेखा–जोखा व्यवस्थित रुप से संस्था के सदस्य परिवार को प्रस्तुत करना हमारा परम कर्त्तव्य है। जैन विश्व भारती की व्यापक गतिविधियों को कुछ पृष्ठों में समेटना यद्यपि संभव नहीं है परन्तु हमने गागर में सागर भरने का यथासंभव प्रयास किया है। मैं इस प्रतिवेदन को पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की कुछ पंक्तियों के साथ प्रारंभ करना चाहता हूं –

गतिशील बने उन्नति यात्रा,
नय और विनय की अतिमात्रा
यह महाप्रज्ञ की आशंसा,
तुलसी आत्मा में रम जाएं
यह महाप्रज्ञ की आशंसा,
वर उदाहरण हम बन पाएं।

समाज की कामधेनु–जैन विश्व भारती, में आयोजित वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर हम जैन विश्व भारती के समृद्ध सदस्य परिवार का हार्दिक अभिनंदन करते हैं और कामना करते हैं कि ये सदस्य परिवार अटूट रहे एवं निरन्तर समृद्धि की ओर अग्रसर हो।

जैन विश्व भारती : एक परिचय

आध्यात्मिक एवं सामाजिक विकास की समन्वयवादी अवधारणा के आधार पर समय–समय पर संस्थाओं एवं संगठनों का सूत्रपात होता रहता है। इसी अभिक्रम के अन्तर्गत बीसवीं शताब्दी में आचार्यश्री तुलसी ने एक ऐसी संकल्पना का बीजारोपण किया, जिसके भीतर अध्यात्म, मानव सेवा, साहित्य, संस्कृति, सभ्यता, शिक्षा के अभ्युदय का स्वप्न था। इस संकल्पना का बीजारोपण व वृक्ष को संवारने वाले वर्चस्वी, ओजस्वी महामानव –गणाधिपति अब हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनकी ये धरोहर है, जिसका नाम – जैन विश्व भारती है, हमारे पास है। लाडनूं की ऐतिहासिक धरती पर सन् 1970 में तेरापंथ धर्मसंघ के नवमाचार्य की जन्मभूमि व कर्मस्थली पर स्थापित जैन विश्व भारती आज न केवल भारत में अपितु विदेशों में भी अपना एक विशिष्ट स्थान बना चुकी है। यहां शिक्षा, सेवा, साधना, संस्कृति, समन्वय, साहित्य, शोध जैसे सकारात्मक आयामों की सप्त नदियां निरन्तर प्रवाहमान है। लाडनूं के गौरव को प्रखर बनाने वाली जैन विश्व भारती संपूर्ण विश्व का रुचिर आकर्षण का केन्द्र है।

जैन विश्व भारती की समस्त प्रवृत्तियां एक सुसंस्कृत मानव निर्माण की दिशा में अग्रसर है। जैन विश्व भारती तेरापंथ समाज की एक ऐसी संस्था है जिसकी स्थापना व्यापक स्तर पर ठोस कार्य करने के उद्देश्य से की गई। इसमें संपादित होने वाला प्रत्येक कार्य समय के साथ उत्तम और व्यापक है। आलोच्य अवधि में जैन विश्व भारती की विभिन्न प्रवृत्तियों यथा शिक्षा, शोध, समण संस्कृति संकाय, साधना, सेवा के उपक्रमों, साहित्य, पुरस्कार इत्यादि की विस्तृत जानकारी हमारे सम्मानित परिवार के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

वसुधैव कुटुम्बकम

वर्तमान में हमारे 1 संस्थापक सदस्य, 2 अतिविशिष्ट सदस्य, 94 विशिष्ट सदस्य एवं 1211 आजीवन सदस्य है।

विविध प्रान्तों के सदस्यों को एकता के सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण कार्य जैन विश्व भारती कर रही है।

शिक्षा

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय)

जैन विश्व भारती संस्थान अपने अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के महनीय मार्गदर्शन एवं मातृ संस्था जैन विश्व भारती के संरक्षण में शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्य के क्षेत्र में गति से प्रगति की ओर अग्रसर है।

संस्थान में वर्तमान में सात स्नातकोत्तर विभाग एवं एक आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय संचालित है, जिनके अन्तर्गत कुल 24 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं प्रमाण–पत्र नियमित–पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत कुल 5 स्नातकोत्तर एवं 2 स्नातक स्तरीय पत्राचार–पाठयक्रम संचालित हैं, जिनमें मुख्य रूप से जैन विद्या, प्राकृत, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, अहिंसा एवं शांति, राजनीति विज्ञान, योग एवं जीवन–विज्ञान, समाज–कार्य तथा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत एम.एड., बी.एड., बीए–बीएड. एवं बीएससी–बीएड. आदि शिक्षक–शिक्षा संबंधी पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है, वहीं स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम संचालित हैं।

जैन विश्व भारती संस्थान के नवीन कुलाधिपति की नियुक्ति

जैन विश्व भारती संस्थान की पूर्व कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिन्दल का कार्यकाल आलोच्य अवधि में समाप्त हो गया एवं संस्थान से प्राप्त सूचना अनुसार मातृ संस्था जैन विश्व भारती द्वारा अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल को जैन विश्व भारती संस्थान के कुलाधिपति के रुप में नियुक्त किया गया।

पूर्व कुलाधिपति श्रीमती सावित्री जिन्दल द्वारा प्रदत्त विशिष्ट सेवाओं हेतु हार्दिक आभार एवं नवनियुक्त कुलाधिपति श्री अर्जुनराम मेघवाल को यशस्वी एवं सफल कार्यकाल हेतु हार्दिक बधाई।

आचार्य महाश्रमण नैचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य सम्पन्नता की ओर

जैन विश्व भारती संस्थान की महत्त्वपूर्ण परियोजना आचार्य महाश्रमण नैचुरोपैथी मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य सम्पन्नता की ओर अग्रसर है एवं आशा है इस सेशन से अध्ययन भी प्रारम्भ करवा दिया जाएगा।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का जैन विश्व भारती संस्थान में पावन पदार्पण

जैन विश्व भारती संस्थान के अनुशास्ता पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का दिनांक 20 जनवरी 2022 को जैन विश्व भारती संस्थान में पावन पदार्पण हुआ एवं पूज्यप्रवर ने संस्थान की प्रत्येक गतिविधि का अवलोकन किया एवं विस्तृत जानकारी प्रदान की। पूज्यप्रवर की विशेष कृपा हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती संस्थान के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी का संस्थान को निरन्तर आध्यात्मिक संरक्षण प्राप्त हो रहा है, आचार्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कुमारश्रमणजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। कुलपति डा. बच्छराज दुगड की सेवाओं हेतु साधुवाद। संस्थान को प्रदत्त अनुदान हेतु सभी सहयोगी महानुभावों एवं परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। संस्थान के प्रबंध मंडल, शिष्ट परिषद् एवं वित्त समिति के सदस्यों की सेवाओं हेतु साधुवाद। सभी प्रशासनिक अधिकारीगण, प्राध्यापकगण एवं गैर–शैक्षणिक कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद। संस्थान के विभिन्न आयोजनों एवं गतिविधियों में मातृ संस्था जैन विश्व भारती के कर्मीगणों के सहयोग हेतु धन्यवाद।

इस प्रकार संस्थान ने आलोच्य वर्ष में निश्चित रूप से भव्य रूप धारण किया है तथा भविष्य में पूज्यवरों के पुण्य–प्रताप से निश्चित ही अधिक भव्यता की ओर अग्रसर रहेगा।

विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

राष्ट्रीय शिक्षण व्यवस्था के चार क्रम है – प्राथमिक, माध्यमिक, स्नातक एवं स्नातकोतर। जैन विश्व भारती इन चारों ही क्षेत्रों में आध्यात्मिक–वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है। लाडनूं नगर में अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा के अभाव को ध्यान में रखते हुए इस विद्यालय की स्थापना प्राथमिक विद्यालय के रुप में की गई जो आज उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत हो चुका है। विमल विद्या विहार एक आदर्श विद्यालय है जहां शिक्षा के साथ–साथ छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर बल दिया जाता है। आधुनिक उपादानों से युक्त इस विद्यालय में विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी, समाजोपयोगी एवं एक आदर्श नागरिक बनाने के लक्ष्य से संचालित यह विद्यालय गणाधिपति तुलसी के सपनों का मूर्त रुप है। गुणात्मक शैक्षिक संस्थान के रुप में इसकी विशिष्ट पहचान है। लगभग 1111 विद्यार्थियों के साथ सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त यह विद्यालय नगर का सिरमौर है। शैक्षणिक सत्र 2021–22 की विद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियां निम्न प्रकार है–

1. उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम एवं बोर्ड परीक्षा केन्द्र के रुप में मान्यता

विद्यालय का सत्र 2020–21 का दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं एवं अन्य समस्त कक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। सुजला क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट परीक्षा परिणाम रहा। विद्यालय की छात्रा ईशा अग्रवाल ने 96.6 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस वर्ष से प्रथमतः सीबीएसई के द्वारा बोर्ड परीक्षाओं के केन्द्र के रुप में मान्यता प्रदान की गई है।

2. शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

वर्तमान में प्रभावी नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण की नवीन तकनीकों से शिक्षकगणों को रुबरु करवाने व प्रशिक्षण दिलवाने हेतु विविध सेमीनारों एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता की गई। विशेष रुप से बी. के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी द्वारा सेमीनार का आयोजन।

3. अन्य सहशैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

सहशैक्षणिक गतिविधियां किसी भी शैक्षणिक संस्थान में समग्र विकास का एक उपक्रम होती है। विद्यालय में रोचक एवं शिक्षाप्रद शैक्षणिक गतिविधियों का निरन्तर आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत निम्न मुख्य रहे–

विद्यार्थियों द्वारा पुलिस थाने का भ्रमण किया गया एवं वहां की कार्यवाही के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। सैन्य दिवस, आजादी का अमृत महोत्सव, नवरात्रि पर गरबा, अर्थ डे (पक्षियों हेतु परिण्डे) आदि का आयोजन किया गया।

नेशनल केडेट कोर के अन्तर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन एवं छात्राओं हेतु परीक्षा का भी आयोजन।

विद्यार्थियों द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ महाप्रयाण दिवस के अवसर पर आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षाध्यान केन्द्र में प्रेक्षाध्यान के प्रयोग किए गए।

विद्यालय की अन्य उल्लेखनीय गतिविधियां

विमल विद्या विहार स्कूल में पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन पदार्पण हुआ एवं विद्यालय परिवार को मंगल पाथेय की प्राप्ति हुई, जिससे विद्यालय में नवीन ऊर्जा का संप्रेषण हुआ। पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

तेरापंथ श्रावक समाज के सहयोग से विद्यालय के प्रतिभावान एवं जरुरतमंद छात्र–छात्राओं को शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इस वर्ष भी 55 विद्यार्थियों ने इस योजना का लाभ प्राप्त किया। श्रावक समाज के प्रति आभार।

विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष विद्यालय हेतु नवीन बालवाहिनी का क्रय किया गया जिसका

विमल विद्या विहार सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

लोकार्पण केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत द्वारा किया गया।

विद्यालय में समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु विद्यालय के संयोजक श्री चांदरतन बी. दुगड़, मुम्बई, सह संयोजक श्री प्रकाशचंद बैद, कोलकाता श्री नवीन पारख सिलीगुड़ी एवं श्री नवीन बैंगाणी, कोलकाता का हार्दिक आभार। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रचना बालानी, उप प्राचार्या श्रीमती चांदकिरण (सेवानिवृत्त) द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या...

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

विद्यार्थियों के आदर्श और स्वावलम्बी जीवन का मार्ग प्रशस्त हो तथा शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक स्वास्थ्य का विकास हो, इस दृष्टि से प्रदेश की राजधानी जयपुर में 6 अप्रैल 2006 को महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना की गई। क्रमोन्नति की ओर अग्रसर होकर वर्तमान में विद्यालय उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाओं का भी संचालन महत्त्वपूर्ण विषयों के अन्तर्गत कर रहा है। वर्ष 2006 में जयपुर शहर के निर्माण नगर के ज्ञान विहार में स्थापित इस विद्यालय की गणना शहर के प्रमुख सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में होती है। विद्यालय में स्कूली शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास व सुसंस्कारित जीवन कौशल की क्रियान्विति पर विशेष बल दिया जा रहा है। वर्तमान में 580 विद्यार्थियों के साथ संचालित विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021–22 के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी निम्नलिखित है–

1. उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

विद्यालय का सत्र 2020–21 का दसवीं बोर्ड एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा तथा अन्य कक्षाओं का परिणाम शत–प्रतिशत रहा।

विद्यालय के एक छात्र का अखिल भारतीय मेडिकल परीक्षा में चयन। बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि के चेक वितरित।

2. नव–स्थापित प्राइमरी विंग –आरम्भ का लोकार्पण।

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 31 दिसम्बर 2021 को नव–स्थापित प्राइमरी विंग– 'आरम्भ' का लोकार्पण। लोकार्पणकर्ता श्री कमलसिंह–डॉ.रत्ना बैद, जे.एल.सी. इलेक्ट्रोमेट प्रा. लि., जयपुर के प्रति हार्दिक आभार। प्राइमरी विंग की कक्षाओं में स्मार्ट पेनल का भी स्थापन।

3. विद्यालय में नवीन फर्नीचर का स्थापन।

विद्यालय में नवनिर्मित द्वितीय तल पर अवस्थित कक्षाओं में नवीन फर्नीचर का स्थापन श्री नेमीचंद लूनिया फाउंडेशन (चाड़वास–शिलौंग) द्वारा करवाया गया, एतदर्थ आभार।

4. आधुनिक तकनीकों से युक्त इन्टरऐक्टिव कक्षाओं का निर्माण

जयपुर महानगर के अनुकूल कक्षाओं में प्रभावी शिक्षण कार्य हेतु आधुनिक तकनीकों से युक्त डिजीटल इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड के सम्पूर्ण सेट–अप का स्थापन लक्ष्मी लीजिंग प्रा लि. कम्पनी, जयपुर के सहयोग से करवाया गया, एतदर्थ आभार।

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, जयपुर

5. युगानुकूल तकनीकों से युक्त इन्टरऐक्टिव कॉन्फ्रेंस कक्ष का निर्माण।

विद्यालय में आयोजित होने वाले सेमीनार एवं वर्कशॉप हेतु आचार्य तुलसी सभागार (इन्टरऐक्टिव कॉन्फ्रेंस कक्ष) का निर्माण कार्य करवाया गया और प्रथमतः जैन विश्व भारती, लंदन केन्द्र में विराजित समणीवृन्द द्वारा विद्यार्थियों को इंटरऐक्टिव माध्यम से कक्षा प्रदान की गई। विदेश से सीधे सम्पर्क का यह प्रयास अत्यन्त सफल रहा एवं आगामी समय में भी इसी प्रकार की कक्षाएं निरन्तर संचालित रहेंगी।

6. सह–शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

उक्त गतिविधियों के अन्तर्गत मुनिश्री सुमतिकुमार जी के सान्निध्य में प्रकृति से प्रेम कार्यक्रम के अन्तर्गत पक्षियों हेतु परिण्डे तैयार किए गए।

बसंत पंचमी, यलो डे, अर्थ डे, आजादी का अमृत महोत्सव आदि का सुन्दर आयोजन।

7. शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

शिक्षण की बेहतरीन तकनीकों हेतु कोर्डोवो कम्पनी द्वारा आयोजित सेमीनार में सहभागिता की गई। कार्मिकों की दक्षता एवं आर्ट व कल्चर विषय पर विविध सेमीनारों का आयोजन।

विद्यालय की अन्य उल्लेखनीय गतिविधियां

दिनांक 31 दिसम्बर 2021 को युगप्रधान परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का विद्यालय में पावन पदार्पण एवं अल्पकालीन प्रवास। पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता

विद्यालय की गतिविधियों में विद्यालय के संयुक्त संयोजक श्री गौरव जैन (मांडोत), श्री पन्नालाल पुगलिया, सह संयोजक श्री पंकज पोरवाल, भिलाई के मार्गदर्शन हेतु एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीलिमा गुप्ता द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं कर्मचारीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के जन्म दिवस (प्रज्ञा दिवस) के अवसर पर दिनांक 12 जुलाई 2007 को टमकोर में 'महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल' का शुभारंभ हुआ। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की सोच थी कि जिन गांवो में शिक्षा का अभाव है, वहां ज्ञानदान का विशेष उपक्रम चले तो नई पीढी बेरोजगारी के अभिशाप से बच सकती है और उसके व्यक्तित्व का भी समुचित विकास हो सकता है। 80,000 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित यह भव्य विद्यालय वर्तमान में उच्च माध्यमिक स्तर तक सीबीएसई से सम्बद्धता प्राप्त कर चुका है। वर्तमान में इस विद्यालय में टमकोर व आस–पास के गांवों के 550 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। अंग्रेजी माध्यम के इस विद्यालय में जीवन विज्ञान तथा अणुव्रत की कक्षाएं भी नियमित चल रही है। विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021–22 की प्रमुख गतिविधियों की जानकारी निम्नलिखित हैं–

1. उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

विद्यालय का सत्र 2021–22 का वार्षिक परीक्षाओं का कुल परिणाम एवं कक्षा 10वीं बोर्ड एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय की छात्रा कंचन वर्मा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन पर समस्त ग्रामवासियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों को लेपटाप, टेबलेट द्वारा सम्मानित किया गया।

2. सीबीएसई बोर्ड से उच्च माध्यमिक स्तर तक संबद्धता

महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल को इस सत्र से कक्षा 12 तक के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त यह एकमात्र विद्यालय है।

3. सघन हरितीकरण व धावक ट्रेक का निर्माण

विद्यालय में सघन हरितीकरण अभियान के अन्तर्गत पौधारोपण किया गया एवं मरुधरा को हरा करने का संकल्प व्यक्त किया गया। खेल के मैदान में धावक ट्रेक का निर्माण कार्य भी करवाया गया।

4. शिक्षकगणों द्वारा सेमीनार एवं कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

शिक्षण की बेहतरीन तकनीकों एवं सीबीएसई की नवीन तकनीकों के प्रशिक्षण हेतु शिक्षकगणों द्वारा विविध प्रकार की सेमीनार एवं कार्यशालाओं में सहभागिता की गई।

महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल, टमकोर

5. सह–शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

शैक्षणिक भ्रमण के कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालयी बच्चों द्वारा पिलानी क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

अन्य आयोजनों के अन्तर्गत महावीर जयंती, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, गणतंत्र दिवस व विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया।

विद्यालय की अन्य उल्लेखनीय गतिविधियां

पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञ की जन्मस्थली टमकोर में स्थित महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल में दिनांक 27 फरवरी को पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन पदार्पण हुआ। पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

पूज्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के ग्रामीण क्षेत्र में बेहतरीन शिक्षा के स्वप्न का अनुसरण करते हुए, यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बालकों को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ प्रतिभावान एवं जरुरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। निर्जरा कार्य में सहयोगीगणों का हार्दिक आभार।

विद्यालय के विकास में योगभूत बने अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार। विद्यालय हेतु समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु संयोजक श्री रणजीतसिंह कोठारी, सह–संयोजक श्री अनिल बैद–दिल्ली, डॉ. धनपत लूनिया–दिल्ली का हार्दिक आभार। विद्यालय के प्राचार्य श्री लोकेश तिवारी द्वारा निष्ठापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक साधुवाद। सभी अध्यापकगण, अध्यापिकागण एवं कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल

(आचार्य महाप्रज्ञ जन्म शताब्दी वर्ष की स्थायी परियोजना)

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूल उददेश्यों में शिक्षा का प्रमुख स्थान रहा है। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने समय–समय पर जैन विश्व भारती को इस विद्यालय हेतु पावन पाथेय प्रदान किया है। महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल की परियोजना निश्चिततः ही जैन विश्व भारती की दीर्घकालीन और महत्वाकांक्षी परियोजना है।

जैन विश्व भारती की टीम द्वारा भूमि चयन हेतु दिल्ली एनसीआर क्षेत्र का समय–समय पर दौरा किया गया एवं सर्वोत्तम भूमि के चयन हेतु कार्य किया गया। जैन विश्व भारती के न्यास मंडल की बैठक में हुए निर्णयानुसार महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल के भूमि चयन हेतु –महाप्रज्ञ ग्लोबल स्कूल लैण्ड फाइनलाइजेशन समिति का गठन किया गया है व समिति द्वारा मीटिंग आदि के माध्यम से चिंतन किया जा रहा है। ऐसी आशा है कि विद्यालय की परियोजना को शीघ्र ही ठोस दिशा प्राप्त हो सकेगी।

समण संस्कृति संकाय

समण संस्कृति संकाय जैन विश्व भारती का एक महत्वपूर्ण उपक्रम है, जो जैन विद्या के उन्नयन की दिशा में विशेष प्रयास कर रहा है। **पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने सदैव फरमाया है कि "सब विद्याओं में सबसे महत्वपूर्ण विद्या है –जैन विद्या। इस विद्या के प्रारंभिक ज्ञान से विज्ञ उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों ने अब तक ज्ञान की एक बूंद ही ग्रहण की है, अभी उन्हें आगमों का अध्ययन करना है। अध्यात्म विद्या का ज्ञान प्राप्त करने वाला अपने चित्त को एकाग्र करता है। स्वयं सन्मार्ग में स्थित होता है और दूसरों को भी सन्मार्ग में स्थित करता है।**

समण संस्कृति संकाय का पूरा तंत्र विशेष जागरूकता के साथ परीक्षाओं का संचालन करता है। भारत के प्रायः सभी राज्यों में व नेपाल में स्थान–स्थान पर सैंकड़ों केन्द्र स्थापित हैं। अब तक 376 स्थायी केन्द्र हो चुके हैं। जैन विद्या का नववर्षीय पाठ्यक्रम निर्धारित है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष 400–420 केन्द्रों से हजारों की संख्या में प्रतिभागी संस्कार निर्माण की दिशा में अग्रसर होते हैं।

जैन विद्या परीक्षाएं

कुल आवेदन	18039 आवेदन
कुल परीक्षार्थी	16031 परीक्षार्थी
परीक्षा परिणाम	15334 परीक्षार्थी (95.65 प्रतिषत)

इन परीक्षाओं के व्यवस्थित नियोजन में संयोजक, सह–संयोजक, प्रभारी, सह–प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह आचंलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक एवं निरीक्षकों का विशेष सहयोग रहा। एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

सम्पूर्ण देशभर एवं विदेश सहित क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन

कोविड महामारी के पश्चात की विषम परिस्थितियों में सम्पूर्ण देशभर के विभिन्न क्षेत्रों में जूम ऐप आधारित कुल 60 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर, मध्य भारत, नेपाल बिहार, पूर्व भारत, दक्षिण भारत आदि की क्षेत्रीय कार्यशालाओं का संयोजन किया गया जिसमें सह–प्रभारी, आंचलिक संयोजक, सह आचंलिक संयोजक, केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा सहभागिता की गई। कार्यशालाओं हेतु जैन विश्व भारती के पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक मार्गदर्शन हेतु हार्दिक कृतज्ञता। कार्यशालाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु श्री उमेश सेठिया, जलगांव का हार्दिक आभार।

आधुनिक तकनीकों के साथ ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन

समण संस्कृति संकाय में परीक्षा हेतु आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन पद्धति से प्रारम्भ कर दी गई ऑनलाइन पोर्टल पर समस्त परीक्षा सामग्री यथा–पुस्तकें, हल प्रश्नपत्र, परीक्षार्थी का पुराना डाटा, सेम्पल प्रश्नपत्र इत्यादि उपलब्ध है।

परीक्षार्थियो की सुविधार्थ समस्त सामग्री एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध करवाई जा रही है।

ऑनलाइन परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु अभ्यास प्रश्नमालाओं की श्रृंखला भी जैन विश्व भारती के एप्प संबोधि के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है। सभी परीक्षार्थियों द्वारा अत्यन्त उत्साहपूर्वक इन अभ्यास प्रश्नों को हल कर अपना स्वमूल्यांकन किया जा रहा है।

दिनांक 25 एवं 26 सितम्बर 2021 को परीक्षार्थियों द्वारा घर बैठे संबोधि एप्प के माध्यम से ऑनलाइन तकनीक के द्वारा परीक्षा दी गई एवं वस्तुनिष्ठ प्रारुप से परीक्षा प्रणाली को सराहा गया। इस वर्ष भी परीक्षा का आयोजन सफलतम रहा।

आगम मंथन प्रतियोगिता

आगम अनुसंधान के क्षेत्र के अन्तर्गत समण संस्कृति संकाय द्वारा इस वर्ष रायपसेणियं नामक आगम पर आगम मंथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल 3027 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। दिनांक 18 मई 2022 को

समण संस्कृति संकाय

प्रतियोगिता का परिणाम वेबसाइट पर जारी किया गया है। प्रतियोगिता के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री मननकुमार जी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

इस वर्ष उवासगदसाओ आगम पर प्रतियोगिता के आयोजन का निर्णय। इस वर्ष आगम मंथन प्रतियोगिता प्रथमतः ऑनलाइन भी आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता सौजन्य हेतु भंवरलाल रायकंवरी देवी जैन विद्या विकास निधि के प्रतिनिधि श्री नवरत्नमल बच्छावत चाड़वास–सण्डुर का हार्दिक आभार।

सोशल मीडिया एवं वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से प्रचार–प्रसार व डिजीटल पत्रिका का प्रसार

समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत 145 सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से स्वाध्याय एवं कक्षाओं के आयोजन का निरन्तर क्रम जारी है जिसमें प्रत्यक्षतः 400 व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग हेतु श्री राजेश दुधेड़िया, गुवाहाटी, ऑनलाइन स्वाध्याय हेतु संयोजक श्री सुशील बाफना एवं सह संयोजक श्री राजेन्द्र बैंगाणी के प्रति हार्दिक आभार।

समण संस्कृति संकाय के अन्तर्गत डिजीटल पत्रिका के कुल 22 संस्करणों का प्रकाशन एवं प्रसार किया जा चुका है।

जैन विद्या कार्यशाला का आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं समण संस्कृति संकाय के संयुक्त संयोजकत्व में आचार्यश्री महाश्रमणजी कृति तीन बातें ज्ञान की पर आधारित जैन विद्या कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 190 से अधिक क्षेत्रों के 6600 प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई। जैन विद्या कार्यशाला संयोजक श्री पुखराज डागा एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के पदाधिकारियों एवं संयोजकगण के प्रति हार्दिक आभार। जैन विद्या कार्यशाला की प्रेरणा हेतु मुनिश्री योगेशकुमारजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। इस वर्ष से जैन विद्या कार्यशाला हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

तेरापंथ सभाओं के माध्यम से केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति।

समण संस्कृति संकाय द्वारा संस्कारों के अधिकाधिक प्रसार की दृष्टि से तेरापंथी सभाओं के माध्यम से केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति की गई। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रदत्त विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

समण संस्कृति संकाय

दीक्षान्त समारोह

समण संस्कृति संकाय के वृहद् कार्यक्रम के अन्तर्गत जैन विद्या परीक्षाओं का दीक्षान्त समारोह प्रतिवर्ष पूज्यप्रवर के सान्निध्य में आयोजित किया जाता है। विगत दो वर्षो से कोविड प्रोटोकाल के अन्तर्गत उक्त आयोजन संभव नहीं हो सका। इस वर्ष दिनांक 15 से 17 जुलाई 2022 को आचार्यप्रवर के पावन सान्निध्य में दो वर्षो का दीक्षान्त समारोह एक साथ छापर में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में विज्ञ उपाधि धारक 355 को, वरीयता प्राप्त 35 को, जैन विद्या कार्यशाला विजेता के 60, आगम मंथन व साहित्य मंथन प्रतियोगिता के 20 विजेताओं एवं श्रेष्ठ केन्द्र व्यवस्थापक, आंचलिक संयोजक, सह प्रभारी आदि के रुप में 45 महानुभावों को सम्मानित किया गया। दीक्षान्त समारोह के विशेष सहयोगी के रुप में धर्मेंद्र सिंह मणोत (झारसुगड़ा) परिवार का आभार।

समण संस्कृति संकाय के विकास में जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का महनीय मार्गदर्शन व कार्यशालाओं आदि में सान्निध्य समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष श्री मालचंद बेगानी, जैन विद्या परीक्षाओं के संयोजक डा. विजय संचेती, जैन विद्या कार्यशाला संयोजक श्री पुखराज डागा, सह संयोजक श्री राजेश दुगड़, आगम मंथन प्रतियोगिता संयोजक श्री गौतमचंद डागा, सह–संयोजक श्रीमती मंगला कुण्डलिया, प्रभारी स्नेहलता चौरड़िया, जैन विद्या परीक्षा सह संयोजक श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया, श्रीमती सुशीला गोलछा, श्रीमती ललिता धारीवाल, श्रीमती विमला कोठारी का हार्दिक आभार। केन्द्र व्यवस्थापकों ने अपनी संपूर्ण जिम्मेदारी व सजगता से अध्ययन, अध्यापन व परीक्षा संबंधी स्थानीय व्यवस्थाओं आदि का दायित्व निर्वहन किया, इस हेतु उनके प्रति आभार। समण संस्कृति संकाय को विशिष्ट मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु श्री उमेश सेठिया का हार्दिक आभार। जैन विद्या परीक्षाओं के आयोजन में विभिन्न स्थानीय संघीय संस्थाओं, आंचलिक संयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं के सहयोग एवं श्रम हेतु हार्दिक साधुवाद। समण संस्कृति संकाय, लाडनूं कार्यालय प्रभारी श्री मुकेश सिमार उनके सहयोगी श्री गोविंद सिंह एवं श्री तुलसीराम वर्मा के कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

सेवा

जैन धर्म में सेवा को बहुत महत्व दिया गया है। शिक्षा के साथ–साथ सेवा के क्षेत्र में भी जैन विश्व भारती अग्रणी है। जैन विश्व भारती परिसर में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' सुचारु रुप से संचालित है। बीदासर में 'श्रीमद् आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ मानव कल्याण केन्द्र' जैन विश्व भारती के अन्तर्गत स्थापित है एवं भिक्षु विहार स्थायी सेवाकेन्द्र के रुप में जैन विश्व भारती की महत्वपूर्ण थाती है।

सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला

राष्ट्र संत युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी की सद्प्रेरणा से उनके अग्रज सेवाभावी मुनिश्री चम्पालालजी की स्मृति में सन् 1978 में जैन विश्व भारती में सेवा की एक इकाई के रूप में 'सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला' का शुभारम्भ किया गया। रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से 345 प्रकार की शास्त्रीय तथा 37 प्रकार की प्रोपराइटरी (अनुभूत) औषधियों के निर्माण हेतु ड्रग मेन्यूफेक्चरिंग लाईसेंस नं. 692–डी प्राप्त है, जिसके अन्तर्गत विशिष्ट औषधियों का निर्माण कुशल वैद्यों के निर्देशन में उच्च स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण पद्धति के साथ किया जाता है। रसायनशाला को राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग से जीएमपी सर्टिफिकेट अर्थात् विशुद्ध औषध निर्माण पद्धति का प्रमाण पत्र प्राप्त है। रसायनशाला का दृष्टिकोण कभी व्यवसायिक नहीं रहा, इसलिए मात्रा को आधार मानकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता के साथ कभी समझौता नहीं किया गया एवं उत्तम किस्म की औषधियों का निर्माण करना ही इसका मुख्य लक्ष्य रहा है। रसायनशाला की आलोच्य वर्ष की गति–प्रगति की जानकारी इस प्रकार है – आलोच्य अवधि में कुल 1753 रोगियों ने निःशुल्क सेवा सुविधा का लाभ प्राप्त किया।

गुरुकुलवास में स्टॉल का निरन्तर संचालन

विगत अवधि में भीलवाड़ा चतुर्मास के दौरान सेवाभावी आयवुर्दिक रसायनशाला के काउंटर का निरन्तर संचालन किया गया एवं वर्तमान में छापर चतुर्मास स्थल पर भी सेवाभावी का काउंटर श्रावक समाज के सुविधार्थ संचालित है।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन पदार्पण

जनवरी 2022 में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी का सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायनशाला में पावन पदार्पण हुआ। इस अवसर पर मुख्य न्यासी श्री मूलचंद नाहर द्वारा आचार्यप्रवर को रसायनशाला की गति–प्रगति की जानकारी निवेदन की गई। रसायनशाला के न्यासी श्री अभयराज बैंगानी का दैनिक प्रशासनिक कार्यों में निरन्तर मार्गदर्शन, सहयोग एवं सेवाएं प्राप्त हो रही है, इस हेतु उनके प्रति हार्दिक आभार। रसायनशाला के विकास, प्रचार–प्रसार, उत्पादन कार्य आदि में श्री आलोक भंसाली–वाराणसी का उल्लेखनीय मार्गदर्शन, सेवाएं व सहयोग प्राप्त हो रहा है, एतदर्थ उनके प्रति हार्दिक आभार। आयुर्वेद के अनुभवी वैद्य श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं कार्यालय सहयोगी श्री मनोज हीरावत की सेवाओं हेतु साधुवाद एवं सभी कर्मचारीगण को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

भिक्षु विहार सेवा केन्द्र

तेरापंथ धर्मसंघ में सेवाकार्य का विशेष महत्व है। स्थायी सेवा केन्द्र के रुप में भिक्षु विहार सेवा केन्द्र के दायित्व का निर्वहन कर जैन विश्व भारती स्वयं को धन्य महसूस करती है कि आचार्यप्रवर की कृपास्वरुप सेवा के महनीय कार्य का अवसर प्राप्त हो रहा है। वृद्ध साधु सेवा केन्द्र के संचालन में जैन विश्व भारती निरन्तर सजगता से अपने कार्य दायित्व का पालन कर रही है। हम कामना करते हैं कि सेवाकेन्द्र में विराजित चारित्रात्माएं सुख साता पूर्वक व निरामय स्वास्थ्य के साथ प्रवासित रहें।

समणी केन्द्र व्यवस्था

प्रारम्भ से ही समण श्रेणी की व्यवस्था का दायित्व निर्वहन कर जैन विश्व भारती अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही है। जैन विश्व भारती परिसर में स्थित गौतम ज्ञानशाला में समणीवृंद का निरन्तर प्रवास रहता है। जैन विश्व भारती की समस्त गतिविधियों में समण श्रेणी की सक्रिय सहभागिता रहती है। समण श्रेणी की भारत एवं विदेश यात्राओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का समन्वय भी जैन विश्व भारती द्वारा किया जाता है।

विदेश के केन्द्रों में वर्ष 2021–22 में लगभग स्थायी रूप से निम्नलिखित समणी वृन्द प्रवासित रहे–

1	समणी सन्मतिप्रज्ञा एवं समणी जयन्तप्रज्ञाः	न्यूजर्सी
2	समणी क्षांतिप्रज्ञा एवं समणी जिनप्रज्ञाः	ओरलेण्डो
3	समणी मलयप्रज्ञा एव समणी नीतिप्रज्ञाः	ह्यूस्टन
4	समणी चैतन्यप्रज्ञा एव समणी हिमप्रज्ञाः	मियामी
5	समणी प्रतिभाप्रज्ञा एवं समणी पुण्यप्रज्ञाः	लंदन

उपर्युक्त केन्द्रों एवं यात्राओं के दौरान वहां प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण एवं जैन धर्म दर्शन के अनेक विषयों पर समणीवृंद के व्याख्यान, सेमिनार, शिविर एवं कार्यशालाएं आयोजित हुई। वर्ष 1983 से विदेश की धरती पर संघीय कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समणीवृन्द ने प्रथमतः विदेशी धरती पर कदम रखा एवं यह क्रम अनवरत जारी है। समणीवृन्द की यात्रा के दौरान वहां की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में विविधरुप से कार्यक्रमों का आयोजन समणीवृंद की सक्रियता व प्रभावकता से होता है।

जैन विश्व भारती में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं अन्य कार्यो में समणीवृंद का विशेष मार्गदर्शन सदैव प्राप्त रहता है। विदेश में स्थित केन्द्रों में भी समणीवृन्द के द्वारा प्रवासी समाज को जैनत्व के संस्कारों से पोषित किया जाता है। समणीवृंद के श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता एवं व्यवस्थाओं में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु आभार।

मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग

जैन विश्व भारती का वर्तमान तकनीकी युग में एक महत्त्वपूर्ण विभाग है – मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग। जैन विश्व भारती के आयामों को जन–जन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैन विश्व भारती के इस विभाग के माध्यम से जैन विश्व भारती की विविध गतिविधियों यथा प्रेक्षा फाउंडेशन, समण संस्कृति संकाय, आदर्श साहित्य विभाग तथा संबोधि जैसे नवाचार के प्रचार प्रसार में भी विशेष योगदान दिया।

जैन विश्व भारती को प्राप्त विशिष्ट दायित्वों के अन्तर्गत अमृतम् ग्रंथ व 51 कृतियों का सुन्दर प्रचार प्रसार कर मीडिया प्रचार प्रसार विभाग ने अपने दायित्व का निर्वहन किया। नवप्रकाशित साहित्य एवं पुनः प्रकाशित साहित्य हो अथवा संबोधि–ऐ स्पीको लाइब्रेरी जैसे नवाचार, प्रत्येक संवाद को लाखों व्यक्तियों तक पहुंचाने में अपने दायित्व का निर्वहन जागरुकता से किया। प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा प्रतिदिन प्रसारित होने वाली प्रेक्षाध्यान क्लिपिंग, ऑडियो एवं वीडियो को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने हेतु एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के विशेष कार्यक्रम हेतु मीडिया एवं प्रचार–प्रसार विभाग के कर्मठ कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती की प्रत्येक प्रवृत्ति को घर–घर पहुंचाने में विभाग के कार्यकर्ताओं का श्रम सदैव मुखर रहा है। कार्यकर्ताओं को शुभकामनाओं के अनुक्रम में भी मीडिया–प्रचार प्रसार विभाग सदैव अग्रणी रहा। हमारे विशिष्ट कार्य सहयोगी संयोजक श्री धरमचंद लुंकड व सह संयोजक श्री महावीर बी. सेमलानी, जैन विश्व भारती कार्यालय सचिव डॉ. विजयश्री शर्मा एवं श्री विनोद डांगरा का हार्दिक आभार।

साधना

प्रेक्षा फाउण्डेशन

मनुष्य जीवन को अर्थपूर्ण बनाना ही साधना है। विश्व में साधना की अनेक पद्धतियां प्रचलित है। जैन ध्यान पद्धति में अध्यात्म और विज्ञान दोनों का समावेश है। साधना की पद्धति में अध्यात्म न हो तो जीवन दिशाशून्य और विज्ञान न हो तो जीवन विकासशून्य है इसलिए जैन साधना पद्धति को आदर्श माना गया है।

गणाधिपति तुलसी ने जैन विश्वभारती के माध्यम से ध्यान साधना को आगे बढाने का निर्णय लिया। इसके लिए बहुआयामी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए, जिनकी निष्पत्ति तुलसी अध्यात्म नीडम, आचार्य तुलसी अर्न्तराष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र की स्थापना स्वरुप हुई।

आचार्य तुलसी अर्न्तराष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र

जैन विश्व भारती के सप्त सकारों में साधना का विशेष स्थान है। साधना के लिए साधनामय वातावरण एवं उपयुक्त स्थान की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से 'आचार्य तुलसी अर्न्तराष्ट्रीय प्रेक्षाध्यान केन्द्र' अत्यन्त प्रभावी क्षेत्र है। यहां शारीरिक, मानसिक और भावात्मक सुविधा एवं मुक्तता से व्याप्त वातावरण एक साधक को प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय–अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रेक्षाध्यान के विकास–विस्तार व संवर्द्धन के उद्देश्य से इस केन्द्र का निर्माण कुल 21,000 वर्गफीट में किया गया जिसमें 6400 वर्गफीट के पिरामिडनुमा प्रेक्षाध्यान कक्ष –संबोधि का निर्माण किया गया एवं विभिन्न कार्यशालाओं, कक्षाओं हेतु अर्हम सभागार–वातानूकूलित ऑडिटोरियम का भी निर्माण किया गया। मंत्र प्रेक्षा के विशेष प्रयोगों हेतु पांच नवकार मंत्र आधारित पिरामिड का निर्माण आलोच्य अवधि में करवाया गया है जो कि ध्यान साधकों हेतु उपयोगी बने हुए हैं।

आंनद निलय साधक–अतिथिगृह

जैन विश्व भारती में निर्मित यह साधक अतिथिगृह सम्पूर्ण रुप से सुसज्जित है एवं एक साधक को उचित आवासीय वातावरण प्रदान करता है। 24 आवासीय कमरों से सहयुक्त यह आवासीय केन्द्र प्रकृति के सुरम्य वातावरण में अपनी प्रत्येक साज सज्जा की शैली से प्रेक्षामयी वातावरण प्रदान कर रहा है। शिविरों में आने वाले प्रतिभागी चित समाधि का अनुभव कर रहे हैं। ऐषणा भोजनशाला की भी समस्त व्यवस्थाएं साधक के अनुकूल है। आलोच्य अवधि में उक्त भवन व भोजनशाला की सुन्दर साज–सज्जा का कार्य करवाया गया।

प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन

प्रेक्षा फाउण्डेशन नियमित रूप से प्रेक्षाध्यान शिविरों का आयोजन करता है, जिसमें हजारों लोग संभागी बनकर लाभान्वित हो चुके हैं। प्रेक्षा फाउण्डेशन जैन विश्व भारती, लाडनूं के अन्तर्गत विगत अवधि में 9 प्रेक्षाध्यान आवासीय शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें देश–विदेश से सैंकड़ों प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई।

बैंगलौर में शिविर – आलोच्य अवधि में आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केन्द्र, बैंगलौर में वृहद् साधना शिविर का आयोजन दिनांक 23 से 30 अप्रैल 2022 को किया गया जिसमें दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों के प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई। उक्त शिविर की व्यवस्थाओं में जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री अमित नाहटा, श्रीमती वीणा बैद, श्री छत्रसिंह मालू एवं अन्य कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

अहमदाबाद में शिविर – आलोच्य अवधि में प्रेक्षा विश्व भारती कोबा में वृहद् साधना शिविर का आयोजन दिनांक 5 जून से 12 जून तक किया गया जिसमें जैन व्यक्तियों के अलावा बड़ी संख्या में जैनेत्तर व्यक्तियों द्वारा भी प्रतिभागिता की गई। शिविर की व्यवस्थाओं में जैविभा पूर्व अध्यक्ष श्री अरविन्द संचेती, श्री विमल घीया, श्री प्रकाश दफ्तरी एवं श्री संजय दुगड़ व प्रेक्षा विश्व भारती कोबा का विशेष सहयोग रहा।

बालक अभिभावक प्रेक्षाध्यान कार्यशाला– नवाचार के रुप में आलोच्य अवधि में प्रथमतः बालक– अभिभावक त्रिदिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं प्रतिभागियों ने अत्यन्त उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की। उक्त शिविरों व कार्यशालाओं में सैंकड़ों शिविरार्थियों ने सहभागिता कर प्रेक्षाध्यान का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान समणी नियोजिका अमलप्रज्ञाजी, समणी ऋजुप्रज्ञाजी, समणी श्रेयसप्रज्ञाजी, समणी संगीतप्रज्ञाजी, समणी प्रणवप्रज्ञाजी, समणी स्वर्णप्रज्ञाजी, समणी जिज्ञासाप्रज्ञाजी आदि का सान्निध्य, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण सहयोग प्राप्त हुआ, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। वर्ष भर में लाडनूं में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों में प्रेक्षा प्रशिक्षक श्री गौतम गादिया, श्री विमल गुनेचा, श्रीमती मीना साबद्रा, श्रीमती विजया छल्लानी, डॉ. सीमा कावड़िया, श्री आनंदमल सेठिया, श्रीमती सविता जैन आदि ने अपनी सेवाएं प्रदान की, एतदर्थ हार्दिक आभार।

प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर

प्रेक्षा प्रशिक्षक संयोजक श्री राजेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रेक्षा प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रेक्षा प्रशिक्षक लेवल–1 एवं लेवल–2 का आयोजन भी लाडनूं, बैंगलौर, इन्दौर, हैदराबाद, कोलकाता, सूरत एवं मुम्बई में किया गया।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का पावन पदार्पण

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का दिनांक 22 जनवरी 2022 को आचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेन्टर में पावन पदार्पण हुआ एवं आचार्यप्रवर ने नवनिर्मित साधक अतिथिगृह आनंद निलय का भी अवलोकन किया।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन योगोत्सव 2022 का आयोज

मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा के तत्वावधान में प्रेक्षा फाउंडेशन के अधीन योगात्सव–2022 के अधीन ध्यान एवं योग के विशेष कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 5 मई 2022 को लाडनूं में किया गया। इस आयोजन में लाडनूं नगर के प्रशासनिक अधिकारियों सहित विभिन्न गणमान्यजन, विद्यार्थियों आदि ने प्रतिभागिता की। लाडनूं नगर के तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर के मुख्य आतिथ्य में डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत के निर्देशन में कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम के सांयकालीन सत्र में वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा के निदेशक डॉ. ईश्वर डी. बासवरेड्डी द्वारा वक्तव्य प्रदान किया गया। प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रथमतः इस प्रकार का आयोजन आयुष मंत्रालय के अधीन किया गया।

योग दिवस का आयोजन

दिनांक 21 जून 2022 को प्रेक्षा फांउडेशन के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में योग दिवस का व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश के विभिन्न राज्यों यथा – दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, ओडीसा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर वृहद् आयोजन किया गया एवं ऑनलाइन सेमीनार का भी आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया।

प्रेक्षावाहिनीयों का गठन

आलोच्य वर्ष में हरियाणा, बैंगलौर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात इत्यादि राज्यों में नवीन प्रेक्षावाहिनीयों का गठन किया गया। वर्तमान में प्रेक्षावाहिनीयों के अन्तर्गत साधकों की संख्या लगभग 4800 हो गयी है। वर्तमान में देशभर में संचालित प्रेक्षावाहिनीयों की संख्या 175 है। प्रेक्षावाहिनीयों के गठन में विशेष भूमिका निर्वहन के लिए श्रीमती उषा धारेवा का हार्दिक आभार।

ऑनलाइन प्रेक्षाध्यान कार्यशालाओं का आयोजन एवं प्रेक्षाध्यान केन्द्रों को सम्बद्धता

प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रेक्षाध्यान ऑनलाइन कार्यशालाओं का प्रतिमाह आयोजन किया गया जिसमें प्रतिमाह सैंकड़ो

साधना

प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई। प्रतिमाह 10 दिवसीय कार्यशाला में प्रेक्षाध्यान बेसिक साधना का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस नवीन उपक्रम से अभी तक कुल 12500 व्यक्ति लाभ प्राप्त कर चुके हैं। आलोच्य अवधि में दो नवीन प्रेक्षाध्यान केन्द्रों को मान्यता प्रदान की गई। केन्द्रों की स्थापना एवं कार्यशालाओं के संचालन में श्री विकास जैन, मुम्बई का विशेष सहयोग प्राप्त, अतएव हार्दिक आभार।

प्रेक्षाध्यान मासिक पत्रिका एवं डिजिटल पत्रिका

प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा विगत 40 वर्षो से प्रकाशित प्रेक्षाध्यान पत्रिका के डिजीटल संस्करण का प्रसार जारी है एवं मासिक प्रेक्षाध्यान पत्रिका को त्रैमासिक कर दिया गया है। प्रेक्षाध्यान पत्रिका के कुशल संपादक श्री लूणकरण छाजेड़, गंगाशहर का हार्दिक आभार।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

प्रत्येक रविवार को प्रेक्षाध्यान से संबंधित विविध विषयों पर समग्रता से विश्लेषण किया जाता है एवं ऑनलाइन माध्यम से हजारों व्यक्ति इसका लाभ प्राप्त कर रहे है।

समय–समय पर प्रेक्षाध्यान विषयक कार्यशालाओं, सेमीनारों आदि का संचालन वरिष्ठ प्रेक्षा प्रशिक्षकों के निर्देशन में किया जाता है।

तेरापंथ महिला मंडल लाडनूं व प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रेक्षा वीडियो एवं ऑडियो का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारण

विगत पांच वर्ष पूर्व प्रारम्भ की गई प्रेक्षाध्यान ऑडियो, वीडियो एवं क्लिपिंग के प्रसारण की श्रृंखला सतत् जारी है। प्रतिदिन सोशल मीडिया के माध्यम से लगभग 1.50 लाख व्यक्तियों तक प्रसारण। सवांद प्रेषण के उक्त कार्य में श्री विमल घीया, अहमदाबाद का हार्दिक आभार।

कृतज्ञता/आभार

प्रेक्षाध्यान प्रवृत्ति के विकास हेतु प्रेक्षाध्यान के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कुमारश्रमणजी का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है साथ ही गुरुकुलवास में आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविरों/कार्यशालाओं आदि में मुनिप्रवर का एवं मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का सान्निध्य व पाथेय प्राप्त होता है, इस हेतु मुनिवृन्द के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। समय–समय पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाले प्रेक्षाध्यान शिविरों व कार्यशालाओं में सान्निध्य एवं प्रशिक्षण प्रदान करवाने हेतु चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। प्रेक्षा फाउंडेशन के चैयरमेन श्री अशोक चण्डालिया के सुचारु मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु हार्दिक आभार। प्रेक्षा फाउण्डेशन की व्यवस्थाओं के सुनियोजन में डॉ. विजयश्री शर्मा की सेवाओं हेतु धन्यवाद। प्रेक्षा फाउंडेशन में कार्यरत श्री आशीष गुर्जर द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

साहित्य

साहित्य सामाजिक मंगल का विधायक और मानव समाज को सुंदर बनाने की साधना है। जैन विश्व भारती की सप्त सकारादि प्रवृत्तियों में साहित्य का संवर्द्धन और विकास एक महत्वपूर्ण उपक्रम है। तेरापंथ धर्मसंघ में साहित्य निर्माण का कार्य आचार्य भिक्षु से प्रारम्भ हुआ और परवर्ती आचार्यों एवं साधु–साध्वियों द्वारा क्रमशः समृद्ध व संवर्धित हुआ। आगम, जैन विद्या, प्रेक्षाध्यान से संबधित एवं अन्य जीवनोपयोगी साहित्य के साथ पूज्यवरों, चारित्रात्माओं, समण – समणीवृंद तथा शोधार्थियों द्वारा लिखित/संपादित साहित्य का प्रकाशन विगत 47 वर्षों से किया जा रहा है।

नवीन प्रकाशन एवं पुर्नमुद्रण

आलोच्य अवधि में निम्न प्रकार से नवीन शीर्षक प्रकाशित हुए –

कुल शीर्षक –	22
प्रतियों की संख्या –	27,500 प्रतियां

इस अवधि में विशेष रुप से अंग्रेजी भाषा की नौ प्रतियों का प्रकाशन करवाया गया एवं Unveil your grateness नामक अंग्रेजी पुस्तक का हार्पर कालिन्स के माध्यम से प्रकाशन करवाया गया। प्रथमतः एक ऑडियो बुक का विमोचन किया गया।

आलोच्य अवधि में निम्न प्रकार से पुनर्मुद्रण करवाया गया –

कुल शीर्षक –	54
प्रतियों की संख्या –	66,794 प्रतियां

इसके अतिरिक्त इस वर्ष विशेष रुप से एक नवीन आगम का प्रकाशन करवाया गया एवं पांच आगमों के पुनर्मुद्रण का कार्य भी करवाया गया।

साहित्य सदनम् का लोकार्पण

जैन विश्व भारती में परमपूज्य आचार्यश्री तुलसी एवं आचार्यश्री महाप्रज्ञ जी का चिंतन, मार्गदर्शन, आशीर्वचन बहुत विकसित है, इसके मूल प्राणतत्व के रुप में है – साहित्य। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मुखारविन्द से प्राप्त इस पाथेय के साथ साहित्य सदनम् का लोकार्पण दिनांक 17 जनवरी 2022 को किया गया जो कि श्री स्वतंत्र–श्रीमती बिमला जैन (ह्यूस्टन–यू. एस.ए.) के अर्थ सहयोग से निर्मित हुआ है। तीन मंजिला इस आधुनिक भवन में साहित्य विक्रय काउंटर के साथ –साथ डिजीटल साहित्य/लाइब्रेरी का भी सम्पूर्ण सेट–अप तैयार किया जाएगा। अमृत महोत्सव के अवसर पर निर्मित इस साहित्य सदनम् के समक्ष पुस्तकों की एक बड़ी प्रतिकृति व जीवनदानी कार्यकर्ता, तत्वज्ञानी श्री श्रीचंदजी रामपुरिया की मूर्ति का भी स्थापन किया गया।

साहित्य सदनम् के निर्माण सहयोगी श्री स्वतंत्र–विमला जैन के प्रति हार्दिक आभार।

अमृतम् ग्रंथ एवं 51 पुस्तकों का प्रकाशन

जैन विश्व भारती परम सौभाग्यशाली रही कि महाप्रज्ञ स्मृति ग्रंथ के प्रकाशन के दायित्व के पश्चातं 'शासन माता' साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के साध्वी प्रमुखा पद के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निर्मित होने वाले अभिनंदन ग्रंथ अमृतम् का दायित्व जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ। कल्याण परिषद की बैठक दिनांक 29 मार्च 2021 में लिए गए निर्णय अनुसार उक्त दायित्व जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ था।

वर्तमान साध्वी प्रमुखा साध्वी विश्रुतविभाजी (तत्कालीन मुख्य नियोजिकाजी) एवं साध्वीवर्या संबुद्धयशा जी एवं साध्वी कल्पलताजी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में इस अभिनंदन ग्रंथ का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के अमृत महोत्सव के अवसर पर निर्मित अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण दिनांक 30 जनवरी 2022 को सुधर्मा सभा, जैन विश्व भारती में पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में किया गया। मंच पर स्थापित ग्रंथ की प्रतिकृति को जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार लूनिया तथा मुख्य न्यासी

साहित्य

श्री टी. अमरचंद जैन ने अनावृत किया। तदुपरान्त मुख्यमुनिश्री ने ग्रंथ की प्रथम प्रति परम पूज्य गुरुदेव के करकमलों में अर्पित की। आचार्यप्रवर उस प्रति को हाथ में लेकर पट्ट से नीचे उतरे और साध्वीप्रमुखाजीके समीप पधारे पूज्यप्रवर ने अपने करकमलों से वह प्रति साध्वीप्रमुखाजी के सम्मुख रखी टेबल पर स्थापित की, जिसे साध्वीप्रमुखाजी ने अत्यंत विनम्रभाव के साथ स्वीकार किया।

अमृतम् ग्रन्थ लोकार्पण के संदर्भ में परम पूज्य आचार्यप्रवर ने कहा– 'आज अमृतम् ग्रंथ लोकार्पित किया गया है, वह भी साध्वीप्रमुखा अमृत महोत्सव की योजना का एक अभिन्न अंग था। इसके प्रस्तुतीकरण में अपने–अपने ढंग से कितनों का श्रम लगा होगा। उस श्रम की निष्पत्ति आई कि अमृतम् ग्रंथ हमारे हाथों में आ गया। इसके लिए आत्मतोष की अभिव्यक्ति की जा रही है।'

अमृत महोत्सव के अवसर पर 'शासनमाता' साध्वीप्रमुखाजी द्वारा रचित 51 कृतियों के प्रकाशन का दायित्व भी जैन विश्व भारती को प्राप्त हुआ एवं दिनांक 29 जनवरी 2022 को पूज्य आचार्यप्रवर के सान्निध्य में भारतीय नक्शेनुमा आकृति में सज्जित कर उक्त 51 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। अमृतम् ग्रंथ एवं 51 पुस्तकों के अर्थ सहयोगियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जय तिथि पत्रक एवं कैलेण्डर का प्रकाशन

आलोच्य अवधि में जय तिथि पत्रक की 8,000 प्रतियों का प्रकाशन करवाया गया। परमाराध्य आचार्यप्रवर के निर्देशानुसार मुनिश्री उदितकुमारजी ने जय तिथि पत्रक का संपादन किया। मुनिश्री के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। जैन विश्व भारती साहित्य के परिचय के रुप में इस वर्ष कैलेण्डर का प्रकाशन भी करवाया गया।ीन साहित्यअन्य उल्लेखनीय कार्य

संबोधि ऐ स्पीको लाइब्रेरी

पर्यावरण सरंक्षण एवं कर्म निर्जरा की दृष्टि से संकल्पित यह नवाचार निरन्तर विकास की ओर गतिमान है। वर्तमान में इस ऐप को 43,000 से अधिक व्यक्तियों ने डाउनलोड किया है एवं वर्तमान में इस एप्प पर 975 पुस्तकें उपलब्ध है। यह एप्प न केवल साहित्य के स्वाध्याय में उपयोग आ रहा है वरन् विभिन्न संघीय संस्थाओं के द्वारा आयोजित किए जाने वाले क्विज आदि के लिए भी एक उपयोगी प्लेटफॉर्म सिद्ध हो रहा है। विगत वर्ष संबोधि ऐ स्पीको लाइब्रेरी ऐप पर आगमों को स्वाध्याय हेतु उपलब्ध करवाये जाने का लक्ष्य लिया गया था एवं इस वर्ष कुल 16 आगमों को इस ऐप पर अध्ययन हेतु उपलब्ध करवाया गया है।

साहित्य के वेब पोर्टल पर साहित्य की उपलब्धता

साहित्य के वेबपोर्टल पर वर्तमान मे 1507 पुस्तकें ऑनलाइन विक्रय हेतु उपलब्ध है एवं इसके अलावा 350 पुस्तकें ऑनलाइन अध्ययन हेतु भी उपलबध है।

अमेजॉन, फ्लिपकार्ट व मीशो पर साहित्य की उपलब्धता

विश्व की लोकप्रिय ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट अमेजॉन पर विक्रय हेतु जैन विश्व भारती का साहित्य उपलब्ध है। अमेजॉन किंडल पर जैन विश्व भारती प्रकाशन की 302 से अधिक बेहतरीन पुस्तकें अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में उपलब्ध करवा दी गई है एवं विदेशी पाठकों यथा मेक्सिको, जापान एवं अमेरिका से पाठकों की अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार अन्य लोकप्रिय ऑनलाइन साइट यथा फ्लिपकार्ट, मीशो आदि पर भी जैन विश्व भारती का साहित्य उपलब्ध है।

ऑडियो बुक्स का नवाचार

आधुनिक युग के अनुकूल एवं युगीन मांग को ध्यान में रखते हुए आदर्श साहित्य विभाग के अन्तर्गत ऑडियो बुक्स का निर्माण इनहाउस किया जा रहा है। अभी तक कुल 9 ऑडियो बुक्स का निर्माण इस अवधि में किया गया है एवं आगामी वर्ष 100 ऑडियो पुस्तक का

साहित्य

लक्ष्य लिया गया है। विशेष ज्ञातव्य है कि इस कार्य में आदर्श साहित्य विभाग के कार्मिकों द्वारा इनहाउस कार्य किया जा रहा है।

करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान ग्लोबल क्विज का आयोजन

लॉकडाउन की परिस्थितियों में श्रावक समाज को घर बैठे स्वाध्याय की दृष्टि से जैन विश्व भारती के विदेशी सेन्टर्स यथा न्यूजर्सी, लंदन, ओरलेण्डो, ह्यूस्टन, मियामी आदि के संयुक्त तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के षष्टिपूर्ति वर्ष के उपलक्ष्य में आचार्यश्री की 18 कृतियों पर आधारित उक्त ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का संचालन प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार को किया जा रहा है एवं वर्तमान में 18 प्रतियोगिताएं सम्पन्न हो चुकी है। समस्त प्रतियोगिताओं के सारतत्व के रुप में एक ग्रांड फिनाले का भी आयोजन किया गया है।

गुरुकुलवास में चल साहित्य विक्रय केन्द्र का निरन्तर संचालन

गुरुकुलवास में साहित्य स्टॉल के सुचारु संचालन में कार्य सहयोगी श्री नन्दराम सिमार, श्री केशव, श्री मुकेश एवं श्री सोहनलाल का हार्दिक आभार।

अन्य कार्य

छापर निवासी बैंगलोर प्रवासी श्री लक्ष्मीपत दुधेड़िया परिवार के प्रति साहित्य विभाग को प्रदत्त विशेष सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

श्री चौथमल–कन्हैयालाल सेठिया चेरिटेबल ट्रस्ट, छापर के द्वारा साहित्य सदनम् में लिफ्ट के स्थापन की घोषणा एवं कार्य प्रारंभ।

कामधेनु – जैन विश्व भारती का इतिहास नामक पुस्तक का संशोधित व परिवर्धित संस्करण पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी को लाडनूं प्रवास के दौरान सादर निवेदित किया गया। मुनिश्री मोहजीत कुमारजी द्वारा पुस्तक के परिवर्धित संस्करण का कार्य किया गया, अतएव हार्दिक कृतज्ञता।

ई–केटलॉग एवं नवीन सूची पत्र का निर्माण एवं साहित्य के प्रचार–प्रसार की दृष्टि से टेली मार्केटिंग का कार्य प्रारम्भ किया गया है।

कृतज्ञता / आभार

आगम संपादन, साहित्य लेखन व सृजन कार्य में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का समय–समय पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त होता है, एतदर्थ पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। आचार्यप्रवर के निर्देशन में आगम संपादन एवं साहित्य संपादन के कार्य में 'आगम मनीषी' प्रोफेसर मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, साध्वीप्रमुखा साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री कीर्तिकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी, मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी, मुनि योगेशकुमारजी, साध्वीश्री जिनप्रभाजी, साध्वीश्री विमलप्रज्ञाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी, साध्वीश्री शुभ्रयशाजी, साध्वीश्री सुमतिप्रभाजी, प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञाजी आदि चारित्रात्माओं / समणीवृंद का श्रम मुखर होता है, तदर्थ सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। साहित्य संबंधी कार्यों में संलग्न सभी चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद द्वारा प्राप्त मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता। सभी विद्वान् लेखकगण के प्रति हार्दिक आभार।

साहित्य विभाग के विकास में जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का सतत् मार्गदर्शन प्राप्त होता है अतएव हार्दिक कृतज्ञता। आदर्श साहित्य विभाग को विकास की नवीन दिशा प्रदान करन हेतु विभागाध्यक्ष श्री पुखराज बडोला, सह– संयोजक श्री विजयराज आचंलिया एवं डिजीटल विभाग संयोजक श्री उमेश सेठिया का हार्दिक आभार। साहित्य मुद्रण संबंध कार्य में पायोराईट प्रिंट मीडिया प्रा. लि., उदयपुर के श्री संजय कोठारी, सांखला प्रिन्टर्स बीकानेर के श्री दीपचंद सांखला, पायोराइट प्रिंटर्स, जयपुर के श्री अनिल जैन, श्री वर्द्धमान प्रेस दिल्ली के श्री सम्यक् जैन, एवं प्रिंट मैजिक, उदयपुर के सहयोग हेतु हार्दिक साधुवाद। जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित साहित्य की वितरण व्यवस्था में श्री दिलीप दूगड़–गुवाहाटी, श्रीमती सुनीता मालू,

साहित्य

बैंगलौर, श्री सुखराज पितलिया–सिरियारी, श्री भरतभाई शाह–सूरत, श्री इन्दर बैंगाणी–दिल्ली, श्री अशोक पारख–सिलीगुड़ी, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान–गंगाशहर, जय साहित्य संस्थान–चेन्नई, तेरापंथी सभा–सूरत, तेरापंथी सभा–दक्षिण दिल्ली, तेरापंथी सभा–शाहदरा, तेरापंथी सभा–रोहिणी, तेरापंथी सभा–सिलीगुडी, तेरापंथ युवक परिषद–सूरत, तेरापंथ युवक परिषद–उधना, तेरापंथ युवक परिषद–जयपुर आदि के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। साहित्य के प्रचार–प्रसार में स्थानीय संघीय संस्थाओं व कार्यकर्ताओं के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती साहित्य विभाग के सहायक प्रभारी मनीष भोजक, बृजमोहन शर्मा तथा आचार्यप्रवर के साथ यात्रा में संचालित साहित्य विक्रय केन्द्र कार्मिकों एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद। साहित्य के टाइपिंग कार्य में सहयोगी श्रीमती कुसुम सुराणा, श्री प्रमोद कुर्मी, श्री बहादुर सिंह आदि का सजगता से कार्य निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

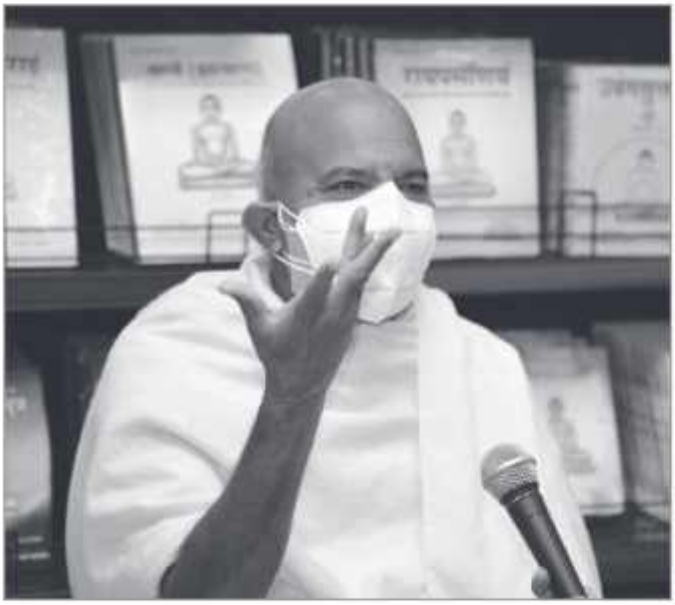

शोध

आगम–संपादन

जैन विश्व भारती की स्थापना के मूलभूत उद्देश्यों में शोध का स्थान सर्वोपरि रहा है। प्रारंभ से ही गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसी ने इसे जैन धर्म, दर्शन, अध्यात्म आदि के एक उच्चस्तरीय शोध–संस्थान के रूप में परिकल्पित किया था। आगम संपादन, अनुवाद, भाष्य (या टिप्पण) आदि का कार्य इसी शोध–प्रवृत्ति के अंतर्गत जारी है। यह कार्य पूर्व में वाचना–प्रमुख आचार्य तुलसी एवं मुख्य संपादक विवेचक आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के निर्देशन में चला। वर्तमान में मूलतः समग्र आगम कार्य का प्रधान संपादन आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत आगमों के अनुवाद, टिप्पण, विभिन्न प्रकार के कोश निर्माण आदि की योजनाएं चल रही हैं। इसके प्रबंधन, मुद्रण, प्रचार–प्रसार आदि का सारा दायित्व जैन विश्व भारती द्वारा निर्वहन किया जा रहा है।

'पन्नवणा' के अनुवाद आदि का कार्य साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी, साध्वीश्री मुदितयशाजी, साध्वीश्री श्रुतयशाजी एवं साध्वीश्री शुभ्रयशाजी द्वारा गतिमान है।

'आगम मनीषी' प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी द्वारा 'भगवई' (भाष्य सहित) 6वें खण्ड का कार्य सम्पन्नता की ओर है। इसमें वनस्पति विज्ञान के संबंध में विस्तृत भाष्य है। 24वें शतक का कार्य आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा पहले ही संपन्न किया जा चुका है।

आगम मनीषी बहुश्रुत प्रो. मुनिमहेन्द्रकुमारजी द्वारा भगवती खण्ड 6 एवं 7 का कार्य गतिमान है एवं विश्व पहेलियां कृति का पुर्नसंपादन अधुनातन वैज्ञानिक शोध के तुलनात्मक रूप में किया जा रहा है।

डॉ. मुनि अभिजीतकुमारजी, मुनि जागृतकुमारजी एवं मुनि सिद्धकुमारजी द्वारा भगवती भाष्य खण्ड तीन का आंग्ल भाषा में अनुवाद किया जा रहा है।

आगम मनीषी बहुश्रुत प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी की देखरेख में मुनि सिद्ध कुमारजी द्वारा जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति के अनुवाद, संस्कृत छाया आदि कार्य गतिमान है।

मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री योगेशकुमारजी द्वारा 'अंतकृतदशा' एवं 'जीवाजीवाभिगम' आगम ग्रंथ का कार्य पूर्णता की ओर है।

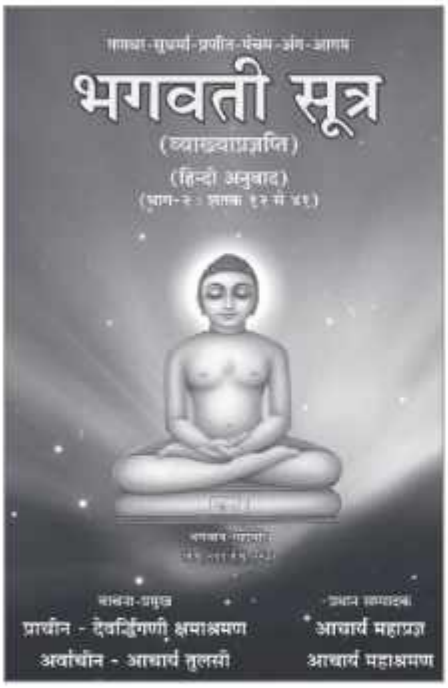

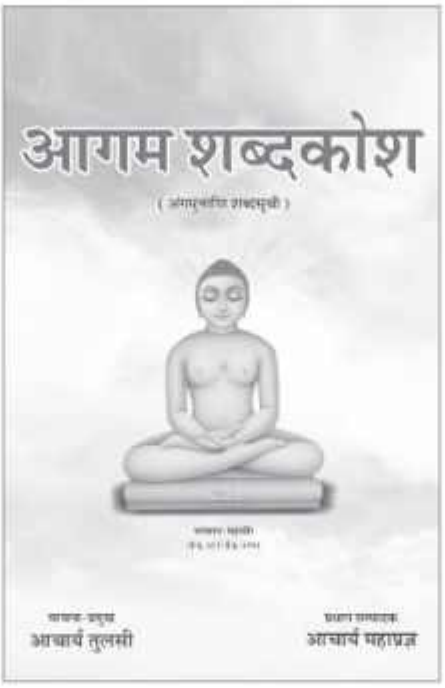

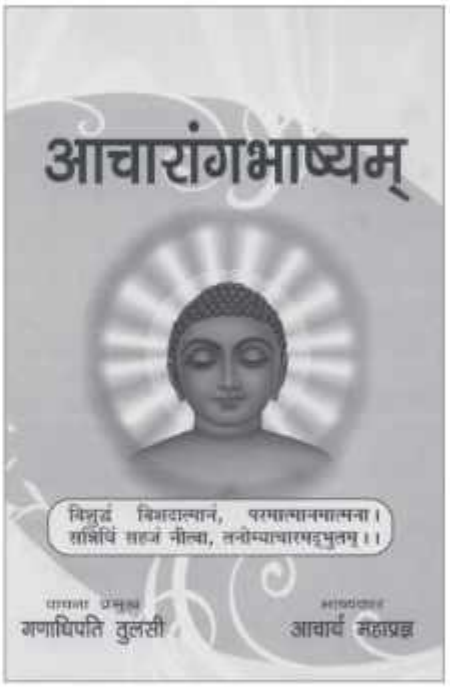

'kks/k

मुनिश्री जयकुमारजी द्वारा 'अनुत्तरौपपातिकदशा' आगम ग्रंथ का कार्य गतिमान है।

डॉ. मुनिश्री अभिजितकुमारजी एवं मुनिश्री सिद्धकुमारजी द्वारा भगवई भाष्य के तीसरे खण्ड के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य रोमनलिपि के साथ किया जा रहा।

साध्वीश्री राजुलप्रभाजी 'ज्ञाताधर्म कथा' के संस्कृत रूपान्तरण के कार्य में संलग्न है।

''उत्तरज्झयणाणि' एवं 'ठाणं' आगम ग्रंथों का पुनर्मुद्रण का कार्य प्रगति पर है।

मुनिश्री जितेन्द्रकुमारजी द्वारा सूर्यप्रज्ञप्ति एवं चन्द्रप्रज्ञप्ति आगमग्रंथ पर कार्य निरंतर गतिमान है।

साध्वी ऋद्धिप्रभाजी 'दसवेआलियं' और साध्वी वीरप्रभाजी द्वारा नायाधम्मकहाओ के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य गतिशील है। समवायांग आगम के अंग्रेजी अनुवाद का कार्य भी गतिमान है।

निरयावलियाओ नामक नवीन आगम का प्रकाशन कार्य किया गया।

आगम–संपादन संबंधी जैन शासन की प्रभावना का विशिष्ट कार्य परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के मुख्य निर्देशन में हो रहा है, इस हेतु हार्दिक कृतज्ञता। इस कार्य में संलग्न उक्त उल्लेखित समस्त चारित्रात्माओं एवं समणीवृंद के प्रेरणास्पद श्रम हेतु हार्दिक कृतज्ञता।

शोध विभाग के क्लिष्ट कार्य में विभागाध्यक्ष श्री मदनचंद दुगड़ 'जौहरी' का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है, एतदर्थ हार्दिक आभार। कम्प्यूटर संबंधी कार्य में कार्यालय में कार्यरत श्री प्रमोद कुर्मी, श्रीमती कुसुम जैन, श्री बहादुरसिंह आदि द्वारा कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु धन्यवाद।

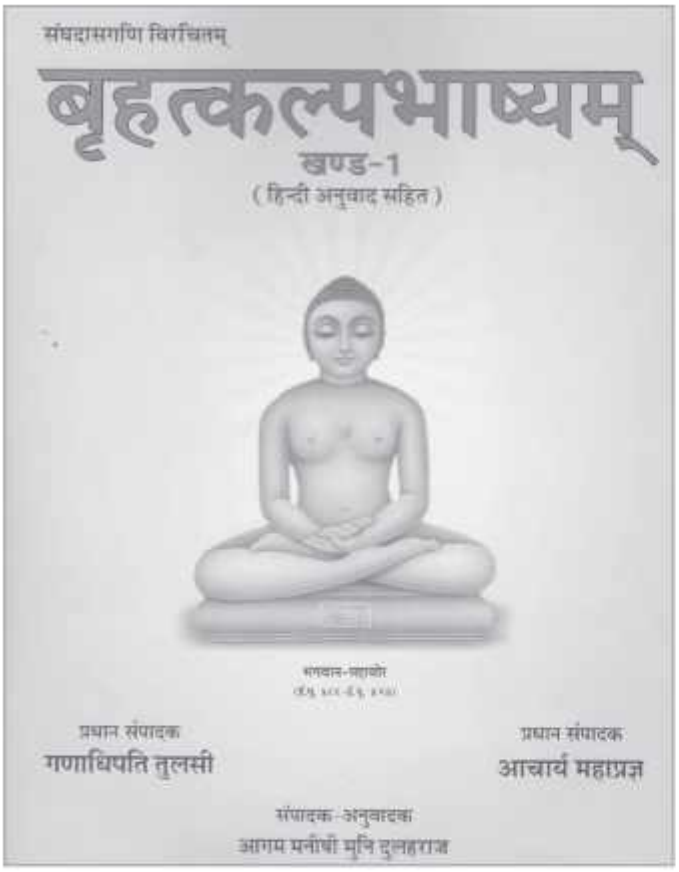

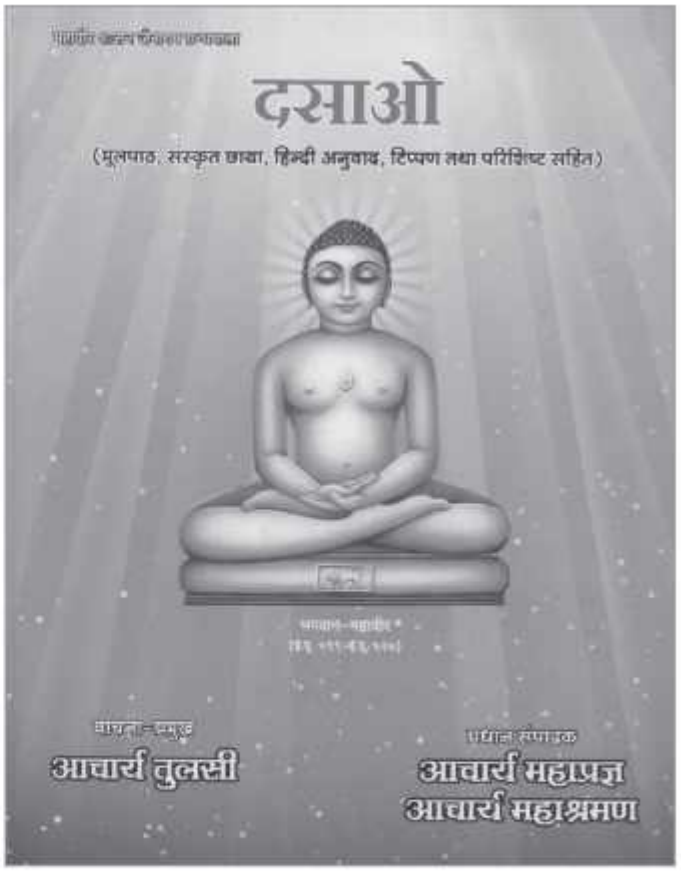

पुरस्कार एवं सम्मान

जैन विश्व भारती द्वारा कुल 9 पुरस्कारों का संचालन विभिन्न प्रायोजकों के सहयोग से किया जा रहा है जिसमें से इस वर्ष निम्न पुरस्कारों की घोषणा की गई –

महादेवलाल सरावगी जैन आगम मनीषा पुरस्कार	
प्रायोजक	: एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	: 1,00,000/– प्रतिवर्ष
घोषित	: सुश्री रंजना गोठी, बैंगलौर (वर्ष 2021)
गंगादेवी सरावगी जैन विद्या पुरस्कार	
प्रायोजक	: एम. जी. सरावगी फाउण्डेशन, कोलकाता
पुरस्कार राशि	: 1,00,000/– प्रतिवर्ष
घोषित	: डॉ. वीरबाला छाजेड़, इन्दौर (वर्ष 2021)
जय तुलसी विद्या पुरस्कार	
प्रायोजक	: चौथमल कन्हैयालाल सेठिया चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत
पुरस्कार राशि	: 2,00,000/– प्रतिवर्ष
घोषित	: वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर (वर्ष 2021)
आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य पुरस्कार	
प्रायोजक	: सूरजमल सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट, गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	: 1,00,000/– प्रतिवर्ष
घोषित	: श्री हरीश नवल (वर्ष 2020) श्री नरेश शांडिल्य (वर्ष 2021)
प्रज्ञा पुरस्कार	
प्रायोजक	: श्री उम्मेदसिंह, विनोदसिंह, दिलीप दूगड़, तुरा–हैदराबाद–गुवाहाटी
पुरस्कार राशि	: 1,00,000/– प्रतिवर्ष
घोषित	: डॉ. कौशल बैद, कनाडा (वर्ष 2021)

सभी पुरस्कार प्रायोजकों के प्रति हार्दिक आभार एवं पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं के प्रति मंगलकामना।

विदेशों में केन्द्र

जैन विश्व भारती, न्यूजर्सी

समणी सन्मतिप्रज्ञाजी एवं समणी जयंतप्रज्ञाजी का प्रवास।

जैन विश्व भारती न्यूजर्सी सेन्टर में पर्युषण महापर्व का ऑनलाइन आयोजन। इस कार्यक्रम में न्यूजर्सी श्रावक समाज के साथ–साथ नेपाल का श्रावक समाज भी विशेष रुप से जुड़ा।

पर्युषण पर्व पर विशेष रुप से लोगस्स जप का अनुष्ठान किया गया।

जैन विश्व भारती, न्यूजर्सी केन्द्र की 20वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन एवं साथ ही आचार्यश्री महाश्रमणजी के जन्मोत्सव के अवसर पर आचार्यश्री की फोटो वाले चांदी की सिक्के का विमोचन।

'शासनमाता' साध्वीप्रमुखाश्रीजी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सतरंगी प्रतियोगिता का आयोजन एवं प्रतियोगिता में 500 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त। उक्त आयोजन में जैन विश्व भारती लंदन की भी सहभागिता रही।

शासनमाता के अमृत महोत्सव के अवसर पर **सफर आधी शताब्दी का** कविता संग्रह प्रकाशित।

World Parliament of religion में समणीवृन्द द्वारा सहभागिता एवं वक्तव्य।

ग्रेटर कनाडा के जैन सेन्टर में पंच दिवसीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन।

जैन विश्व भारती न्यूजर्सी के तत्वावधान में प्रारम्भ हुआ ग्लोबल कांटेस्ट – करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान का समापन एवं ग्रांड फिनाले का भी विशेष रुप से आयोजन।

Jain Vishva Bharati, NA (New Jersey), 151 Middle Sex Avenue, Iseline, NJ-08830 USA,T. : 0732-404-1430

जैन विश्व भारती, लंदन

समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी एवं समणी पुण्यप्रज्ञाजी का प्रवास। समणीवृन्द के सान्निध्य में जैन विश्व भारती लंदन–जैन वर्ल्ड पीस के प्रांगण में समयसार, तत्वार्थसूत्र एवं कल्याण मंदिर स्त्रोत पर व्याख्यान आयोजित।

आयरलैण्ड की कोर्क यूनिवर्सिटी में आयोजित – यूरोपीयन स्टडी ऑफ रिलीजन्स कान्फ्रेंगस में समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी द्वारा Negotiating freedom in the Jain monkhood विषयक पेपर प्रस्तुत किया गया।

आयरलैण्ड के डबलिन शहर में प्रथमतः समणीवृन्द का चार दिवसीय प्रवास ।

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी की षष्टिपूर्ति समारोह पर 61 भक्ताम्बर पाठ का आयोजन किया गया।

'शासनमाता' साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के अमृत महोत्सव पर सतरंगी सात प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जैन विश्व भारती न्यूजर्सी की सहभागिता रही। चयनित 100 कविताओं का संग्रह सफर आधी शताब्दी का पुस्तक का सम्पादन समणी सन्मति प्रज्ञाजी ने किया।

जैन विश्व भारती लंदन व न्यूजर्सी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राण्ड फिनाले अमृत महोत्सव विषयक ग्लोबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजेताओं को सम्मान प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

नवरात्रि पर्व पर विशेष अनुष्ठान का आयोजन एवं भगवान पार्श्वनाथ जयन्ती पर त्रिदिवसीय उपसर्गहर का पाठ। नववर्ष 2022 के अवसर पर भी धार्मिक जाप का आयोजन किया गया।

'शासनमाता' साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के निरामय स्वास्थ्य हेतु समाधि भावना युक्त नमस्कार महामन्त्र का सवा करोड़ का विशेष जाप का आयोजन।

समणीवृन्द द्वारा चुनिंदा 10 बच्चों की जैनिंग सेरेमनी करवाई गई। 7 अभिभावाकों को प्री–नेटल सर्विस के आध्यात्मिक प्रशिक्षण के प्रयोग करवाए गए। जैन संस्कार विधि पर विशेष वक्तव्य का आयोजन।

विदेशों में केन्द्र

चातुर्मास स्थापना कार्यक्रम में पंच सप्ताह "तप–त्याग बैलेन्स" योजना प्रस्तुत की गई। जिसमें हजारों श्रावक–श्राविकाओं ने सहभागिता की।

बर्मिंघम जैन आश्रय में दिगम्बर जैन जिनालय के लोकार्पण पर समणीवृन्द का सान्निध्य।

महावीर जयन्ती के अवसर पर समणीवृन्द के मेनेचेस्टर, बर्मिंघम, जैन एसोशिएशन लंदन में कार्यक्रम आयोजित।

यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में समणी प्रतिभाप्रज्ञाजी के जैन योग क्रमशः आधुनिक योग प्रेक्षाध्यान व मनोनुशासनम पर वक्तव्य।

प्रतिक्रमण, भक्ताम्बर की नियमित कक्षाओं का आयोजन।

जैन विश्व भारती, ह्यूस्टन

समणी मलयप्रज्ञाजी एवं समणी नीतिप्रज्ञाजी के सान्निध्य में गाथा भिक्षु की विषय पर दो दिवसीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन।

यौगिक क्रियाओं पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कक्षाओं का आयोजन।

दिनांक 8 मई 2022 को अक्षय तृतीया के अवसर पर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन।

दिनांक 10 अप्रैल 2022 को केन्द्र में प्रेक्षाध्यान कार्यशाजा का आयोजन।

Rejuvenate your mind विषय पर त्रिदिवसीय शिविर का दिनांक 15–17 अप्रैल तक आयोजन।

दिनांक 20 मार्च को योग एवं ध्यान विषय पर कार्यशाला का आयोजन।

शासनमाता के 50वें चयन दिवस के अवसर पर त्रिदिवसीय विशेष कार्यक्रम का, जिसके अन्तर्गत बदले युग की धारा पुस्तक पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन।

जैन विश्व भारती ह्यूस्टन की नवीन कार्यकारिणी का गठन एवं शपथ ग्रहण।

दिनांक 7 नवम्बर को जैन विश्व भारती न्यूजर्सी केन्द्र के वार्षिकोत्सव का आयोजन।

दिनांक 4 सितम्बर से 11 सितम्बर तक पर्युषण पर्व पर विशेष आयोजन जिसमें भक्ताम्बर, प्रतिक्रमण, ध्यान एवं प्राणायाम की कक्षाओं का आयोजन। समणीवृन्द द्वारा कल्पसूत्र व अर्न्तगढ सूत्र की कक्षाओं का भी आयोजन किया गया।

जैन विश्व भारती न्यूजर्सी केन्द्र में दिनांक 19 सितम्बर को मैत्री दिवस

समणी मलयप्रज्ञाजी व नीतिप्रज्ञाजी के मार्गदर्शन में न्यूजर्सी से प्रारम्भ हुई ग्लोबल प्रतियोगिता –करें आत्मोत्थान, बनें वर्द्धमान का समापन एवं ग्राण्ड फिनाले का भी आयोजन।

Jain Vishva Bharati, Houston, 1712 Hwy 6 South Houston, Texas 77077 (USA),T : 281-5969642, -4959733

उपर्युक्त केन्द्रों में प्रवासित समणीवृंद के सान्निध्य में संस्कार निर्माण एवं जैन विद्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित है। विदेशों में प्रवासित अनेक जैन परिवारों से समय–समय पर जैन विश्व भारती की गतिविधियों हेतु सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगी परिवारों के प्रति हार्दिक आभार। केन्द्रों के पदाधिकारीगण एवं सक्रिय रूप से जुड़े कार्यकर्तागण के सहयोग एवं सेवाओं हेतु आभार। लंदन सेन्टर संयोजक श्री हंसमुख भाई एवं डा. सुनील दुगड़, ओरलेण्डो सेन्टर संयोजक श्री देवांग चितलिया, श्री मनोज गांधी, ह्यूस्टन सेन्टर संयोजक श्री स्वतंत्र जैन, श्री अशोक जैन एवं न्यूजर्सी सेन्टर संयोजक श्री सुरेन्द्र जैन कांकरिया, श्री आशीष जैन का विशेष आभार। जैन विश्व भारती सेन्टर्स पर विराजित समस्त चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

संस्कृति

तुलसी कला दीर्घा

हमारी मूल्य भावना को प्रभावित करने वाले धर्म एवं दर्शन हमारी संस्कृति के अनिवार्य अंग है। इस संस्कृति की एक विशेष पहचान इसकी स्थापत्यकला, चित्रकला, लिपिकला, हस्तकला, मूर्तिकला के रुप में भी होती है, जैन विश्व भारती इस संस्कृति के संवर्द्धन परिरक्षण हेतु सतत् क्रियाशील रही है। तुलसी कला दीर्घा का इस दृष्टि से विशेष महत्व है।

गणाधिपति पूज्य गुरुदेवश्री तुलसी की पुण्य स्मृति में जैन विश्व भारती में स्थापित तुलसी कला दीर्घा (आर्ट गैलरी) आने वाले हर वर्ग के दर्शक को प्रभावित करती हैं। पांच दीर्घा में निर्मित इस भवन में लगभग 1560 वर्गफुट प्रदृश्य स्थल है। गणाधिपति गुरुदेव तुलसी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 13 जून 1998 को राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। कला केन्द्र में जैन धर्म को दर्शाने वाली प्राचीन एवं अर्वाचीन चित्रों एवं हस्तकलाओं की प्रचुर सामग्री का संग्रह किया गया है। दुर्लभ, कलापूर्ण, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की प्रदर्शन योग्य सामग्री के साथ तेरापंथ के आचार्यों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से संबंधित प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र तथा अन्य सामग्री को यहां पर शो विंडो में कलापूर्ण ढ़ंग से सुसज्जित किया गया है। मूल दीर्घा में ऐतिहासिक दस्तावेज, चित्र, रेखांकन तथा हस्तलेखों का विशाल संग्रह 40 टेबल शो केसों में प्रदर्शित किया गया है। नारियल, काष्ठ, तुम्बा और कागज की लुग्दी एवं जीर्ण–शीर्ण कपड़े से बनी अद्भुत कलापूर्ण सामग्री यहां प्रदर्शित है। यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लाडनूं जैसे छोटे कस्बे में स्थित तुलसी कला दीर्घा संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में गागर में सागर की कहावत को शब्दशः चरितार्थ करती है।

इस वर्ष परमपूज्य आचार्यप्रवर की अनापत्ति के पश्चात आचार्य महाप्रज्ञजी से संबंधित समस्त अलंकरण व सम्मान आदि जो कि तुलसी कला दीर्घा में प्रदर्शित थे, को महाप्रज्ञ दर्शन, सरदारशहर में प्रदर्शित किए जाने हेतु जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा को सुपुर्द किए गए। इस वर्ष दो नवीन पेटिंग एवं आचार्यश्री महाश्रमणजी के युगप्रधान अलंकरण के अवसर पर समर्पित पत्र को तुलसी कला दीर्घा में सज्जित किया गया।

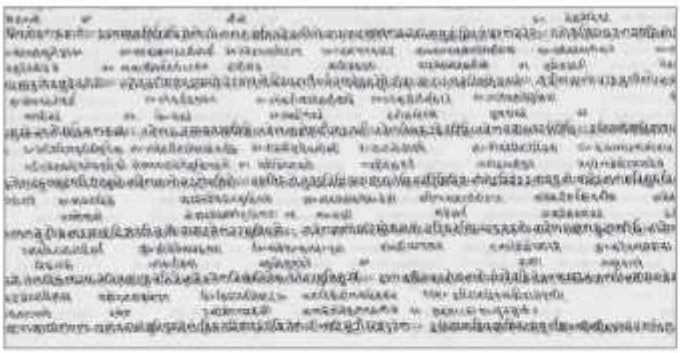

आलोच्य अवधि में देश–विदेश के सैंकड़ों दर्शनार्थियों ने कला प्रेक्षा का अवलोकन किया। तुलसी कला दीर्घा के विकास हेतु जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का भी समय–समय पर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ हार्दिक कृतज्ञता।

हस्तलिखित भण्डार

प्राचीन काल में भारतीय ज्ञान संपदा का संरक्षण कंठस्थ ज्ञान के आधार पर होता था। लिपिकला और लेखन सामग्री के विकास के बाद ज्ञान की संपदा पन्नों पर प्रतिष्ठित हो गई। जैन विश्व भारती में अनेक प्राचीन एवं दुर्लभ जैन हस्तलिखित ग्रंथ उपलब्ध हैं। जिनकी सुरक्षा एवं संरक्षण जैन विश्व भारती के हस्तलिखित एवं पाण्डुलिपि विभाग के अन्तर्गत किया जा रहा है। इनकी सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि से विशेषज्ञ टीमों ने समय–समय पर दौरा कर अमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए हैं और उनके निर्देशानुसार हस्तलिखित पाण्डुलिपियों को उनकी सुरक्षा की दृष्टि से निर्मित विशेष प्रकार की लकड़ी की बनी पेटियों में रखा गया है। वर्तमान में इन पाण्डुलिपियों की संख्या 3122 है, जो 364 पेटियों में संरक्षित है। इन पाण्डुलिपियों को धर्मसंघ के आचार्यों, साध्वियों एवं मुनिवृंद द्वारा लिपिबद्ध किया गया है। इन लिपियों में ऐसे रहस्य हैं, जो वर्तमान में प्रायः लुप्त हो चुके हैं। यह दुर्लभ पाण्डुलिपियां शोधार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इन पाण्डुलिपियों में 18वीं शताब्दी के ताड़पत्र पर कन्नड़ भाषा में लिखी गई भगवद् गीता, कृष्ण–गोपी लीला आदि संग्रहित है। जैन विश्व भारती संस्थान के माध्यम से उक्त पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य पूर्णतः प्राकृतिक रसायनों के माध्यम से किया जाने का प्रोजेक्ट गतिमान है।

आलोच्य अवधि में पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा उक्त हस्तलिखित भण्डार का अवलोकन किया गया एवं विशेष रुप से पाण्डुलिपियों के संरक्षण के कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस वर्ष में विशेष रुप से जिला कलेक्टर, नागौर एवं प्रशिक्षु आई.ए.एस. द्वारा तुलसी कला दीर्घा का अवलोकन किया गया। ज्ञातव्य है कि शोधार्थियों हेतु ये अत्यन्त उपयोगी हैं।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

भव्य प्रवेशद्वार का निर्माण एवं लोकार्पण

किसी भी क्षेत्र अथवा भवन का मुखपृष्ठ उसका मुख्यद्वार होता है जो व्यक्ति को अंदर प्रवेश करते ही उस संस्थान की गरिमा से परिचित करवा देता है। ऐसा ही विशालकाय मुख्य पृष्ठ रुपक द्वार जैन विश्व भारती की विशालकाय गतिविधियों को दर्शित कर रहा है। सप्त सकारों से युक्त यह प्रवेश द्वार जैन विश्व भारती के जय कुंजर रुपी समृद्ध रुप को प्रकट कर रहा है। पूज्यप्रवर के पावन सान्निध्य में उक्त प्रवेश द्वार का लोकार्पण प्रवेशद्वार के अनुदानदाता श्री राकेश–आरती कठोतिया (लाडनूं – मुम्बई) द्वारा किया गया। अमृत महोत्सव के अवसर पर बना यह प्रवेश द्वार जैन विश्व भारती के स्वर्णजयंती वर्ष का भी प्रतीक है। सौजन्यकर्ता मातुश्री श्रीमती कमलादेवी कठोतिया की प्रेरणा से श्री राकेश – श्रीमती आरती कठोतिया के प्रति हार्दिक आभार।

महाश्रमण विहार का लोकार्पण

विगत सत्र में एक भवन का शिलान्यास जैन विश्व भारती में दिनांक 29 अप्रैल 2021 को किया गया था। पूज्यप्रवर ने असीम कृपा स्वरुप इस भवन का नामकरण महाश्रमण विहार के नाम से प्रदत्त कर भवन को सजीव कर दिया। हम सभी पूज्यप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हैं। यह भवन सौभाग्यशाली हो गया जब पूज्यप्रवर के चरणों का पावन स्पर्श एवं प्रवास इसे प्राप्त हुआ। महाश्रमण विहार का लोकार्पण दिनांक 15 जनवरी 2022 को पूज्यप्रवर की पावन सन्निधि में अनुदानदाता परिवार श्री उमेदसिंह बोकड़िया के द्वारा किया गया। कुल 24,000 स्केवयर फीट एरिया में बने इस दो मंजिला भवन में कुल 16 कमरे एवं दो हॉल का निर्माण किया गया है। महाश्रमण विहार के राजस्थानी शैली के मेहराब व छतरियां इसके वैभव को द्विगुणित कर रहे हैं। भवन निर्माण अनुदानदाता श्री उम्मेदसिंह बोकड़िया, लाडनूं – चेन्नई के प्रति हार्दिक आभार।

अमृत महोत्सव का आयोजन

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने असीम कृपा कर जैन विश्व भारती को आगामी वर्ष 2022 में अमृत महोत्सव का वरदान प्रदान किया था एवं आचार्यप्रवर की मंगल सन्निधि में जैन विश्व भारती को अमृत महोत्सव के साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। शासनमाता पूज्य साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के साध्वी प्रमुखा के रुप में दायित्व के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव का आयोजन जैन विश्व भारती में किया गया। सुधर्मा सभा में जनमेदिनी की उपस्थिति में अमृत महोत्सव का आयोजन एक ऐतिहासिक अवसर बना।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

जैन विश्व भारती द्वारा अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रकाशित "अमृतम्" नामक अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण 30 जनवरी 2022 को आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में किया गया।

ऐतिहासिक अमृत महोत्सव के साथ–साथ जैन विश्व भारती को अवसर मिला दो महान् क्षणों की अनुभूति का जो इतिहास में एक ही बार घटित होते हैं। शासनमाता द्वारा एवं समस्त संघ के करबद्ध निवेदन के साथ आचार्यप्रवर को युगप्रधान के अलंकरण का एवं आचार्यप्रवर द्वारा शासनमाता के अलंकरण की घोषणा का। धन्य है सुधर्मासभा एवं धन्य है जैन विश्व भारती की धरा जो ऐसे अविस्मरणीय पलों की साक्षी बनी।

सुमेरु भवन का नवीनीकरण एवं सौन्दर्यकरण

जैन विश्व भारती में वर्ष 1993 में श्री सुमेरमल पटावरी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित सुमेरु नामक अतिथिगृह का निर्माण करवाया गया था एवं वर्ष 2021–22 में इसका पूर्ण नवीयन अनुदानदाता परिवार द्वारा करवाया गया।

अनुदानदाता परिवार को हार्दिक आभार एवं कार्य सहयोगी श्री प्रदीप कुण्डलिया का हार्दिक आभार।

अतिथिगृहों का नवीयन व सौन्दर्यकरण

शुभम अतिथिगृह, वर्षा संजय सदन, सागर अतिथिगृह इत्यादि का सम्पूर्ण नवीयन एवं सौन्दर्यकरण करवाया गया। वर्षा संजय सदन के 34 कमरों में नवीन फर्नीचर का स्थापन भी किया गया।

जैन विश्व भारती की सेवा के उपक्रमों के अन्तर्गत अतिथि देवो भव की भावना के साथ प्रत्येक आगंतुक, सेवार्थी, दर्शनार्थी को आवास हेतु शांति प्रदायक एवं सुविधायुक्त आवास व्यवस्था प्रदत्त की जा रही है।

राजमार्ग पर जैन विश्व भारती के विशाल एवं दृश्य साइन बोर्ड का स्थापन।

शहरी विकास की प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रदेशभर में गांवो एवं शहरों का विकास हुआ एवं इस प्रक्रिया के अन्तर्गत शहरों एवं गांवो में पुल एवं सड़कों का जाल हो गया। इस क्षेत्र का प्राणवान क्षेत्र जैन विश्व भारती प्रत्येक राहगीर को आकर्षित करता है। सेवार्थी, दर्शनार्थी एवं आगंतुकों की सुविधार्थ जैन विश्व भारती के साइन बोर्ड लाडनूं शहर से जुड़े हुए समस्त राजमार्गों पर स्थापित किए गए। बोर्ड इत्यादि के स्थापन में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रदत्त अनुमति हेतु सादर आभार।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

नवीन स्वागत कक्ष का स्थापन

जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक व रमणीय वातावरण में पधारने वाले आगंतुको की सुविधार्थ चौबीसों घंटो के लिए स्वागत कक्ष का प्रारम्भ किया गया एवं अतिथिगृहों के आवंटन हेतु आधुनिक साफ्टवेयर का उपयोग भी प्रारम्भ किया गया है। केन्द्रीकृत व्यवस्था से आने वाले अतिथियों को अच्छी सुविधाएं बेहतरीन तरीके से प्रदान की जा सकी है।

जैन विश्व भारती के साउण्ड सिस्टम का स्थापन।

स्वर एवं संगीत का अध्यात्म के साथ संगम वातावरण को परिशोधित कर देता है। जैन विश्व भारती के रमणीय वातावरण में अध्यात्मिकता के स्वरों के गुंजन के लिए सम्पूर्ण परिसर में साउण्ड सिस्टम का स्थापन किया गया है। इससे परिसर के प्रत्येक कोने में आध्यात्मिक स्वर लहरियों का प्रसार हो रहा है।

मल्टीपर्पज हॉल (संपोषणम) का निर्माण कार्य प्रारम्भ

जैन विश्व भारती परिसर में आवासीय एवं अन्य समस्त व्यवस्थाएं निर्मित की हुई है। परन्तु एक ऐसे स्थान की अपेक्षा लम्बे समय से थी जहां पर 1000–1500 व्यक्ति एक साथ बैठक, कोई कॉन्फ्रेंस, सामाजिक आयोजन आदि कर सके। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री मनोज लूनिया की चिंतनशैली में इस हॉल के निर्माण का लक्ष्य समाहित हुआ एवं माह अक्टूबर 2021 में इसका शिलान्यास किया गया।

कालान्तर में आचार्यप्रवर द्वारा उक्त हॉल को संपोषणम का नाम प्रदान कर संपोषित किया, एतदर्थ हम आचार्यप्रवर के प्रति सादर कृतज्ञ है। कार्य प्रारम्भ होने के पश्चात जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री मनोज लूनिया द्वारा उक्त हॉल के सौजन्य का दायित्व भी अपने जिम्मे ले लिया। संपोषण के संपोषक श्री नेमीचंद लूनिया फाउंडेशन परिवार चाड़वास–शिलौंग के प्रति हार्दिक आभार।

हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं शीघ्र पूर्ण हो जाएगा। यह इस क्षेत्र का संभवतः प्रथम ऐसा निर्माण होगा जो भव्य प्रारुप लिए होगा एवं लाडनूं नगरवासियों की अपेक्षाओं की पूर्ति करेगा।

परिसर मे नवीन सड़कों का निर्माण व वाटर कूलर का स्थापन

आलोच्य अवधि में जैन विश्व भारती परिसर में सड़को का नवनिर्माण किया गया एवं नवीनीकरण करवाया गया। मार्गो के सुन्दर होने से आगंतुको को भी सुविधा होती है। परिसर में प्रतिदिन हजारों व्यक्तियों, विद्यार्थियों एवं सेवार्थियों का आगमन होता है। स्वच्छ एवं मीठा पेयजल उपलब्ध करवाना पुनीत सेवा का कार्य है। परिसर में इसी दृष्टि से दो नवीन वाटर कूलर का स्थापन किया गया है।

अन्य उल्लेखनीय कार्य

परिसर मे सोलर पैनल के स्थापन का कार्य प्रारम्भ

दिन प्रतिदिन की विद्युत आपूर्ति की समस्या के समाधान एवं व्ययों में कमी के लिए परिसर में रूँफ टॉप सोलर पेनल के स्थापन का निर्णय किया गया एवं 104 किलोवाट क्षमता के सोलर पेनल के स्थापन का कार्य प्रारम्भ किया गया है। शीघ ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। यह योजना दीर्घकाल से चिंतन में थी जिसे इस अवधि में परिणत किया जा रहा है।

परिसर में दीर्घकाल से लम्बित खसरा संख्या 506 की भूमि का नामान्तरण

जैन विश्व भारती परिसर स्थित खसरा संख्या 506 की भूमि का नामान्तरण विगत दीर्घकाल से लम्बित था जिसे सम्पूर्ण विधिक औपचारिकताओं एवं प्रक्रियाओं के अन्तर्गत नामान्तरित करवाया गया। इस कार्य में श्री कमलसिंह बैद परिवार (लाडनूं–जयपुर) का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्य संपादन की प्रक्रिया में श्रावक श्री सुशील आच्छा एवं श्री संजय मांडोत का विशिष्ट सहयोग प्राप्त हुआ। एतदर्थ हार्दिक आभार।।

परिसर में सघन हरितीकरण

जैन विश्व भारती का परिसर प्राकृतिक सौन्दर्य से आपूरित है परन्तु इस परिसर को सघन हरित करने के लक्ष्य के साथ परिसर में नवीन नर्सरी का स्थापन किया गया एवं परिसर में हजारों पौधों का स्थापन किया गया है। परिसर की भूमि के अनुकूल पौधों का रोपण किया गया है ताकि आगामी समय में परिसर में सघन हरितीकरण हो सके। संस्था की सुंदरता की दृष्टि से अच्छे पौधों के लिए पुष्कर की नर्सरी का चयन किया गया।

परिसर में ट्यूबवैल का निर्माण

जैन विश्व भारती में सुचारु जलापूर्ति हेतु एवं सघन हरितीकरण को बनाए रखने के लिए जैन विश्व भारती परिसर में दो नवीन ट्यूबवैल का निर्माण करवाया गया है। उक्त दोनों ट्यूबवैल निश्चितः ही परिसर के सघन हरितीकरण हेतु अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होंगे।

आय व्यय विवरण –
पृष्ठ संख्या ...

श्रद्धाप्रणति

जैन विश्व भारती की प्रत्येक गतिविधि के सशक्त आधार हैं हमारे पूज्यवर आचार्यश्री महाश्रमणजी। पूज्यश्री द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन और संप्रेषित ऊर्जा ही हमें निरन्तर विकासोन्मुख रखती है। पूज्यप्रवर के असीम अनुग्रह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रत्येक शब्द अल्प है। हम पूज्यप्रवर के श्रीचरणों में अपनी अनंत–अनंत श्रद्धा समर्पित करते हैं। 'शासनमाता' महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के पावन पथ प्रदर्शन एवं कृपादृष्टि हेतु हार्दिक कृतज्ञता। वर्तमान साध्वीप्रमुखा साध्वीश्री विश्रुतविभाजी, 'मुख्यमुनि' मुनिश्री महावीरकुमारजी एवं 'साध्वीवर्या' साध्वीश्री संबुद्धयशाजी के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु हम उनके प्रति कृतज्ञ हैं।

जैन विश्व भारती के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक आदरास्पद मुनिश्री कीर्तिकुमारजी का विभिन्न गतिविधियों के विकास हेतु सम्यक् चिंतन एवं प्रेरक मार्गदर्शन निरन्तर प्राप्त होता रहता है, इस हेतु मुनिप्रवर के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती की आध्यात्मिक गतिविधियों के सम्यक् संचालन व इसको गतिमान रखने के लिए 'प्रेक्षा प्राध्यापक' प्रो. मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी, 'शासनश्री' मुनिश्री धर्मरूचिजी, मुनिश्री दिनेशकुमारजी, मुनिश्री कुमारश्रमणजी, मुनिश्री जयकुमारजी, मुनिश्री रजनीशकुमारजी, मुनिश्री जम्बूकुमारजी, मुनिश्री विश्रुतकुमारजी मुनि योगेशकुमारजी आदि मुनिवृंद एवं साध्वीश्री जिनप्रभाजी, 'शासनगौरव' साध्वीश्री कल्पलताजी, 'शासन गौरव' साध्वीश्री राजीमतीजी, साध्वीश्री कनकश्रीजी, साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी आदि साध्वीवृंद का हमेशा मौलिक चिंतन प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ सभी चारित्रात्माओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र में वर्तमान में प्रवासित सेवाकेन्द्र व्यवस्थापक मुनिश्री विजयकुमारजी, वर्तमान में विशिष्ट दायित्व के अधीन प्रवासित मुनिश्री योगेशकुमारजी, मुनिश्री अक्षयप्रकाशजी व सहवर्ती सन्त, पूर्व चाकरी में प्रवासित मुनिश्री मुनिश्री अमृतकुमारजी आदि मुनिवृंद का संस्था की विभिन्न प्रवृत्तियों में मार्गदर्शन तथा कार्यक्रमों में सान्निध्य प्राप्त हुआ, इस हेतु सभी मुनिवृंद के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। लाडनूं सेवाकेन्द्र में विराजित साध्वी प्रबलयशा जी एवं सहवर्तीनी साध्वियों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता। वर्तमान समणी नियोजिका अमलप्रज्ञाजी, समणी ऋजुप्रज्ञाजी, समणी मधुरप्रज्ञाजी, समणी कुसुमप्रज्ञाजी, समणी अक्षयप्रज्ञाजी, समणी स्थितप्रज्ञाजी आदि समणीवृंद का विशेष दिशा–निर्देशन समय–समय पर प्राप्त होता रहता है, एतदर्थ कृतज्ञता। इनके अतिरिक्त समस्त चारित्रात्माओं एवं समण–समणीवृंद के प्रेरक मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता।

foueZ) katfy

आलोच्य वर्ष में 'शासनमाता' साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने 17 मार्च 2022 को दिल्ली में अंतिम मनोरथ प्राप्त किया, सम्पूर्ण जैन विश्व भारती परिवार का नमन। साध्वीप्रमुखाश्री जी लाडनूं की धरा से जुड़ी हुई थी एवं जैन विश्व भारती सदैव से आपकी कर्मभूमि रही। आपश्री का जैन विश्व भारती को सदैव विशेष मार्गदर्शन प्राप्त रहा। जैन विश्व भारती सदैव आपकी स्मृति में विद्यमान रहती थी, यह इस संस्था पर आपकी विशेष कृपादृष्टि थी। शासनमाता के अमृत महोत्सव का वरदान भी जैन विश्व भारती को मिला। जैन विश्व भारती सदैव आपकी ऋणी रहेगी एवं शाश्वतकाल तक प्रमुखाश्री जी हमारी श्रद्धाभावना में विद्यमान रहेगी। सम्पूर्ण जैन विश्व भारती परिवार आपश्री को अनंत–अनंत श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

इस वर्ष अनेक चारित्रात्माओं ने अपनी संयम यात्रा संपन्न कर पंडित मरण को प्राप्त किया है। मैं सभी दिवंगत चारित्रात्माओं को जैन विश्व भारती परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उउतरोत्तर आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना करता हूं।

आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए जैन विश्व भारती के पूर्व अध्यक्ष श्री ताराचंदजी रामपुरिया का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा जिनकी दीर्घकालीन सेवाएं जैन विश्व भारती एवं संघ को प्राप्त हुई। आपने जैन विश्व भारती को मंत्री एवं अध्यक्ष दोनों रुपों में सेवाएं प्रदान की एवं अर्थपक्ष की दृष्टि से आपके निर्णय सदैव संस्था के लिए लाभप्रद सिद्ध हुए। मैं जैन विश्व भारती की ओर से सादर श्रद्धाजंलि समर्पित करता हूं।

आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए जैन विश्व भारती के सदस्यगण तथा तेरापंथ धर्मसंघ के दिवंगत हुए सभी श्रावक–श्राविकाओं को सादर श्रद्धाजंलि समर्पित करता हूं।

आभार ज्ञापन

जैन विश्व भारती का वार्षिक प्रतिवेदन संपन्न करने के साथ मैं उन सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने अपना अमूल्य समय और श्रम देकर संस्था की प्रवृत्तियों को सतत् उन्नत बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

मैं सर्वप्रथम जैन विश्व भारती के नवउन्मेष को उन्मुख अध्यक्ष श्री मनोज कुमार लूनिया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिनकी अभिनव व उन्नत सोच ने संस्था को दीर्घकालीन नीति से प्रेरित नवीन आयाम प्रदान किए। मुख्य न्यासी श्री टी. अमरचंद जैन के उल्लेखनीय सहयोग हेतु हार्दिक आभार। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चांदरतन दुगड़, उपाध्यक्ष श्री दौलत डागा, श्री अशोक चण्डालिया, श्री अमित कुमार नाहटा, श्री उत्तमचंद नाहटा, संयुक्त मंत्री श्री जीवनमल जैन (मालू), एवं श्री विजयराज आंचलिया हमारी विभिन्न प्रवृत्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे, सभी के प्रति हार्दिक आभार।

कोषाध्यक्ष श्री बिमलचंद भंडारी का लेखा संबंधी एवं संस्था के विभिन्न दैनिक कार्यों हेतु निरन्तर सहयोग मिलता रहा, एतदर्थ आभार। न्यासी श्री अनिल बैद, श्री कमल किशोर ललवानी, श्री पंकज पोरवाल, श्री नरपतसिंह चोरड़िया, श्री सुरेन्द्र कांकरिया, श्री गौरव जैन (मांडोत), श्री विजयसिंह डोसी, श्री इन्द्राजमल भूतोड़िया व श्री दर्शन बोहरा से समय–समय पर प्राप्त सहयोग व सहभागिता हेतु हार्दिक आभार। पंचमण्डल के सदस्यों श्री बी. रमेशचंद बोहरा, श्री किशनलाल डागलिया, श्री रणजीतसिंह कोठारी के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

परामर्शक मण्डल के सदस्यों के समय समय पर प्रदत्त मार्गदर्शन हेतु हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती की संचालिका समिति के सभी सदस्यों के सहयोग व सेवाओं हेतु हार्दिक आभार।

विमल विद्या विहार के संयोजक श्री चांदरतन दुगड़ महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल टमकोर के संयोजक श्री रणजीतसिंह कोठारी, सह संयोजक श्री अनिल बैद, श्री धनपत लूनिया, महाप्रज्ञ इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर के संयुक्त संयोजक श्री पन्नालाल पुगलिया, श्री गौरव जैन, श्री पंकज पोरवाल, समण संस्कृति संकाय के विभागाध्यक्ष श्री मालचंद बेगानी, संयोजक श्री गौतम डागा, श्री सुशील बाफना, प्रेक्षा फाउण्डेशन के विभागाध्यक्ष श्री अशोक चिंडालिया, आदर्श साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्री पुखराज बडोला, सह संयोजक श्री विजयराज आचंलिया, श्री उमेश सेठिया, शोध विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मदनचंद दुगड़, परिसर निर्माण एवं देख–रेख कार्य समिति के संयोजक श्री विजयसिंह डोसी, श्री जीवनमल जैन (मालू) , मीडिया एवं प्रचार प्रसार विभाग संयोजक श्री धरमचंद लुंकड़, जैन विश्व भारती एजुकेशनल एडवाइजरी समिति के सदस्य श्री चांदरतन दुगड़, श्री टी.अमरचंद लुंकड, श्री अरविन्द संचेती, श्री रणजीतसिंह कोठारी, श्री अशोक चिंडालिया, श्री गौरव जैन (मांडोत), डा. मनजीत जैन, डा. संजय जैन, समन्वय समिति के संयोजक प्रो. बच्छराज दुगड़, सह संयोजक श्री नौरतनमल दुगड़, श्री सुखराज सेठिया आदि ने जैन विश्व भारती की गतिविधियों को अपने श्रम, सहयोग एवं सहभागिता से गति प्रदान की है, एतदर्थ सभी के प्रति हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती परिसर स्थित सभी केन्द्रीय एवं स्थानीय संघीय संस्थाओं से प्राप्त सहयोग के लिए हार्दिक आभार।

जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों, इकाईयों, आयोजनों आदि में समाज के उदारमना महानुभावों ने मुक्तहस्त सहयोग प्रदान कर संस्था की विकास यात्रा को गति प्रदान की है। उन सभी अनुदानदाताओं के प्रति बहुत–बहुत आभार जिनके उल्लेखनीय सहयोग से संस्था ने विकास के नये पायदान पर आरोहण किया। जैन विश्व भारती के अंकेक्षक के रूप में एन. के. बोरड़ एण्ड कंपनी, जयपुर की सेवाओं हेतु हार्दिक धन्यवाद।

राजस्थान सरकार, नागौर जिला प्रशासन, नगरपालिका मण्डल, लाडनूं, स्थानीय प्रशासन, रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटी, लाडनूं

आभार ज्ञापन

के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों, लाडनूं की सभी संघीय एवं सामाजिक संस्थाओं एवं स्थानीय व्यक्तियों के सहयोग हेतु हार्दिक धन्यवाद। वर्तमान विधायक श्री मुकेश भाकर का समय–समय पर सहयोग प्राप्त रहा ,अतएव हार्दिक आभार। जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) परिवार के सहयोग हेतु आभार।

जैन विश्व भारती के मुख्य कार्यकारी श्री कमल धारेवा, कार्यालय सचिव डॉ. विजयश्री शर्मा का विभिन्न प्रवृत्तियों एवं व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। लेखा संबंधी कार्य में लेखा विभाग के प्रमुख श्री दिनेश सोनी, श्री जयप्रकाश सांखला एवं कार्यालय सहायक एवं सेवा केन्द्र व्यवस्थापक के रूप में श्री संजय बोथरा, कम्प्यूटर संबंधी कार्यों में श्री चांदरतन गोयल परिसर की व्यवस्थाओं में श्री सुशील मिश्रा, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री संपतराज खटेड, श्री भूराराम देवासी, भोजनशाला व स्वागत कक्ष संबंधी व्यवस्थाओं में श्रीमती प्रिया जैन, श्री अरविन्द चोपड़ा, भण्डार संबंधी कार्यों में श्री जोगेन्द्र सिंह सांखला, बिजली–पानी संबंधी व्यवस्थाओं में श्री भवानीशंकर आदि ने निष्ठापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन किया है। सभी कर्मीगण प्रदत्त दायित्व का निष्ठाभाव से निर्वहन करते हैं, जिनसे संस्था की गतिविधियों को गति प्राप्त होती है। सभी कर्मीगणों को कुशलतापूर्वक दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक धन्यवाद।

केन्द्र के साथ संवादों के संप्रेषण में श्री हेमन्त बैद, श्री नंदराम सिमार, श्री बबलू का भी निरन्तर सहयोग मिलता रहा, इस हेतु आभार। जैन विश्व भारती की सूचनाओं एवं समाचारों के संप्रेषण व्यवस्थित और नियमित रूप से करने हेतु स्थानीय सभी दैनिक समाचार पत्रों एवं अखिल भारतीय तेरापंथ टाईम्स, विज्ञप्ति, अणुव्रत आदि सभी संघीय एवं सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं के प्रति आभार। संस्कार चैनल व पारस चैनल पर सूचनाओं व कार्यक्रमों के प्रसारण में सहयोग हेतु अमृतवाणी के प्रति आभार। जैन विश्व भारती की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों की जानकारी सोशल मीडिया नेटवर्क संघ संवाद एवं जैन तेरापंथ न्यूज, एम.एम.बी.जी एवं अमर रहेगा धर्म हमारा के माध्यम से वृहद् रूप में प्रसारित करने हेतु दोनों टीमों को सहयोग हेतु आभार। जैन विश्व भारती की विविध गतिविधियों के समाचारों हेतु स्थानीय मीडियाकर्मियों का आभार।

जैन विश्व भारती सेवाकेन्द्र में विराजित मुनिवृंद की अपेक्षानुसार चिकित्सा में डॉ. विजयसिंह धोड़ावत पूर्ण जागरूकता के साथ अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. धोड़ावत की सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। मंगलम चिकित्सालय के पूरे प्रबंधन एवं डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की पूरी टीम के सहयोग एवं सेवाओं हेतु हार्दिक आभार। राजकीय चिकित्सालय के बी.सी.एम.ओ. डॉ. मूलचंद चौधरी व उनकी टीम के सहयोग हेतु हार्दिक आभार।

मैं उपर्युक्त सभी तथा ज्ञात–अज्ञात रूप से अनेक रूपों में सहयोगी समस्त महानुभावों एवं संपूर्ण श्रावक–श्राविका समाज को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं एवं आशा करता हूं कि जैन विश्व भारती को आप सबका सक्रिय सहयोग, सद्भावना एवं मार्गदर्शन निरन्तर मिलता रहेगा।

इस द्विवर्षीय कार्यकाल में जैन विश्व भारती की प्रत्येक प्रवृत्ति के विकास हेतु जो भी नवनिर्माण हुआ अथवा अन्य गतिविधिमूलक कार्य संपादित हुए, उसका समस्त श्रेय श्रावक समाज को जाता है। मैं तो मात्र एक पदाधिकारी के रूप में इन कार्यों को संपादित करने का एक माध्यम बना। पुनः मैं यही कहना चाहूंगा कि आप सभी के समन्वित प्रयास से संभव हुआ।

मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति में यदि कोई भी अविनय हुआ है अथवा कोई भूल रही हो तो मैं हृदय से क्षमाप्रार्थी हूं। आप सभी के प्रति हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ–

ओम अर्हम्
प्रमोद बैद
मंत्री

आय-व्यय विवरण
2021-22

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To the Members of Jain Vishva Bharati, Ladnun

Opinion

We have audited the financial statements of Jain Vishva Bharati, Ladnun, which comprise the Balance Sheet at March 31, 2022, the Statement of Income and Expenditure for the year then ended and notes to the financial statements including a summary of significant accounting policies.

In our opinion, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the trust as at March 31, 2022, and of its financial performance for the year then ended in accordance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the trust in accordance with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Responsibilities of Management and those charged with governance for the Financial Statements

Board of Trustees (Board) is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the aforesaid Accounting Standards and for such internal control as board determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, board is responsible for assessing the trust's ability to continue as a going concern, disclosing as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless board either intends to liquidate the trust or to cease operations or has no realistic alternative but to do so.

Those charged with governance are responsible for overseeing the trust's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risk of material misstatement of financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than from one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of trust's internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by the board.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on trust's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or if such disclosures are inadequate to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the trust to cease to continue as a going concern.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

For N.K. Borar & Co.
Chartered Accountants
FRN : 004844C

Place : Jaipur
Date : 19.08.2022

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

UDIN : 22073411APJNXC9619

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
Balance Sheet as at 31st March, 2022

Particulars	Note No.	As At 31st March 2022	As At 31st March 2021
I. EQUITY AND LIABILITIES			
(1) Capital Funds	3	37,56,23,158.00	32,21,23,158.00
(2) Reserves and Surplus	4	40,33,04,823.80	38,48,32,756.60
(3) Non-Current Liabilities			
(a) Long-term borrowings	-	-	-
(b) Deferred income	-	-	-
(c) Other Long term liabilities	5	4,35,455.00	3,93,226.00
(d) Long term provisions	-	-	-
(4) Current Liabilities			
(a) Short-term borrowings	-	-	-
(b) Trade payables	6	67,06,480.94	12,08,824.00
(c) Other current liabilities	7	35,94,246.05	30,98,021.20
(d) Short-term provisions	-	-	-
Total		**78,96,64,163.79**	**71,16,55,985.80**
ASSETS			
(1) Non-current assets			
(a) Property, Plant & Equipment	8	53,99,87,934.34	48,26,20,972.91
(b) Non-current investments	9	18,27,20,428.00	17,84,91,121.00
(c) Deferred tax assets (net)	-	-	-
(d) Long term loans and advances	10	9,14,290.75	8,11,791.75
(e) Other non-current assets	-	-	-
(2) Current Assets			
(a) Current investments	-	-	-
(b) Inventories	11	3,00,52,987.61	2,31,09,222.61
(c) Trade receivables	12	50,88,852.27	50,12,659.27
(d) Cash and cash equivalents	13	17,30,890.87	1,27,56,973.09
(e) Short-term loans and advances	14	1,23,31,437.75	28,16,028.52
(f) Other current assets	15	68,37,342.20	60,37,216.65
Total		**78,96,64,163.79**	**71,16,55,985.80**
OTHER NOTES AND SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	1-2, 21-22		

The accompanying notes are an integral part of the Financial Statements.

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Statement of Income and Expenditure for the year ended on 31st March, 2022

Particulars	Note No.	For the year ended 31st March 2022	For the year ended 31st March 2021
I. Revenue from Operations	16	3,48,45,497.07	2,62,83,152.49
II. Other Income	17	10,56,89,603.32	5,73,97,677.32
III. Total Income (I +II)		**14,05,35,100.39**	**8,36,80,829.81**
IV. Expenses:			
Employee benefit expenses	18	3,36,86,770.37	2,53,13,034.45
Changes in inventories	19	(69,48,555.00)	(24,44,233.00)
Depreciation and amortization expenses	8	1,26,47,058.00	1,10,55,189.00
Other expenses	20	7,45,37,047.823	79,08,798.77
IV. Total Expenditure		11,39,22,321.19	7,18,32,789.22
V. Surplus / (Deficit) for the period (III -IV)		**2,66,12,779.20**	**1,18,48,040.59**
OTHER NOTES AND SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	1-2, 21-22		

The accompanying notes are an integral part of the Financial Statements.

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN
NOTES FORMING PART OF FINANCIAL STATEMENTS AS AT 31 ST MARCH, 2022

Note: 1 SUMMARY OF SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1 Method of Accounting

Accounts are maintained on mercantile basis except as under:

(a) Bills of suppliers are adjusted only after being approved by the management irrespective of date of Purchase.

(b) Advance receipt of subscription in respect of Preksha Dhyan Patrika is shown as income in the year of its receipt.

1.2 Property, Plant & Equipment

Property, Plant & Equipment are shown at cost of acquisition or construction except in case of certain Property, Plant & Equipment which have been revalued are shown at the revalued amount less accumulated depreciation.

1.3 Depreciation and Amortization

Depreciation on Property, Plant & Equipment is provided on rates specified in Appendix I of Income tax rules, 1962 read with section 32 of Income Tax Act 1961 on written down values. The additional charge of depreciation on incremental value on account of revaluation is charged to revaluation reserve. However no Depreciation is provided on Manuscripts as in the opinion of the Management, the value of Manuscripts appreciates over a period of time.

1.4 Investments

Investments are stated at cost.

1.5 GST Input

GST Input available as per the provisions of GST Laws on inputs goods and services has been accounted for by reducing the cost of respective goods/service.

1.6 Closing Stock

Stocks at the year end are valued at Cost except Literature Publications which is valued at 40% of printed price as per practice followed by the Management since incorporation.

Note: 2 The figures have been rounded off to nearest rupee.

Note: 3 CAPITAL FUNDS

Particulars	As at 31st March 2022				As at 31st March 2021			
	Opening Balance	Additions during the year	Deduction	Closing Balance	Opening Balance	Additions during the year	Deduction	Closing Balance
(A) Corpus Funds / Specific Funds								
As per Note No. 3.1	16,83,05,973.00	25,00,000.00	-	17,08,05,973.00	16,83,00,973.00	5,000.00	-	16,83,05,973.00
	16,83,05,973.00	**25,00,000.00**	-	**17,08,05,973.00**	**16,83,00,973.00**	**5,000.00**	-	**16,83,05,973.00**
(B) Building Fund	15,20,67,185.00	5,10,00,000.00	-	20,30,67,185.00	14,95,67,185.00	25,00,000.00	-	15,20,67,185.00
	15,20,67,185.00	**5,10,00,000.00**	-	**20,30,67,185.00**	**14,95,67,185.00**	**25,00,000.00**	-	**15,20,67,185.00**
(C) CSR Corpus Fund	17,50,000.00	-	-	17,50,000.00	-	17,50,000.00	-	17,50,000.00
	17,50,000.00	-	-	**17,50,000.00**	-	**17,50,000.00**	-	**17,50,000.00**
Total Capital Funds			**Total (A+B+C)**		**37,56,23,158.00**			**32,21,23,158.00**

Note: 4 RESERVES & SURPLUS

Particulars		As at 31st March 2022	As at 31st March 2021
(A) General Fund			
Opening Balance		13,96,47,289.91	12,60,21,249.32
Add: Special Membership Fees Received		13,00,000.00	14,00,000.00
Add: Life Membership Fees Received		4,83,000.00	3,78,000.00
Add: Net Surplus/(Deficit) transferred from Statement of Income & Expenditure		2,66,12,779.20	1,18,48,040.59
Closing Balance	**Total (A)**	**16,80,43,069.11**	**13,96,47,289.91**
(B) Revaluation Reserve (On revaluation of Land & Building)			
Opening Balance		24,51,85,466.69	25,33,84,862.69
Less: Building Demolish (Jodhpur Mail) during the year		22,46,616.00	-
Less: Depriciation during the year		76,77,096.00	81,99,396.00
Closing Balance	**Total (B)**	**23,52,61,754.69**	**24,51,85,466.69**
Total Reserves & Surplus	**Total (A+B)**	**40,33,04,823.80**	**38,48,32,756.60**

Note: 5 OTHER LONG TERM LIABILITIES

Security Deposit (Payable)	4,35,455.00	3,93,226.00
Total Other Long Term Liabilities	**4,35,455.00**	**3,93,226.00**

Note: 6 TRADE PAYABLES

Sundry Creditors	67,06,480.94	12,08,824.00
Total Trade Payables	**67,06,480.94**	**12,08,824.00**

Note: 7 OTHER CURRENT LIABILITIES

Statutory Dues Payable	3,76,799.00	3,82,966.20
Temporary Book OD	21,937.05	-
Caution Money Payable	18,37,180.00	16,27,780.00
Advance Fee Received	7,58,727.00	2,06,171.00
Advance against Sale of Building Scrap	-	1,00,000.00
Advance against Sale of Literature	2,09,578.00	73,412.00
Advances for Room Booking	3,74,626.00	-
Advances for Awas, Electricity, Water & Maintinance	15,399.00	3,96,549.00
Staff Security Fund (Net of Investment of Fund in Fixed Deposits)	-	3,11,143.00
Total Other Current Liabilities	**35,94,246.05**	**30,98,021.20**

Note: 10 LONG TERM LOANS & ADVANCES

Particulars	As at 31st March 2022	As at 31st March 2021
Unsecured, considered good		
Security Deposit (Receivable)	9,14,290.75	8,11,791.75
Total Long Term Loans & Advances	**9,14,290.75**	**8,11,791.75**

Note: 11 INVENTORIES

Inventory at the end of the year		
(As taken, valued & certified by the management)		
Building Material	3,45,841.61	3,48,891.61
Sahitya	2,97,00,636.00	2,27,52,081.00
Gas Cylinder	6,510.00	8,250.00
Total Inventories	**3,00,52,987.61**	**2,31,09,222.61**

Note: 12TRADE RECEIVABLES

Unsecured, considered good		
Receivable for Electricity & Water	6,21,637.00	9,89,439.00
Receivable for Sahitya Sale 1,514,303.27	15,24,418.27	
Fees Receivable from Students	29,42,797.00	25,08,917.00
Total Trade Receivables	**50,88,852.27**	**50,12,659.27**

Note: 13 CASH AND CASH EQUIVALENTS

Balances with Banks				
In Current Accounts	51,47,804.64		13,85,975.73	
In Saving Accounts	61,81,914.34	1,13,29,718.98	1,09,61,526.47	1,23,47,502.20
Cash In Hand		4,01,171.89		4,09,470.89
Total Cash and Cash Equivalents		**11730,890.87**		**1,27,56,973.09**

Note: 14 SHORT TERM LOANS & ADVANCES

Advances Recoverable in cash or in kind or for value to be received (considered good unless otherwise stated)				
Advance to Staff	20,053.00		82,801.00	
Imprest to Staff	59,965.00		52,965.00	
Advance to Others	95,20,178.00	96,00,196.00	4,19,452.99	5,55,218.99
Balance with Revenue Authorities				
Tax Deducted and Collected at Source		10,74,841.09		17,43,771.19
GST Input Tax Credit		16,56,400.66		5,17,038.34
Total Short Term Loans & Advances		**1,23,31,437.75**		**28,16,028.52**

Note: 15 OTHER CURRENT ASSETS

Prepaid Expenses	1,99,328.00	2,29,370.00
Accrued Interest	66,38,014.20	58,07,846.65
Total Other Current Assets	**68,37,342.20**	**60,37,216.65**

Note: 16 REVENUE FROM OPERATIONS

Particulars	For the year ended 31st March 2022	For the year ended 31st March 2021
Sale of Sahitya	78,48,771.07	91,89,914.49
Fees Realised from Students		
(a) Term/ Tution Fees	2,03,74,306.00	1,44,79,230.00
(b) Other Fees	66,22,420.00	26,14,008.00
Total Revenue From Operations	**3,48,45,497.07**	**2,62,83,152.49**

Note:17 OTHER INCOME

Donations & Subscriptions Received				
General Donations	4,88,74,971.80		3,31,14,876.00	
FCRA Donation	2,23,62,067.29		40,01,145.85	
CSR Donation	1,01,25,000.00	8,13,62,039.09	26,00,000.00	3,97,16,021.85
Interest Received				
On FDRs & Bonds	1,65,27,466.09		1,40,81,209.10	
On Saving Bank Accounts	1,97,688.00		1,13,951.20	
On Auto Sweep	2,73,429.00		1,46,342.00	
On Income Tax Refund	85,410.90	1,70,83,993.99	12,509.00	1,43,54,011.30
Other Fees & Charges Realised				
Sadhana Shivir Fees	-		5,01,605.00	
Jain Vidya Karyashala Receipts	20,000.00		-	
Fess realised from Patients	-		15,835.00	
Preksha Foundation Income	42,360.00		2,37,800.00	
Center Fee	1,200.00		-	
Preksha Vahini Registration Fees	6,500.00		-	
Ordinary Camp Fees	7,22,120.00		-	
Online Competition Fee	26,700.00	8,18,880.00	-	7,55,240.00
Rent Received		25,41,446.60		16,22,631.05
Postage/Freight & Forwarding Charges		4,37,485.00	-	
Amount Received from State Govt. for RTE Students		5,37,500.00		5,07,318.00
Royalty Received		19,594.00		-
Profit on Sale of Property, Plant & Equipment		1,73,296.00		-
Miscellaneous Receipts		27,15,368.64		4,42,455.12
Total Other Income		**10,56,89,603.32**		**5,73,97,677.32**

Note:18 EMPLOYEE BENEFIT EXPENSES

Salary & Allowances	3,04,15,501.00	2,31,14,374.00
Contribution to EPF	13,18,983.00	10,36,847.00
Contribution to ESI	4,39,020.00	4,26,838.00
Staff Welfare Expenses	6,75,343.37	2,87,138.45
Contribution to Gratuity Fund	8,37,923.00	4,47,837.00
Total Employee Benefit Expenses	**3,36,86,770.37**	**2,53,13,034.45**

Note:19 CHANGE IN INVENTORIES OF SAHITYA AND MEDICINES

Particulars		For the year ended 31st March 2022		For the year ended 31st March 2021
Inventories at the end of the year				
Sahitya		2,97,00,636.00		2,27,52,081.00
		2,97,00,636.00		2,27,52,081.00
Inventories at the beginning of the year				
Sahitya		2,27,52,081.00		2,02,52,449.00
Homeo Medicines		-		55,399.00
		2,27,52,081.00		2,03,07,848.00
Total Changes in Inventories of Sahitya & Medicines		**(69,48,555.00)**		**(24,44,233.00)**

Note: 20 OTHER EXPENSES

Purchase/Publication of Sahitya		1,69,41,197.88		1,59,26,649.23
Purchase of Medicines		-		2,654.00
Packing & Forwarding Expense		7,64,357.42		16,27,427.27
Audit Fees & Expenses		68,620.00		72,225.00
Bank Charges		63,194.46		20,502.96
Entertainment & Function Expenses		25,50,862.58		7,35,782.99
Competition Expenses		3,83,879.16		1,18,776.84
Generator Running Expenses		4,36,303.77		2,06,913.59
Legal & Professional Expenses		1,89,626.70		77,901.00
Miscellaneous Expenses		3,59,529.34		19,06,165.01
Newspapers & Periodicals		4,814.00		5,259.00
Postage, Telegrams & Telephone Expenses		6,20,644.82		4,94,988.72
Internet & Website Expenses		4,42,871.50		1,10,671.00
Printing & Stationery Expenses		5,39,490.92		6,46,084.08
Repairs & Maintenance Expenses		1,65,62,716.04		13,54,493.86
Security Charges		13,67,804.00		2,95,518.00
Travelling & Conveyance Expenses		1,29,888.00		1,48,316.05
Vehicle Running & Maintenance Expenses		22,55,875.56		11,69,745.73
Water & Electricity Expenses		38,04,145.00		46,87,961.00
Insurance Premium		8,330.78		83,939.00
Garden & Campus Maintenance Expenses				
Garden & Campus Maintenance Expenses	1,05,72,717.23		20,98,607.50	
Cleaning Expenses	32,326.13	1,06,05,043.36	8,04.00	20,99,411.50
ISO Expenses		10,000.00		20,000.00
Tube Well Expenses (Net)		7,46,347.14		8,50,300.00
Shubham Bhojnalaya Expenses		-		4,607.00
Gautam Gyan Shala Expenses		1,15,905.00		1,54,956.67
Varsha Sanjay Guest House Expenses		9,21,373.02		13,49,035.34

Particulars		For the year ended 31st March 2022		For the year ended 31st March 2021
Contribution to Various Institutions				
For Corpus	1,00,00,000.00		-	
For General Purpose	3,14,000.00	1,03,14,000.00	23,39,790.00	23,39,790.00
Stamp Duty on Purchase of Bonds		32.00		74.00
Loss on Maturity of Bonds (Net)		1,84,610.00		-
Loss on Building Demolish (Jodhpur Mail)		13,22,671.00		-
Patrika Expenses		79,939.60		-
Preksha Foundation Expenses		-		5,686.00
Sadhana Misc. Expenses		1,75,979.10		-
Sadhana Shivir Expenses		3,95,487.73		3,54,669.65
Advertisement Expenses		6,16,291.00		37,770.00
Computer Expenses		1,91,448.00		93,472.00
Stall Expense		5,36,207.94		-
Software Expense		26,486.00		6,347.00
Expense Incurred for Needy Persons during Covid		52,378.00		-
Fixed Assets Discarded		-		1,32,573.00
Office Expenses		25,800.00		34,520.00
Interest on TDS Delay Deposit		60.00		6,246.00
Educational Expenses				
School Running Expenses	30,971.00		28,986.00	
Sport Fees & Expenses	-		10,000.00	
CBSE Expenses	2,35,287.00		-	
NCC Programme Expenses	2,106.00		1,310.00	
Books & Periodicals	13,042.00		18,887.00	
School Affiliation Fees & Expenses	1,50,000.00		2,50,987.00	
Teacher Training Expenses	568.00		10,000.00	
Examination Expenses	2,51,359.00		3,91,928.28	
Science Lab Expenses	39,504.00	7,22,837.00	15,268.00	7,27,366.28
Total Other Expenses		**7,45,37,047.82**		**3,79,08,798.77**

Note:21 ADDITIONAL INFORMATION TO THE FINANCIAL STATEMENTS

Particulars		As at 31st March 2022	As at 31st March 2021
21.1	**Capital commitments and contingent liability :**		
1.1	Estimated amount of unexecuted capital contracts (Net of advances and deposits)	Nil	Nil
1.2	Claims against the institute not acknowledged as debts	Nil	Nil

21.2 Balances of Current Liabilities, Current Assets, Loans and Advances, and other debit and credit balances are subject to confirmation. In the opinion of Management, all the current assets, loans and advances and Deposits given have a realizable value equal to the value stated in the books of accounts and accordingly they have been shown as good.

21.3 In the opinion of management, realizable value of each of the Property, Plant & Equipment of the institution is greater than the book value of each of the Property, Plant & Equipment, hence no impairment of the Asset has been recognized by the management at the year end.

21.4 The Organisation is registered under GST Act. Though due care has been taken to comply with the provisions of GST Act and Rules, however we have not checked the same in depth. The organisation is in the process of reconciliation of GST liability with income, input credit claimed and verifying the completeness, correctness and accuracy of the returns filed and reconciling the same with the financial records. The organisation may be liable for any tax, Interest, Late fees and penalty for non compliance if any found during the course of reconciliation which will be accounted for / paid after completion of reconciliation process. The organisation is therefore contingently liable for any tax, interest, late fees and penalty, if any, imposed by the department at the time of assessment.

21.5 The breakup of expenses in to various activities or departments has been done by the management.

21.6 Previous year figures have been regrouped/rearranged wherever necessary, to make them comparable with the figures of current year.

Note: 22 DISCLOSURES UNDER ACCOUNTING STANDARDS

22.1 Related Party Disclosures (As required under AS-18)
As defined in Accounting Standard 18, the institute has not entered into any related transactions during current year.

22.2 Deferred Tax(AS-22)
At present institute's income is exempt from levy of income tax as per the provisions of prevailing taxation laws. Accordingly, no provision for income tax/deferred tax is required.

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)	**(Manoj Kr. Lunia)**	**(Pramod Baid)**	**(Bimal Ch. Bhandari)**
Proprietor	President	Secretary	Treasurer
M. No. : 073411			

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

Note 3.1 of Corpus Funds / Specific Funds annexed to and forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

S.No.	Particulars 01.04.2021	Balance as on during the year (Rs)	Additions during the year (Rs)	Deduction 31.03.2022 (Rs)	Balance as on (Rs)
	Corpus / Specific Funds				
1	JVB Akshay Nidhi Kosh				
	J.V.B.A.N. Corpus Fund	50,00,000.00	25,00,000.00	-	75,00,000.00
		50,00,000.00	**25,00,000.00**	-	**75,00,000.00**
2	**Sahitya Akshay Nidhi Kosh**				
	S.A.N. Corpus Funds	55,00,000.00	-	-	55,00,000.00
		55,00,000.00	-	-	**55,00,000.00**
3	**Preksha Dhyan Akshay Nidhi Kosh**				
	P.D.A.N. (Tulsi Adhyatma Needam) Corpus Fund	33,70,000.00	-	-	33,70,000.00
	Prekshadhyan Life Membership Fees Fund	37,18,337.00	-	-	37,18,337.00
	Prekshadhyan Sanrakshak Fees Fund	2,82,954.00	-	-	2,82,954.00
		73,71,291.00	-	-	**73,71,291.00**
4	Jeevan Vigyan Akshay Nidhi Kosh				
	J.V.A.N. Corpus Funds	-	-	-	-
5	**Saman Sanskriti Sankay Akshay Nidhi Kosh**				
	S.S.S.A.N. Corpus Funds	40,00,000.00	-	-	40,00,000.00
	S.S.S. Samposak Fund	5,86,000.00	-	-	5,86,000.00
		45,86,000.00	-	-	**45,86,000.00**
6	**Shiksha Akshay Nidhi Kosh**				
	Indira Devi Sethia Scholarship Fund	50,000.00	-	-	50,000.00
	Jugal Kishor Saraogi Student Welafre Fund	51,000.00	-	-	51,000.00
	Kailashwati Bharat Singh Jain Student Scholarship	51,000.00	-	-	51,000.00
	Mahadev Lal Saraogi Student Welfare Fund	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00
	Rajendra Kumar Suneharidevi Scholarship Fund	2,00,000.00	-	-	2,00,000.00
	Siksha Akshay Nidhi Corpus Funds	49,87,704.00	-	-	49,87,704.00
	Scholarship Funds	29,78,000.00	-	-	29,78,000.00
	Vimal Vidhya Vihar Corpus Fund	21,46,100.00	-	-	21,46,100.00
	MIS Tamkore Corpus Fund	10,00,000.00	-	-	10,00,000.00
		1,15,63,804.00	-	-	**1,15,63,804.00**
7	**Other Kosh**				
	Akashya Kosh Fund	78,03,000.00	-	-	78,03,000.00
	Acharya Tulsi Akshay Nidhi Kosh (As per Note 3.1 (a))	8,20,46,130.00	-	-	8,20,46,130.00
	Amar Visarjan Fund	33,00,572.00	-	-	33,00,572.00
	Bhanwarlal Rankawari Devi Jain Vidhya Vikas Nidhi	75,11,000.00	-	-	75,11,000.00
	Bidasar Shodh Nidhi Fund	3,14,337.00	-	-	3,14,337.00
	Bhanwarlal Pugalia Foundation Fund	5,00,000.00	-	-	5,00,000.00
	Bheemraj Khemchand Sethia Charitable Trust	2,00,000.00	-	-	2,00,000.00
	Deepchand Manakchand Bhura Memorial Fund	1,21,000.00	-	-	1,21,000.00
	Development Fund	50,00,000.00	-	-	50,00,000.00
	Girish Bhagwat P.	50,000.00	-	-	50,000.00
	Gangashahar Residents Fund (For Yoga Lab.)	2,17,303.00	-	-	2,17,303.00
	Jan Seva Fund	51,000.00	-	-	51,000.00
	Kothari Seva Sadan Corpus Fund	5,00,000.00	-	-	5,00,000.00
	M.G. Sarogai Corpus Fund	51,00,000.00	-	-	51,00,000.00
	Pragya Puruskar Fund	5,00,000.00	-	-	5,00,000.00
	Preksha Health (9 Research Granth) Fund	5,50,000.00	-	-	5,50,000.00
	Sita Sarogi Seva Sansthan	3,00,000.00	-	-	3,00,000.00
	Sahitya & Shodh Fund	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00
	Surajmal Surana Charitable Trust Fund	7,00,000.00	-	-	7,00,000.00
	Shiksha Samposhan Corpus (For JVBI) (Donation in Kind)	95,47,792.00	-	-	95,47,792.00
	Sh. T Okchand & Sons	75,000.00	-	-	75,000.00
	Kesari Chand Jaisukhlal Sethia Charitable Trust	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00
	Other Corpus Funds	65,66,644.00	-	-	65,66,644.00
	P. B. Distributors Fund	1,00,000.00	-	-	1,00,000.00
	Rajasthan Patrika Fund	5,00,000.00	-	-	5,00,000.00
	Sangh Sampada Samvardhan Corpus Fund	18,00,000.00	-	-	18,00,000.00
	Santosh Industries	30,100.00	-	-	30,100.00
	Tola Ram Bhatudevi Dugar Fund	7,01,000.00	-	-	7,01,000.00
		13,42,84,878.00	-	-	**13,42,84,878.00**
	Total	**16,83,05,973.00**	**25,00,000.00**	-	**17,08,05,973.00**
	Figures of Previous year	**16,83,00,973.00**	**5,000.00**	-	**16,83,05,973.00**

JAIN VISHVA BHARATI , LADNUN

Note 3.1 (a) of Acharya Tulsi Akshay Nidhi Kosh annexed to and forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

S.No.	Prerana	Balance as on 01.04.2021 (Rs)	Amount received during the year (Rs)	Balance as on 31.03.2022 (Rs)
1	Padamchand Parasmal Bhutoria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
2	Gulab Chand Choraria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
3	Bhanwarlal Sharad Kumar Baid	11,00,000.00	-	11,00,000.00
4	Bijay Karan Anchalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
5	Bhikhamchand Pugalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
6	Pokarmal Chimanlal Bucha	11,00,000.00	-	11,00,000.00
7	Malchand Manik Chand Kochar	11,00,000.00	-	11,00,000.00
8	Jatan Lal Pugalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
9	Kamal Kishore Lalwani	11,00,000.00	-	11,00,000.00
10	Roop Chand Dugar	11,00,000.00	-	11,00,000.00
11	Manoj Lunia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
12	Prakash Pramod Baid	11,00,000.00	-	11,00,000.00
13	Kiran Devi Mahendra Kumar Anchalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
14	Nagraj Tater	11,00,000.00	-	11,00,000.00
15	Nauratanmal Sunilkumar Doshi	11,00,000.00	-	11,00,000.00
16	Pyarelal Pitalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
17	Madanlal Tater	11,00,000.00	-	11,00,000.00
18	Khemchand Rampuria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
19	Chandanmal Raijada	11,00,000.00	-	11,00,000.00
20	Shreechand Sanjay Chopra	11,00,000.00	-	11,00,000.00
21	Vinay Kumar Choraria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
22	Sumermal Daga	11,00,000.00	-	11,00,000.00
23	Noratanmal Surana	11,00,000.00	-	11,00,000.00
24	Tarachand Jatanlal Parasmal Rampuria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
25	Hanumanmal Madanchand Dugar (Johari)	11,00,000.00	-	11,00,000.00
26	Devendra Kumar Chetan Dugar	11,00,000.00	-	11,00,000.00
27	Babulal Bothra	11,00,000.00	-	11,00,000.00
28	Nirmal Kumar Dakalia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
29	Santosh Kumar Surendra Kumar Dugar	11,00,000.00	-	11,00,000.00
30	Manak Chand Nahata	11,00,000.00	-	11,00,000.00
31	Champa Lal, Amit Kumar Chopra	11,00,000.00	-	11,00,000.00
32	Babulal Sanjay Surana	11,00,000.00	-	11,00,000.00
33	Dhanpat Singh Dugar	11,00,000.00	-	11,00,000.00
34	Amolak Chand Sethia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
35	Punam Chand Jasraj Maloo	11,00,000.00	-	11,00,000.00
36	Prakash Chand Maloo	11,00,000.00	-	11,00,000.00
37	Omprakash Jalan	11,00,000.00	-	11,00,000.00
38	Ajay, Sanjay, Deepak Surana	11,00,000.00	-	11,00,000.00
39	Ramesh Chandra Bardia	11,00,000.00	-	11,00,000.00
40	Sumati Chand Gothi	11,00,000.00	-	11,00,000.00
41	Jain Vishva Bharti, North America (NJ)	11,00,000.00	-	11,00,000.00
42	Hukam Chand Choraria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
43	Shrichand Dilip Kumar Sanjay Kumar Bhutoria	11,00,000.00	-	11,00,000.00
44	Prakash Chand Kothari & Pushpa Kothari	3,09,46,130.00	-	3,09,46,130.00
45	Tara Chand, Dharam Chand Lunked	11,00,000.00	-	11,00,000.00
46	Rajendra Kumar Dabriwala	11,00,000.00	-	11,00,000.00
47	Kharag Singh Kanhaiya Lal Dudheria	5,00,000.00	-	5,00,000.00
48	Jiwanmal Jain (Malu)	11,00,000.00	-	11,00,000.00
	Total	**8,20,46,130.00**	-	**8,20,46,130.00**
	Figures of Previous year	**8,20,46,130.00**	-	**8,20,46,130.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (i) of Property, Plant & Equipment forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	**W.D.V as on 01.04.2021**	**Additions before 30.09.2021**	**Additions after 30.09.2021**	**Deduction during the year**	**Total as on 31st March, 2022**	**Charged to P&L A/c**	**Charged To Revaluation Reserve**	**Total**	**W D V as on 31.03.2022**
Land	1,98,63,596.81	-	-	-	1,98,63,596.81	-	-	-	1,98,63,596.81
Roads	16,39,979.40	-	-	-	16,39,979.40	81,999.00	-	81,999.00	15,57,980.40
Electric Pole	1,58,519.00	-	-	-	1,58,519.00	7,926.00	-	7,926.00	1,50,593.00
Solar Light with Pillar	4,30,029.00	-	-	-	4,30,029.00	21,501.00	-	21,501.00	4,08,528.00
Buildings									
General	19,63,36,525.58	-	-	43,20,287.00	19,20,16,238.58	26,52,789.00	69,48,023.00	96,00,812.00	18,24,15,426.58
Furniture & Fixtures									
General	25,52,617.92	26,400.00	6,76,828.02	-	32,55,845.94	2,91,743.00	-	2,91,743.00	29,64,102.94
Social Science, Philosophy & Research Department	1,626.00	-	-	-	1,626.00	163.00	-	163.00	1,463.00
Office Equipments									
General	16,88,502.44	1,70,000.00	1,90,056.00	-	20,48,558.44	3,19,015.00	-	3,19,015.00	17,29,543.44
Light Water Fittings	39,044.50	-	-	-	39,044.50	5,857.00	-	5,857.00	33,187.50
Vehicles	14,85,754.00	-	-	-	14,85,754.00	3,97,327.00	-	3,97,327.00	10,88,427.00
Tools & Machinery	4,42,315.54	12,651.85	62,610.93	-	5,17,578.32	72,941.00	-	72,941.00	4,44,637.32
Audio Visual Equipments	30,451.00	-	3,68,565.82	-	3,99,016.82	32,210.00	-	32,210.00	3,66,806.82
Tubewell	5,33,801.25	-	-	-	5,33,801.25	26,691.00	-	26,691.00	5,07,110.25
Generator Set	5,71,789.00	-	-	-	5,71,789.00	85,768.00	-	85,768.00	4,86,021.00
Elevator	1,36,246.00	-	-	-	1,36,246.00	20,437.00	-	20,437.00	1,15,809.00
Social Science Laboratory Equipment	332.00	-	-	-	332.00	50.00	-	50.00	282.00
Tulsi Mahapragya Manav Kalyan Kendra, Bidasar Medical Equipments	4,241.37	-	-	-	4,241.37	636.00	-	636.00	3,605.37
Manuscripts	58,528.00	-	-	-	58,528.00	-	-	-	58,528.00
Capital Work In Progress									
Boundary Wall	-	-	270,500.00	-	2,70,500.00	-	-	-	2,70,500.00
Rasayan (Hall)	-	-	68,50,544.16	-	68,50,544.16	-	-	-	68,50,544.16
Mahashraman Vihar	-	1,82,91,160.40	2,38,39,368.34	-	4,21,30,528.74	-	-	-	4,21,30,528.74
Total	**22,59,73,898.81**	**1,85,00,212.25**	**3,22,58,473.27**	**43,20,287.00**	**27,24,12,297.33**	**40,17,053.00**	**69,48,023.00**	**1,09,65,076.00**	**26,14,47,221.33**
Previous Year Figures	**23,68,42,729.89**	**22,520.00**	**14,92,249.60**	**5,72,126.68**	**23,77,85,372.81**	**43,79,523.00**	**74,31,951.00**	**1,18,11,474.00**	**22,59,73,898.81**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (ii) of Property, Plant & Equipment of Vimal Vidya Vihar, Ladnun forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	**W.D.V as on 01.04.2021**	**Additions before 30.09.2021**	**Additions after 30.09.2021**	**Deduction during the year**	**Total as on 31st March, 2022**	**Charged to P&L A/c**	**Charged To Revaluation Reserve**	**Total**	**W D V as on 31.03.2022**
General Building									
Building Extension	1,57,68,848.00	-	-	-	1,57,68,848.00	3,14,198.00	4,74,244.00	7,88,442.00	1,49,80,406.00
Water Tank (Building)	3,04,095.00	-	-	-	304,095.00	15,205.00	-	15,205.00	2,88,890.00
Saftey Tank	84,536.00	-	-	-	84,536.00	4,227.00	-	4,227.00	80,309.00
Furniture & Fixtures									
Chhatravas Furniture	5,377.00	-	-	-	5,377.00	538.00	-	538.00	4,839.00
Furniture & Fixtures	11,74,175.87	-	-	-	11,74,175.87	1,17,418.00	-	1,17,418.00	10,56,757.87
Office Equipment & Others									
Air Conditioner	2,871.00	-	-	-	2,871.00	431.00	-	431.00	2,440.00
Bartan Kharid	1,246.00	-	-	-	1,246.00	125.00	-	125.00	1,121.00
CCTV Camera	1,19,380.00	-	54,000.00	-	1,73,380.00	21,957.00	-	21,957.00	1,51,423.00
Chhatravas Utensils	838.00	-	-	-	838.00	84.00	-	84.00	754.00
Cooler	3,982.00	-	-	-	3,982.00	597.00	-	597.00	3,385.00
Computer	1,18,448.00	-	12,43,000.00	-	13,61,448.00	2,95,979.00	-	2,95,979.00	10,65,469.00
Cutter Machine	296.00	-	-	-	296.00	44.00	-	44.00	252.00
Darshya Sarvya Upkaran	315.00	-	-	-	315.00	47.00	-	47.00	268.00
Electrex Blower	200.00	-	-	-	200.00	30.00	-	30.00	170.00
EPBX	12,280.00	-	-	-	12,280.00	1,842.00	-	1,842.00	10,438.00
Exice Battery	265.00	-	-	-	265.00	106.00	-	106.00	159.00
Fan	45,208.00	-	-	-	45,208.00	6,781.00	-	6,781.00	38,427.00
Machinery	721.00	-	-	-	721.00	108.00	-	108.00	613.00
Microtex UPS	103.00	-	-	-	103.00	41.00	-	41.00	62.00
Mobile Phone	1,206.00	-	-	-	1,206.00	181.00	-	181.00	1,025.00
Xerox Machine	14,194.00	-	-	-	14,194.00	2,129.00	-	2,129.00	12,065.00
Celling Fan	-	-	6,254.00	-	6,254.00	469.00	-	469.00	5,785.00
Wall Fan	-	-	16,320.00	-	16,320.00	1,224.00	-	1,224.00	15,096.00
Invertor	-	-	33,200.00	-	33,200.00	2,490.00	-	2,490.00	30,710.00
Sound System	23,692.00	-	-	-	23,692.00	3,554.00	-	3,554.00	20,138.00
Sports Equipment	81,735.00	-	-	-	81,735.00	12,260.00	-	12,260.00	69,475.00
UPS Double Battery Backup	41.00	-	-	-	41.00	16.00	-	16.00	25.00
Water Cooler	98,426.00	-	-	-	98,426.00	14,764.00	-	14,764.00	83,662.00
Music Instruments	2,371.00	-	-	-	2,371.00	356.00	-	356.00	2,015.00
Off Line UPS	1.00	-	-	-	1.00	-	-	-	1.00
Photo Copy Machinery	1,213.00	-	-	-	1,213.00	182.00	-	182.00	1,031.00
Play Group Toys	38,196.00	-	-	-	38,196.00	5,729.00	-	5,729.00	32,467.00
Printer	5,760.00	-	-	-	5,760.00	2,304.00	-	2,304.00	3,456.00
Risograph	11,355.00	-	-	-	11,355.00	1,703.00	-	1,703.00	9,652.00
Refrigerator	12,950.00	-	-	-	12,950.00	1,943.00	-	1,943.00	11,007.00
Vehicles									
Bus	4,200.00	-	-	4,200.00	-	-	-	-	-
Bus (RJ-37 PA 0282)	4,638.00	-	-	-	4,638.00	1,391.00	-	1,391.00	3,247.00
Bus (RJ-37 PA 0896)	13,460.00	-	-	-	13,460.00	4,038.00	-	4,038.00	9,422.00
Bus (RJ-37 PA 1311)	54,054.00	-	-	-	54,054.00	16,216.00	-	16,216.00	37,838.00
Bus (RJ-37 PA 2383)	2,37,699.00	-	-	-	2,37,699.00	71,310.00	-	71,310.00	1,66,389.00
Car (RJ-37 UA 1301)	1,45,251.00	-	-		1,45,251.00	21,788.00	-	21,788.00	1,23,463.00
Water Purifier									
Water Treatment Plant	14,684.00	-	-	-	14,684.00	2,203.00	-	2,203.00	12,481.00
Polycon Water Tank	38,685.00	-	-	-	38,685.00	5,803.00	-	5,803.00	32,882.00
Water Pump	12,132.00	-	-	-	12,132.00	1,820.00	-	1,820.00	10,312.00
Water Purifier	14,670.00	-	-	-	14,670.00	2,201.00	-	2,201.00	12,469.00
Software									
Computer Software	6,385.00	-	-	-	6,385.00	2,554.00	-	2,554.00	3,831.00
Books									
Library Books	6,808.00	-	-	-	6,808.00	2,723.00	-	2,723.00	4,085.00
Audio Visual Equipments									
LED TV	27,734.00	-	-	-	27,734.00	4,160.00	-	4,160.00	23,574.00
Sharp Projector	5,634.00	-	-	-	5,634.00	845.00	-	845.00	4,789.00
CD/DVD Player	357.00	-	-	-	357.00	54.00	-	54.00	303.00
Laboratory Equipments									
Science Lab Euipments	49,778.00	-	-	-	49,778.00	7,467.00	-	7,467.00	42,311.00
Total	**1,85,70,493.87**	**-**	**13,52,774.00**	**4,200.00**	**1,99,19,067.87**	**9,73,635.00**	**4,74,244.00**	**14,47,879.00**	**1,84,71,188.87**
Previous Year Figures	**1,97,30,089.87**	**1,70,883.00**	**14,000.00**	**-**	**1,99,14,972.87**	**8,45,275.00**	**4,99,204.00**	**13,44,479.00**	**1,85,70,493.87**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (iii) of Property, Plant & Equipment of Mahapragya Inetrnational School, Jaipur forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	W.D.V as on 01.04.2021	Additions before 30.09.2021	Additions after 30.09.2021	Deduction during the year	Total as on 31st March, 2022	Charged to P&L A/c	Charged To Revaluation Reserve	Total	W D V as on 31.03.2022
Land									
Land	9,19,14,567.00	-	-	-	9,19,14,567.00	-	-	-	9,19,14,567.00
General Building									
Building	1,68,98,795.40	-	1,58,14,316.12	-	3,27,13,111.52	9,85,469.00	2,54,829.00	12,40,298.00	3,14,72,813.52
Sports Ground	9,58,829.00	-	-	-	9,58,829.00	47,941.00	-	47,941.00	9,10,888.00
Office Equipment & Others									
Air Condioners	1,77,857.00	-	1,88,500.00	-	3,66,357.00	40,816.00	-	40,816.00	3,25,541.00
Computer	1,91,175.00	-	4,69,345.00	-	6,60,520.00	1,70,339.00	-	1,70,339.00	4,90,181.00
Cooler	1,054.00	-	-	-	1,054.00	158.00	-	158.00	896.00
Emergency Light	246.00	-	-	-	246.00	37.00	-	37.00	209.00
Electric Equipment	8,072.00	-	-	-	8,072.00	1,211.00	-	1,211.00	6,861.00
Fan	51,358.01	59,400.00	-	-	1,10,758.01	16,614.00	-	16,614.00	94,144.01
Furniture & Fixtures	9,09,852.00	-	13,59,178.00	-	22,69,030.00	1,58,944.00	-	1,58,944.00	21,10,086.00
Fire Extinguisher	1,338.00	-	-	-	1,338.00	201.00	-	201.00	1,137.00
Water Cooler	21,151.00	-	1,25,001.00	-	1,46,152.00	12,548.00	-	12,548.00	1,33,604.00
Boring Machine	13,037.00	-	-	-	13,037.00	1,956.00	-	1,956.00	11,081.00
Smart Class Room	60,619.00	-	8,13,340.00	-	8,73,959.00	1,86,916.00	-	1,86,916.00	6,87,043.00
Smart TV/Board	-	-	4,20,000.00	-	4,20,000.00	31,500.00	-	31,500.00	3,88,500.00
Inverter	-	-	1,03,000.00	-	1,03,000.00	7,725.00	-	7,725.00	95,275.00
Online Finger Print Machine	5,823.00	-	-	-	5,823.00	873.00	-	873.00	4,950.00
Sports Equipment	33,901.00	-	25,656.00	-	59,557.00	7,009.00	-	7,009.00	52,548.00
Grass Cutter	1,842.00	-	-	-	1,842.00	276.00	-	276.00	1,566.00
Telephone	1,069.00	-	-	-	1,069.00	160.00	-	160.00	909.00
Fire Fighting Equipment	1,28,280.00	-	-	-	1,28,280.00	19,242.00	-	19,242.00	1,09,038.00
Camera System	79,160.00	-	-	-	79,160.00	11,874.00	-	11,874.00	67,286.00
Photo State Machine	10,898.00	-	-	-	10,898.00	1,635.00	-	1,635.00	9,263.00
Security Systems	58,777.00	-	-	-	58,777.00	8,817.00	-	8,817.00	49,960.00
Vehicles									
Vehicle Tata Ace 1	3,483.00	-	-	-	3,483.00	1,045.00	-	1,045.00	2,438.00
Vehicle Tata Ace 2	3,504.00	-	-	3,504.00	-	-	-	-	-
Audio Visual Equipments									
Musical Instruments	54,506.00	-	-	-	54,506.00	8,176.00	-	8,176.00	46,330.00
TV/DVD Player and Projector	22,027.00	-	-	-	22,027.00	3,304.00	-	3,304.00	18,723.00
Laboratory Equipments									
Science Lab Items	86,089.00	-	-	-	86,089.00	12,913.00	-	12,913.00	73,176.00
Software									
Software	21,806.00	-	-	-	21,806.00	8,723.00	-	8,723.00	13,083.00
Books									
Books	16,350.00	-	1,787.00	-	18,137.00	6,897.00	-	6,897.00	11,240.00
Toys									
Toys	73,769.00	-	64,675.00	-	1,38,444.00	15,916.00	-	15,916.00	1,22,528.00
Water Purifier									
Water Sensor	2,271.00	-	-	-	2,271.00	341.00	-	341.00	1,930.00
Water Purifier	6,233.00	-	-	-	6,233.00	935.00	-	935.00	5,298.00
Water Tank	32,429.00	-	-	-	32,429.00	3,243.00	-	3,243.00	29,186.00
Capital Work in Progress									
Building Under Construction	1,11,00,000.00	1,00,000.00	46,14,316.12	1,58,14,316.12	-	-	-	-	-
Total	**12,29,50,167.41**	**1,59,400.00**	**2,39,99,114.24**	**1,58,17,820.12**	**13,12,90,861.53**	**17,73,754.00**	**2,54,829.00**	**20,28,583.00**	**12,92,62,278.53**
Previous Year	**12,18,39,053.41**	**9,00,000.00**	**16,00,000.00**	-	**12,43,39,053.41**	**11,20,645.00**	**2,68,241.00**	**13,88,886.00**	**12,29,50,167.41**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (iv) of Property, Plant & Equipment of Mahapragya Inetrnational School, Tamkor forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

Particular	W.D.V as on 01.04.2021	Additions before 30.09.2021	Additions after 30.09.2021	Deduction during the year	Total as on 31st March, 2022	Depreciation for the year	W D V as on 31.03.2022
General Building							
Building	3,93,26,510.00	-	3,00,160.00	-	3,96,26,670.00	19,73,830.00	3,76,52,840.00
Water Tank	1,81,384.00	-	-	-	1,81,384.00	9,069.00	1,72,315.00
Furniture & Fixtures							
Furniture & Fixtures	4,26,922.00	-	-	-	4,26,922.00	42,692.00	3,84,230.00
Office Equipment & Others							
Computer	158.00	-	11,64,422.00	-	11,64,580.00	2,32,948.00	9,31,632.00
CCTV Camera	27,299.00	-	56,000.00	-	83,299.00	8,295.00	75,004.00
Fire Extinguisher	3,408.00	-	-	-	3,408.00	511.00	2,897.00
Cooler	1,476.00	-	-	-	1,476.00	221.00	1,255.00
Fan	30,274.00	-	-	-	30,274.00	4,541.00	25,733.00
Air Conditioner	74,010.00	-	-	-	74,010.00	11,102.00	62,908.00
Steel Utensils	1,116.00	-	-	-	1,116.00	112.00	1,004.00
Cycle	1,553.00	-	-	-	1,553.00	233.00	1,320.00
Invertor	71,266.00	-	-	-	71,266.00	10,690.00	60,576.00
Grass Cutting Machine	12,043.00	-	-	-	12,043.00	1,806.00	10,237.00
Other Equipments	5,603.00	-	-	-	5,603.00	840.00	4,763.00
Projector	6,283.00	-	-	-	6,283.00	942.00	5,341.00
R. O. Plant	1,23,823.00	-	-	-	1,23,823.00	18,573.00	1,05,250.00
Sports Equipments	43,568.00	-	-	-	43,568.00	6,535.00	37,033.00
Water Motor	26,215.00	-	5,500.00	-	31,715.00	4,345.00	27,370.00
Solar Plant	3,51,000.00	-	-	-	3,51,000.00	1,40,400.00	2,10,600.00
Printer	-	-	15,500.00	-	15,500.00	1,163.00	14,337.00
Submersible Pump	-	-	29,395.00	-	29,395.00	735.00	28,660.00
Vehicles							
School Bus	12,49,644.00	-	-	-	12,49,644.00	3,74,893.00	8,74,751.00
Van	1,00,439.00	-	-	-	1,00,439.00	15,066.00	85,373.00
Motor Cycle	25,542.00	-	-	-	25,542.00	3,831.00	21,711.00
Software							
Computer Software	191.00	-	-	-	191.00	76.00	115.00
Laboratory Equipments							
Science lab equipments	60,272.00	-	-	-	60,272.00	9,041.00	51,231.00
Audio Visual Equipments							
Smart Board	2,50,253.00	-	-	-	2,50,253.00	1,00,101.00	1,50,152.00
Books							
Library Books	1,357.00	-	-	-	1,357.00	543.00	814.00
Total	**4,24,01,609.00**	-	**15,70,977.00**	-	**4,39,72,586.00**	**29,73,134.00**	**4,09,99,452.00**
Previous Year	**4,38,69,208.00**	-	**15,30,080.00**	-	**4,53,99,288.00**	**29,97,679.00**	**4,24,01,609.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (v) of Property, Plant & Equipment of Sahitya forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	W.D.V as on 01.04.2021	Additions before 30.09.2021	Additions after 30.09.2021	Deduction during the year	Total as on 31st March, 2022	Charged to P&L A/c	Charged To Revaluation Reserve	Total	W D V as on 31.03.2022
Furniture & Fixtures									
General	-	51,743.00	-	-	51,743.00	5,174.00	-	5,174.00	46,569.00
Office Equipment & Others									
Computer	1,56,620.46	-	1,42,103.00	-	2,98,723.46	91,069.00	-	91,069.00	2,07,654.46
Printer	-	13,799.99	25,600.01	-	39,400.00	3,990.00	-	3,990.00	35,410.00
Stand Scanner	37,199.99	-	-	-	37,199.99	5,580.00	-	5,580.00	31,619.99
Mobile	-	-	17,000.00	-	17,000.00	1,275.00	-	1,275.00	15,725.00
Weight Scale	4,625.00	-	-	-	4,625.00	694.00	-	694.00	3,931.00
Generator	-	-	30,500.06	-	30,500.06	2,288.00	-	2,288.00	28,212.06
Nimibind Glue Binding Machine	-	70,682.00	-	-	70,682.00	10,602.00	-	10,602.00	60,080.00
E-Library Books	31,69,226.78	-	-	-	31,69,226.78	-	-	-	31,69,226.78
Capital Work in Progress									
Sahitya Sadnam	-	-	1,37,69,509.54	-	1,37,69,509.54	-	-	-	1,37,69,509.54
Total	**33,67,672.23**	**1,36,224.99**	**1,39,84,712.61**	-	**1,74,88,609.83**	**1,20,672.00**	-	**1,20,672.00**	**1,73,67,937.83**
Previous Year	**26,68,249.78**	**5,00,977.00**	**2,47,275.45**	-	**34,16,502.23**	**48,830.00**	-	**48,830.00**	**33,67,672.23**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (vi) of Property, Plant & Equipment of Saman Sanskriti Sankay forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	W.D.V as on 01.04.2021	Additions before 30.09.2021	Additions after 30.09.2021	Deduction during the year	Total as on 31st March, 2022	Charged to P&L A/c	Charged To Revaluation Reserve	Total	W D V as on 31.03.2022
Furniture & Fixtures									
Furniture & Fixtures	-	-	2,08,663.98	-	2,08,663.98	10,433.00	-	10,433.00	1,98,230.98
Office Equipment & Others									
Computer	21,516.00	-	50,400.16	-	71,916.16	18,686.00	-	18,686.00	53,230.16
Laptop	-	-	42,400.00	-	42,400.00	8,480.00	-	8,480.00	33,920.00
Air Condioners	44,101.00	-	-	-	44,101.00	6,615.00	-	6,615.00	37,486.00
Fan	-	-	5,046.00	-	5,046.00	378.00	-	378.00	4,668.00
Inverter	-	33,299.97	-	-	33,299.97	4,995.00	-	4,995.00	28,304.97
Total	**65,617.00**	**33,299.97**	**3,06,510.14**	-	**4,05,427.11**	**49,587.00**	-	**49,587.00**	**3,55,840.11**
Previous Year	**62,246.00**	-	**16,950.00**	-	**79,196.00**	**13,579.00**	-	**13,579.00**	**65,617.00**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 8 (vii) of Property, Plant & Equipment of Preksha Dhyan forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

						Depreciation for the year			
Particular	W.D.V as on 01.04.2021	Additions before 30.09.2021	Additions after 30.09.2021	Deduction during the year	Total as on 31st March, 2022	Charged to P&L A/c	Charged To Revaluation Reserve	Total	W D V as on 31.03.2022
Buildings									
Meditation Hall	3,06,49,258.13	-	-	-	3,06,49,258.13	15,32,463.00	-	15,32,463.00	2,91,16,795.13
Anand Nilay	-	-	4,34,34,493.58	-	4,34,34,493.58	10,85,862.00	-	10,85,862.00	4,23,48,631.58
Furniture & Fixtures									
Furniture & Fixtures	12,992.10	-	-	-	12,992.10	1,299.00	-	1,299.00	11,693.10
Office Equipment & Others									
Laptops	-	42,499.98	-	-	42,499.98	17,000.00	-	17,000.00	25,499.98
Air Condioners	3,98,281.24	-	-	-	3,98,281.24	59,742.00	-	59,742.00	3,38,539.24
Utensils	46,215.39	-	-	-	46,215.39	6,932.00	-	6,932.00	39,283.39
Audio Visual Equipments									
Audio Video Equipment	1,19,248.25	-	-	-	1,19,248.25	17,887.00	-	17,887.00	1,01,361.25
TV,DVD Player and Projector	1,20,250.00	-	-	-	1,20,250.00	18,038.00	-	18,038.00	1,02,212.00
Capital Work In Progress									
Meditation Hall (Anand Nilay)	3,79,45,269.48	4,61,300.00	50,27,924.10	4,34,34,493.58	-	-	-	-	-
Total	**6,92,91,514.59**	**5,03,799.98**	**4,84,62,417.68**	**4,34,34,493.58**	**7,48,23,238.67**	**27,39,223.00**	-	**27,39,223.00**	**7,20,84,015.67**
Previous Year	**6,64,48,711.43**	**43,47,450.07**	**1,45,011.09**	-	**7,09,41,172.59**	**16,49,658.00**	-	**16,49,658.00**	**6,92,91,514.59**

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 9 of Investments annexed to and forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

		As on 31st March 2022								
Previous Year figures	Particulars	Maturity Dates	For Sahitya (Rs)	For Preksha Dhyan (Rs)	For Samaan Sanskriti Sankay (Rs)	For Other Corpus / Specific Fund (Rs)	For Mahaprangya International School, Jaipur (Rs)	For Mahaprangya International School, Tamkor (Rs)	For Vimal Vidhya Vihar School (Rs)	Total (Rs)
	A) Fixed Deposit With Companies / Post Office									
10,00,000.00	PNB Housing Finance Limited (6.88%)	3-Jun-25	-	-	-	10,00,000.00	-	-	-	10,00,000.00
99,00,000.00	PNB Housing Finance Limited (8.20%)	17-Apr-23	-	-	-	99,00,000.00	-	-	-	99,00,000.00
1,09,00,000.00	**Sub Total A**		-	-	-	1,09,00,000.00	-	-	-	1,09,00,000.00
	B) Fixed Deposits/Bonds with Scheduled Banks									
5,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	3-Mar-24	5,00,000.00	-	-	-	-	-	-	5,00,000.00
20,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	29-Mar-24	20,00,000.00	-	-	-	-	-	-	20,00,000.00
25,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.75%)	11-Jul-23	25,00,000.00	-	-	-	-	-	-	25,00,000.00
20,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	29-Mar-24	-	20,00,000.00	-	-	-	-	-	20,00,000.00
5,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.50%)	22-Sep-21	-	-	-	-	-	-	-	-
10,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	24-Mar-24	-	10,00,077.00	-	-	-	-	-	10,00,077.00
1,56,539.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.1%)	9-Jul-22	-	1,64,382.00	-	-	-	-	-	1,64,382.00
5,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.25%)	2-Mar-22	-	-	-	-	-	-	-	-
20,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	29-Mar-24	-	-	2000,000.00	-	-	-	-	20,00,000.00
5,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.50%)	22-Sep-21	-	-	-	-	-	-	-	-
71,426.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.1%)	9-Jul-22	-	-	-	75,250.00	-	-	-	75,250.00
17,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.1%)	29-Nov-22	-	-	-	17,00,000.00	-	-	-	17,00,000.00
6,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.00%)	1-Oct-23	-	-	-	6,00,000.00	-	-	-	6,00,000.00
8,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	29-Mar-24	-	-	-	8,00,000.00	-	-	-	8,00,000.00
4,26,361.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.25%)	17-Jul-22	-	-	-	-	-	-	4,26,361.00	4,26,361.00
3,30,845.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.25%)	13-May-22	-	-	-	-	-	-	3,30,845.00	3,30,845.00
1,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.30%)	1-Jul-23	-	-	-	-	-	-	1,00,000.00	1,00,000.00
2,50,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.75%)	4-Feb-22	-	-	-	-	-	-	-	-
7,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.25%)	17-Jun-22	-	-	-	-	-	-	7,00,000.00	7,00,000.00
5,03,943.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.25%)	9-Jul-21	-	-	-	-	-	-	-	-
5,22,082.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.10%)	3-Jun-23	-	-	-	-	-	-	5,88,052.00	5,88,052.00
4,48,426.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.85%)	3-Jul-21	-	-	-	-	-	-	-	-
43,012.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.20%)	22-Feb-23	-	-	-	-	-	-	43,012.00	43,012.00
11,06,895.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.25%)	30-Jun-24	-	-	-	-	-	-	11,06,980.00	11,06,980.00
11,42,596.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.25%)	9-Jul-21	-	-	-	-	-	-	-	-
5,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	10-Mar-24	-	-	-	-	-	-	5,00,000.00	5,00,000.00
8,72,935.00	Punjab National Bank, Ladnun (5%)	2-Mar-24	-	-	-	-	-	-	8,73,001.00	8,73,001.00
21,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.20%)	26-Jul-22	-	-	-	-	-	-	21,00,000.00	21,00,000.00
28,12,950.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.1%)	18-May-23	-	-	-	-	-	-	31,68,413.00	31,68,413.00
10,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (5.80%)	20-Apr-22	-	-	-	-	-	-	10,00,000.00	10,00,000.00
-	Punjab National Bank, Ladnun (3.25%)	16-May-22	-	-	-	-	-	-	23,00,000.00	23,00,000.00
12,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (6.75%)	14-Jun-23	-	-	-	12,00,000.00	-	-	-	12,00,000.00
20,00,000.00	Punjab National Bank, Ladnun (4.00%)	30-Jun-21	-	-	-	-	-	-	-	-
-	Punjab National Bank, Ladnun (6.75%)	24-May-23	-	-	-	22,000.00	-	-	-	22,000.00
-	Punjab National Bank, Ladnun (5.1%)	29-Nov-22	-	-	-	8,00,000.00	-	-	-	8,00,000.00
-	Punjab National Bank, Ladnun (6.75%)	24-May-23	-	-	-	29,147.00	-	-	-	29,147.00
-	Punjab National Bank, Ladnun (5.80%)	20-Apr-22	-	-	-	4,15,000.00	-	-	-	4,15,000.00
-	Punjab National Bank, Ladnun (5.00%)	1-Oct-23	-	-	-	6,00,000.00	-	-	-	6,00,000.00
1,28,583.00	Karur Vysya Bank (5.65%)	15-Feb-24	-	-	-	-	1,28,583.00	-	-	1,28,583.00

JAIN VISHVA BHARATI, LADNUN

Note 9 of Investments annexed to and forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2022

		As on 31st March 2022								
Previous Year figures	Particulars	Maturity Dates	For Sahitya (Rs)	For Preksha Dhyan (Rs)	For Saman Sanskrit Sankay (Rs)	For Other Corpus Specific Fund (Rs)	For Mahapragya International School, Jaipur (Rs)	For Mahapragya International School, Tanakor (Rs)	For Vimal Vidhya Vihar School (Rs)	Total (Rs)
4,19,943.00	Bank of Baroda (5.70%)	27-Apr-22	-	-	-	-	-	4,42,665.00	-	4,42,665.00
10,00,000.00	Bank of Baroda (4.90%)	30-Mar-22	-	-	-	-	-	10,00,000.00	-	10,00,000.00
11,00,000.00	Bank of Baroda (5.10%)	20-Sep-21	-	-	-	-	-	11,00,000.00	-	11,00,000.00
7,00,000.00	Bank of Baroda (6.60%)	3-Apr-21	-	-	-	-	-	-	-	-
-	Bank of Baroda (5.00%)	30-Mar-23	-	-	-	-	-	10,00,000.00	-	10,00,000.00
16,50,000.00	Bank of Baroda (3.70%)	10-May-21	-	-	-	-	-	-	-	-
50,00,000.00	HDFC Bank (5.90%)	27-Apr-21	-	-	-	-	-	-	-	-
75,00,000.00	State Bank of India (9.25%)	1-Feb-22	-	-	-	75,00,000.00	-	-	-	75,00,000.00
7,25,767.00	State Bank of India (5.00%)	28-Sep-22	-	-	-	7,25,767.00	-	-	-	7,25,767.00
10,20,199.00	State Bank of India (4.40%)	28-Aug-22	-	-	-	10,60,653.00	-	-	-	10,60,653.00
30,51,000.00	IFCI (9.75%)	16-Jul-30	-	30,51,000.00	-	-	-	-	-	30,51,000.00
41,24,000.00	IFCI (9.90%)	1-Dec-24	-	-	-	41,24,000.00	-	-	-	41,24,000.00
30,63,000.00	IFCI (9.90%)	1-Dec-21	-	-	-	-	-	-	-	-
48,72,500.00	Union Bank of India Bond (9.10%)	30-Mar-22	-	-	-	-	-	-	-	-
85,42,500.00	HDFC Bond (8.83%)	12-May-22	-	-	-	85,42,500.00	-	-	-	85,42,500.00
-	HDFC Bond (8.83%)	12-May-22	-	-	-	5,02,500.00	-	-	-	5,02,500.00
98,66,710.00	PNB Bond (8.95%)	3-Mar-22	-	-	-	-	-	-	-	-
10,11,786.00	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	10,11,786.00	-	-	-	10,11,786.00
-	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	10,11,786.00	-	-	-	10,11,786.00
42,97,630.00	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	42,97,630.00	-	-	-	42,97,630.00
1,71,39,724.00	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	1,71,39,724.00	-	-	-	1,71,39,724.00
20,21,144.00	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	10,10,572.00	-	10,10,572.00	-	-	-	-	20,21,144.00
30,21,396.00	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	30,21,396.00	-	-	-	30,21,396.00
-	Punjab & Sindh Bank Bond (10.90%)	7-May-22	-	-	-	7,58,405.00	-	-	-	7,58,405.00
10,82,401.00	IOB Bond (11.70%)	3-Jan-24	-	10,82,401.00	-	-	-	-	-	10,82,401.00
54,24,400.00	IOB Bond (11.70%)	8-Dec-23	-	-	-	54,24,400.00	-	-	-	54,24,400.00
10,19,605.00	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	10,19,605.00	-	-	-	-	10,19,605.00
10,19,605.00	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	-	10,19,605.00	-	-	-	10,19,605.00
50,52,500.00	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-30	-	-	-	50,52,500.00	-	-	-	50,52,500.00
40,72,580.00	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	-	40,72,580.00	-	-	-	40,72,580.00
-	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	41,43,028.00	-	-	-	-	41,43,028.00
-	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	10,36,064.00	-	-	-	-	-	-	10,36,064.00
-	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	-	61,05,804.00	-	-	-	61,05,804.00
-	IDBI Bond (9.30%)	3-Feb-25	-	-	-	20,76,864.00	-	-	-	20,76,864.00
-	PNB Bond (9.15%)	13-Feb-25	-	-	-	30,60,684.00	-	-	-	30,60,684.00
-	PNB AT-1 (8.30%)	17-Jan-27	-	-	-	1,01,34,670.00	-	-	-	1,01,34,670.00
-	Union Bank of India Bond (8.64%)	2-Mar-27	-	-	-	1,01,16,420.00	-	-	-	1,01,16,420.00
2,93,47,740.00	Union Bank of India Bond (8.30%)	11-Jan-26	-	-	-	2,93,47,740.00	-	-	-	2,93,47,740.00
51,70,000.00	Vijaya Bank (10.49%)	17-Jan-22	-	-	-	-	-	-	-	-
42,12,400.00	Vijaya Bank (10.49%)	17-Jan-22	-	-	-	-	-	-	-	-
16,75,91,121.00	**Sub Total B**		**70,46,636.00**	**73,03,860.00**	**81,73,265.00**	**13,23,88,815.00**	**1,28,583.00**	**35,42,665.00**	**1,32,36,664.00**	**17,18,20,428.00**
17,84,91,121.00	**Grand total (A+B)**		**70,46,636.00**	**73,03,860.00**	**81,73,265.00**	**14,32,88,815.00**	**1,28,583.00**	**35,42,665.00**	**1,32,36,664.00**	**18,27,20,428.00**

Note :

1 Investments against various funds have been segregated on the basis of records maintained by the institution.

Vimal Vidya Vihar Senior Secondary School, Ladnun

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities		Amount		Assets		Amount
Jain Vishwa Bharti				**Property, Plant & Equipment**		
Balance as per Books		1,93,75,027.56				1,84,71,188.87
Add : Profit as per annexed Income & Expenditure Account		7,71,302.16	2,01,46,329.72	**Investments**		
				FDRs with Punjab National Bank		1,32,36,664.00
Corpus Funds						
Building Fund		34,50,000.00		**Cash & Bank Balance**		
Computer Fund		1,11,000.00	35,61,000.00	Cash in Hand	1,82,307.00	
				Cash at Bank		
Revaluation Reserve On Building			90,10,638.00	PNB, Ladnun (950)	2,96,331.49	4,78,638.49
Current Liabilities				**Loans & Advances**		
Sundry Creditors		2,125.00		Security Deposit (For Gas)	2,500.00	
Statutory Dues Payable		64,506.00		Prepaid Expenses	92,816.00	
Advance Fee Received		3,850.00		Accrued Interest on FDRs	2,64,746.00	
Outstanding Expenses		5,610.00		Fees Receivable from Students	13,87,807.00	
Temporary Book OD with PNB (912)		18,209.64		Advance for Expenses	15,938.00	17,63,807.00
Caution Money Payable						
Balance as per last Balance Sheet	10,27,630.00					
Add: Received during the year	1,51,000.00					
Less: Refund during the year	40,600.00	11,38,030.00	12,32,330.64			
			3,39,50,298.36			**3,39,50,298.36**

Vimal Vidya Vihar Seinor Secondary School, Ladnun

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income		Amount
To Advertisement Expenses	36,346.00	By Fees Realised from Students		1,04,12,294.00
To Bank Commission Expenses	4,109.84	By Amount Received from State Govt. for RTE Students		3,07,210.00
To Miscellaneous Expenses	44,861.00	By Interest Received		8,37,078.00
To Vehicle Running & Maintenance Expenses	9,65,270.00	By Donation Received:		
To Staff Welfare Expenses	61,827.00	General Donation	11,00,000.00	
To Depreciation	9,73,635.00	FCRA Donation	3,70,981.00	14,70,981.00
To Legal Expenses	10,770.00	By Miscellaneous Receipts		76,423.00
To Teacher Training Expenses	568.00	By Profit on Sale of Property, Plant & Equipment	155,800.00	
To Guest & Function Expenses	40,933.00			
To Electricity and Water Expenses	1,95,849.00			
To NCC Expenses	2,106.00			
To News Paper & Periodicals	2,175.00			
To Postage, Telegram & Telephone Expenses	16,145.00			
To Printing & Stationery Expenses	44,878.00			
To Repairs & Maintenance Expenses	13,85,678.00			
To Salaries, Wages & Allowances	85,32,080.00			
To Website Expenses	6,380.00			
To Tour & Travelling Expense	450.00			
To Science Lab Expenses	12,871.00			
To Examination Expenses	1,45,659.00			
To CBSE Expenses	5,893.00			
To Excess of Income over Expenditure transferred to Jain Vishwa Bharati	7,71,302.16			
	1,32,59,786.00			**1,32,59,786.00**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

Mahapragya International School, Jaipur

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities			Amount	Assets			Amount
Jain Vishwa Bharti				**Property, Plant & Equipment**			
Balance as per Books	3,04,84,016.54						12,92,62,278.53
Add : Surplus as per annexed Income & Expenditure Account		50,53,944.90	3,55,37,961.44	**Current Assets**			
				Cash & Bank Balance			
Revaluation Reserve				Cash in Hand		48,837.00	
On Land				Cash at Bank			
As per Last Balance sheet		8,93,96,940.00		In Saving Account			
On Building				With ICICI Bank	4,422.00		
As per Last Balance sheet	50,96,574.00			(Subject to Confirmation)			
Less : Depreciation for the year	2,54,829.00	48,41,745.00	9,42,38,685.00	With Axis Bank	11,052.42		
				(Subject to Confirmation)			
Current Liabilities				With State Bank of India	14,66,716.43	14,82,190.85	
Sundry Creditor for Expenses		2,48,472.94		In Fixed Deposit Account			
Advance Fees Received from Students		7,54,877.00		With Karur Vyasya Bank		1,28,583.00	16,59,610.85
Caution Money Payable		6,99,150.00					
Duties & Taxes Payable		21,219.00		**Loans & Advances**			
Security Deposit Payable (To Staff)		3,17,855.00	20,41,573.94	Security Deposit Receivable		20,220.00	
				Other Advances		21,721.00	
				Accrued Interest on Fixed Deposit		8,370.00	
				Fees Receivable from Students		8,46,020.00	8,96,331.00
			13,18,18,220.38				**13,18,18,220.38**

Mahapragya International School, Jaipur

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income	Amount
To Advertisement Expenses	5,31,883.00	By Fees Realised from Students	1,00,40,267.00
To Bank Charges	7,812.26	By Interest Received from Bank	65,952.00
To Travelling & Conveyance Expenses	31,347.00	By CSR Donation Received	41,25,000.00
To Depreciation	17,73,754.00	By Miscellaneous Receipts	8,03,344.00
To Affiliation Fees	50,000.00		
To Electricity Expenses	2,61,090.00		
To Functions & Festival Expenses	69,921.00		
To Expense Incurred for Needy Persons during Covid	52,378.00		
To News Paper & Peroidicals	1,289.00		
To Legal & Professional Fees	23,000.00		
To Office Expenses	25,800.00		
To Printing & Stationery	27,583.00		
To Repairs & Maintenance Expenses	1,09,168.00		
To Salary & Allowances	63,54,973.00		
To School Running Expenses	30,971.00		
To Staff Welfare Expenses	1,32,201.00		
To Telephone & Postage Expenses	20,159.84		
To Website Expenses	7,375.00		
To Miscellaneous Expenses	4,69,913.00		
To Excess of Income over Expenditure transferred to Jain Vishva Bharti	50,53,944.90		
	1,50,34,563.00		**1,50,34,563.00**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

Mahapragya International School, Tamkor

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income		Amount
To Salaries, Wages & Allowances	47,19,501.00	By Fees Realised from Students		39,73,145.00
To Printing & Stationery Expenses	19,242.00	By Interest Received		1,58,517.00
To Staff Welfare Expenses	34,658.00	By Donation Received:		
To News Paper & Periodicals	1,350.00	General Donation	58,87,600.00	
To Repairs & Maintenance Expenses	12,99,871.00	FCRA Donation	10,54,404.00	69,42,004.00
To Postage, Telegram & Telephone Expenses	38,006.00	By Amount Received from State Govt. for RTE Students		1,11,809.00
To Guest & Function Expenses	94,635.00	By Excess of Expenditure Over Income transferred to		
To Depreciation	29,73,134.00	Jain Vishwa Bharati		22,32,170.76
To Legal Expenses	12,000.00			
To Computer Software Expenses	6,486.00			
To Advertisement Expenses	22,736.00			
To Exam Fees Paid	1,05,700.00			
To Parisar Expenses	30,92,719.00			
To Travelling & Conveyance Expenses	30,595.00			
To Bank Commission Expenses	1,365.76			
To Miscellaneous Expenses	10,539.00			
To Vehicle Running & Maintenance Expenses	7,80,878.00			
To Electricity And Water Expenses	73,860.00			
To School Affiliation Fees & Expenses	1,00,000.00			
To Office Expenses	370.00			
	1,34,17,645.76			**1,34,17,645.76**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Mahapragya International School, Tamkor

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities		Amount	Assets		Amount
Jain Vishwa Bharti			**Property, Plant & Equipment**		
Balance as per Books	4,57,74,211.63				4,09,99,452.00
Less : Excess of Expenditure Over					
Income as per annexed Income &			**Investments**		
Expenditure Account	22,32,170.76	4,35,42,040.87	FDRs with Bank of Baroda		35,42,665.00
Corpus Funds/Specific Funds			**Cash & Bank Balance**		
Building Fund		19,27,055.00	Cash in Hand	1,19,920.00	
(As Per Last Balance Sheet)			Cash at Bank		
			Baroda Raj. Gramin Bank	1,20,006.40	
Current Liabilities			Bank of Baroda	1,20,563.47	3,60,489.87
Sundry Creditors	2,27,400.00				
Duties & Taxes Payable	71,273.00	2,98,673.00	**Loans & Advances**		
			Prepaid Expenses	52,537.00	
			Security Deposits	29,157.00	
			Accrued Interest on FDRs	18,447.00	
			Fees Receivable from Students	7,08,970.00	
			Advance to Others	56,051.00	8,65,162.00
		4,57,67,768.87			**45,76,7768.87**

Saman Sanskriti Sankay

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities		Amount	Assets			Amount
Jain Vishwa Bharti			**Property, Plant & Equipment**			
Balance as per Books	4,59,462.06					3,55,840.11
Add : Surplus as per annexed						
Income & Expenditure Account	16,05,252.35	20,64,714.41	**Investments**			
			Bonds			
Corpus Funds/Specific Funds			IDBI Bond 9.5% (03.02.25)	10,19,605.00		
As per Schedule 'B' Annexed		45,86,000.00	IDBI Bond 9.5%(03-02-25)	20,71,794.00		
			IDBI Bond 9.5%(03-02-25)	20,71,234.00		
Amount Payable to Own Units			P. B. & Sind Bond 10.90% (07-05-22)	10,10,572.00	61,73,205.00	
Jain Vishva Bharti, Kolkata		21,42,963.47	Fixed Deposit Receipts			
			Punjab National Bank		20,00,000.00	81,73,205.00
Current Liabilities						
Sundry Creditors	45.00		**Current Assets**			
Duties & Taxes Payable	1,106.00	1,151.00	**Bank Balance**			
			In Saving Account			
			Punjab National Bank			77,569.77
			Loans & Advances			
			Other Advances		16,085.00	
			Accrued Interest		1,72,129.00	1,88,214.00
		87,94,828.88				**87,94,828.88**

Saman Sanskriti Sankay

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income		Amount
To Agam Competition Expenses	3,000.00	By Examination & Other Fees Realised		25,63,970.00
To Agam Manthan Competition Price-2019	58,800.00	By Jain Vidya Karyashala Receipts		20,000.00
To Jain Vidya Karyashala Expense	17,750.00	By Donation Received		3,34,751.00
To Jain Vidya Price-2021	30,900.00	By Interest Received		
To Jain Vidya Expenses	2,35,329.16	On Saving Account	18,985.00	
To Lekh Competition 2019-20 (Sambodhi)	33,000.00	On FDRs & Bonds	5,85,766.80	6,04,751.80
To Sahitya Manthan Competition 2019-20	5,100.00			
To Ayojan Expense	85,935.00			
To Bank Charges	18,023.56			
To Depreciation	49,587.00			
To Electricity & Water Expenses	19,976.00			
To Printing & Stationery	15,755.00			
To Repairs & Maintenance Expenses	2,28,861.76			
To Salary & Allowances	5,75,441.00			
To Postage Expenses	62,652.00			
To Website Expenses	1,38,797.50			
To Dikshanth Samaroh Expenses	15,000.00			
To Gratuity Paid	2,95,096.00			
To Miscellaneous Expenses	1,420.00			
To Fuel Expense	109.00			
To Internet & Telephone Expense	27,682.50			
To Stamp Duty on Purchase of Bonds	4.00			
To Round Off (Net)	0.97			
To Excess of Income over Expenditure transferred to Jain Vishwa Bharati	16,05,252.35			
	35,23,472.80			**35,23,472.80**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

Preksha Dhyan

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities		Amount	Assets			Amount
Jain Vishwa Bharti			**Property, Plant & Equipment**			
Balance as per Books	1,36,78,751.50					7,20,84,015.67
Less : Deficit as per annexed						
Income & Expenditure Account	28,51,474.86	1,08,27,276.64	**Investments**			
			Bonds			
Corpus Funds/Specific Funds			IFCI BONDS 9.75% (2030)	30,57,000.00		
As per Schedule 'B' Annexed		73,71,291.00	IOB Bond (11.70%) (12/2023)	10,82,401.00	41,39,401.00	
			Fixed Deposit Receipts			
Building Fund			Punjab National Bank		31,64,459.00	73,03,860.00
As per last Balance Sheet	5,25,50,000.00					
Add: Addition During the year	50,00,000.00	5,75,50,000.00	**Current Assets**			
			Bank Balance			
Amount Payable to Own Units			In Saving Account			
Jain Vishva Bharti, Kolkata		41,75,302.00	With ICICI Bank			2,12,863.38
Current Liabilities			**Loans & Advances**			
Temporary Book OD with PNB	3,727.41		Other Advances		1,06,575.00	
Sundry Creditors	13,193.00		Accrued Interest		2,49,014.00	3,55,589.00
Duties & Taxes Payable	15,538.00	32,458.41				
		7,99,56,328.05				**7,99,56,328.05**

Preksha Dhyan

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income		Amount
To Bank Charges	3,727.94	By Preksha Foundation Income		42,360.00
To Salary & Allowances	5,52,687.00	By Preksha Vahini Registration Fees		6,500.00
To Electricity Expenses	65,406.00	By Ordinary Camp Fees		7,22,120.00
To Printing & Stationery	41,591.12	By Center Fee		1,200.00
To Repairs & Maintenance Expenses	11,67,215.76	By General Donation Received		2,92,700.00
		By FCRA Donation Received		8,09,575.00
To Depreciation	27,39,223.00	By Miscellaneous Receipts		16,029.00
To Internet & Telephone Expense	3,957.00	By Interest Received		
To Aayojan Expense	60,256.00	On Saving Account	10,771.00	
To Postage Expenses	8,684.34	On FDRs & Bonds	5,36,001.00	5,46,772.00
To Cleaning Expenses	11,269.13	By Sundry Balances W/back (Net)		19,810.00
To Fuel Expenses	3,109.00	By Excess of Expenditure over Income		
To Patrika Expenses	79,939.60	transferred to Jain Vishva Bharati		28,51,474.86
To Sadhana Misc. Expenses	1,75,979.10			
To Sadhana Shivir Expenses	3,95,487.73			
To Round Off (Net)	8.14			
	53,08,540.86			**53,08,540.86**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

Sahitya

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Balance Sheet As at 31st March, 2022

Liabilities		Amount	Assets		Amount
Jain Vishwa Bharti			**Property, Plant & Equipment**		
Balance as per Books		1,80,04,426.89			1,73,67,937.83
Add : Surplus as per annexed					
Income & Expenditure Account	3,56,46,913.56	5,36,51,340.45	**Investments**		
			Bonds	20,46,636.00	
Corpus Funds/Specific Funds			Fixed Deposit Receipts	50,00,000.00	70,46,636.00
Other Corpus Fund		55,00,000.00			
			Current assets		
Amount Payable to Own Units			**Cash & Bank Balance**		
Jain Vishva Bharti, Kolkata		11,08,522.46	Cash in Hand	9,702.00	
			Cash at Bank		
Current Liabilities			In Current Account		
Sundry Creditors	36,93,429.00		With Punjab National Bank	28,27,212.81	28,36,914.81
Advance against Sale of Sahitya	2,09,578.00				
Duties & Taxes Payable	81,186.00	39,84,193.00	**Closing Stock Sahitya**		2,97,00,636.00
			(As taken, valued & certified by the Management)		
			Loans & Advances		
			Prepaid Expense		32,492.00
			Receivable for Sale of Sahitya		15,24,418.27
			Advance to Staff		1,50,53.00
			Other Advances		56,07,181.00
			Accrued Interest	1,12,787.00	72,91,931.27
		6,42,44,055.91			**6,42,44,055.91**

Sahitya

(A Unit of Jain Vishva Bharti, Ladnun)

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 2022

Expenditure	Amount	Income	Amount
To Opening Stock of Sahitya	2,27,52,081.00	By Sale of Sahitya	78,48,771.07
To Purchase/Publication of Sahitya	1,69,41,197.88	By Postage/Freight & Forwarding Charges	4,37,485.00
To Packing & Forwarding Expense	7,64,357.42	By Closing Stockof Sahitya	2,97,00,636.00
To Postage & Courier Expenses	2,86,953.14	By Online Competition Fee	26,700.00
To Advertisement Expenses	25,326.00	By Royalty Received	19,594.00
To Bank Charges	16,651.06	By General Donation Received	2,36,93,000.00
To Travelling & Conveyance Expenses	42,599.00	By CSR Donation Received	18,00,000.00
To Depreciation	1,20,672.00	By FCRA Donation Received	1,88,71,579.2
To Electricity Expenses	49,027.00	By Interest Received	4,84,723.17
To Printing & Stationery	35,550.80	By Miscellaneous Receipts	2,96,541.36
To Salary & Allowances	40,45,241.00		
To Ayojan Expense	16,78,780.00		
To Computer Expense	36,806.00		
To Stall Expense	5,36,207.94		
To Telephone Expenses	20,481.00		
To Website Expenses	1,60,185.00		
To Software Expense	20,000.00		
To Excess of Income over Expenditure transferred to Jain Vishva Bharti	3,56,46,913.56		
	8,31,79,029.80		**83179029.80**

As per our Report of even date
For N. K. Borar & Company
Chartered Accountants

For and on behalf of the board
Jain Vishva Bharati

(Surendra Shah)
Proprietor
M. No. : 073411

(Manoj Kr. Lunia)
President

(Pramod Baid)
Secretary

(Bimal Ch. Bhandari)
Treasurer

Place: Jaipur
Date: 19.08.2022

जैन विश्व भारती

पोस्टः लाडनूं 341306, जिला नागौर (राजस्थान)

संपर्क सूत्रः 01581-226080/224671

E-mail : jainvishvabharati@yahoo.com, ladnun@jvbharati.org